



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1975/ ज्येष्ठ 3, 1897

No. 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1975/JYAISTHA 3, 1897

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—ज्येष्ठ 3—उप-ज्येष्ठ (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(राजा मंदिरालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंदिरालयों और (संघ राज्य सेक्रेटरी प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और प्रधिसूचनाएं

**Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

का० आ० 1576—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जनवरी, 1974 में हुए राजस्थान विधान सभा के उप-निर्वाचन के लिए 64, भरतपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धनेश चन्द्र दुबे, सुपुत्र श्री गोविन्द प्रसाद, पुराने डाक घर के पीछे, भरतपुर (राजस्थान) सोक प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर नथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में अग्रणी रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अस्पष्टवेदन एवं लेखे पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस अभिकलना के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है,

अतः, यत्, उक्त प्रतिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री धनेश चन्द्र दुबे को समदू के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्गत घोषित करता है।

[सं. राज-वि० सं/64/74(ज्य) (51)]

(1933)

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 5th April, 1975

S.O. 1576.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhanesh Chandra Dube, S/o Shri Govind Piasad, Behind Old Post Office, Bharatpur, Rajasthan, a contesting candidate for Bye Election to the Rajasthan Legislative Assembly held in January, 1974 from 64-Bharatpur constituency has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

2. And whereas after considering the representation-cum-account filed by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhanesh Chandra Dube to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. RJ-LA/64/74(BYE) (51)]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

का० आ० 1577.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि अप्रैल, 1974 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के उप-निर्वाचन के लिए

84-बुग्यर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री निम्मगडा सेमुल, एड्डोकेट, मछलीपट्टनम (आन्ध्र प्रदेश), लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तत्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन अधियों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचनाएं दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री निम्मगडा सेमुल को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस अद्वेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आ०प्र०-विंग०/84/74]

New Delhi, the 15th April, 1975

**S.O. 1577.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Nimmagadda Samuel, Advocate (Machilipatnam (Andhra Pradesh), a contesting candidate for the bye-election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in April, 1974 from 84-Vuyyur constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Nimmagadda Samuel to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/84/74]

नई विल्ली, 18 अप्रैल, 1975

**का० आ० 1578.**—यह, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 में दुए तमिलनाडु विधान सभा के साथारण निर्वाचन के लिए 197-कड़ालडी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री एस० छण्ण मार्फत श्री क० पेमल, प्ररासू मनावर इलाम, नन्दगोपाल पुरम, टूटिकोरिन-2 (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तत्वधीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित रीति से अपने निर्वाचन अधियों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यह, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचनाएं दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, एतद्वारा उक्त श्री एस० छण्ण को संसद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने

में और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० न० न०-विंग० म०/197/71(71)]

New Delhi, the 18th April, 1975

**S.O. 1578.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri S. Krishnan, c/o Shri K. Perumal, Arasu Manavat Illam, Nandagopalapuram, Tuticorin-2, (Tamil Nadu) a contesting candidate for election to the Tamil Nadu Legislative Assembly from 197-Kadaladi constituency held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate, even after the due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri S. Krishnan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/197/71(71)]

नई विल्ली, 23 अप्रैल, 1975

**का० आ० 1579.**—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 2 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन आयोग नीचे की सारणी के स्तम्भ 2 में यथा विनिर्दिष्ट सरकार के प्रत्येक आफिसर को ऐसे सरकारी आफिसर के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट परिसीमन आयोग द्वारा अपने आदेश सं० 32 तारीख 1 जनवरी, 1975 द्वारा यथा अवधारित आन्ध्र प्रदेश राज्य के संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र के रिटार्निंग आफिसर को उसके हृत्यों के पालन में सहायता करने के लिए एतद्वारा नियुक्त करता है:—

सारणी

संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का सहायक रिटार्निंग आफिसर रिटार्निंग आफिसर
---

1

2

1. श्रीकाकुलम संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर । . . कलकटर का वैयक्तिक सहायक, श्रीकाकुलम ।
2. पांचोपुरम (भ० ज० जा०) संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर । . . कलकटर का वैयक्तिक सहायक, श्रीकाकुलम ।
3. बोल्क्की संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर । . . कलकटर का वैयक्तिक सहायक, श्रीकाकुलम ।
4. विशाखापट्टनम संसदीय निर्वाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर । . . कलकटर का वैयक्तिक सहायक, विशाखापट्टनम ।

1

2

5. भद्राचलम (ग्र० जा० जा०) संसदीय निर्बचन-क्षेत्र का रिटार्निंग  
आफिसर . . . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, अम्माम।
6. अनकापल्ली संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, विशाखापटनम
7. ककिनाडा संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, पुर्वी गोदावरी
8. राजमन्दीरी संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, पुर्वी गोदावरी।
9. अमलापुरम (ग्र० जा०) संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, पुर्वी गोदावरी।
10. नारसपुर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, पश्चिमी गोदावरी।
11. इसुक संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, पश्चिमी गोदावरी।
12. मछलीपटनम संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, हुण्णा।
13. विजयवाडा संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, हुण्णा।
14. तेनाली संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, गुन्दुर।
15. गुन्दुर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, गुन्दुर।
16. बापतसा संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, प्रकासम।
17. नरसारापेट संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, गुन्दुर।
18. मोर्गीले संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग, आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, प्रकासम।
19. नेल्लोर (ग्र० जा०) संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, नेल्लोर।

1

2

20. तिरुप्पी (ग्र० जा०) संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, चित्तूर।
21. चित्तूर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, चित्तूर।
22. राजमेट संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, कुड्डापाह।
23. कुड्डापाह संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, कुड्डापाह।
24. हिन्तुपुर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, अनन्तपुर।
25. अनन्तपुर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, अनन्तपुर।
26. कुरनूल संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, कुरनूल।
27. नन्दयाल संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, कुरनूल।
28. नगरकुरनूल (ग्र० जा०) संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, महबूबनगर।
29. महबूबनगर संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, महबूबनगर।
30. हैदराबाद संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, हैदराबाद।
31. सिकन्दराबाद संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . उपायुक्त, (रेवन्धु) म्युनिसिपल कारपोरेशन हैदराबाद, हैदराबाद।
32. सिद्धीपेट (ग्र० जा०) संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, मेडक।
33. मेडक संसदीय निर्बाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर . कलक्टर का वैयक्तिक सहायक, मेडक।

1	2
34. निजामाबाद संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, निजामाबाद।
35. ग्राविलाबाद संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, ग्राविलाबाद।
36. पैश्चापल्ली (प्र० जा०) संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, पैश्चापल्ली।
37. करीमनगर संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, करीमनगर।
38. हनमकोणा संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, हनमकोणा।
39. वारंगल संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, वारंगल।
40. खम्माम संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, खम्माम।
41. नालगोडा संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, नालगोडा।
42. मिर्यालगुडा संसदीय निवाचन-क्षेत्र का रिटार्निंग आफिसर	कलकटर का वैयक्तिक सहायक, मिर्यालगुडा।

[सं० 434/प्रा० प्र०/75 (2)]

New Delhi, 23rd April, 1975

S. O. 1579.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 22 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby appoints each of the officers of Government as specified in column 2 of the Table below as Assistant Returning Officer to assist the Returning Officer of the Parliamentary Constituency in the State of Andhra Pradesh as determined by the Delimitation Commission in its Order No. 32 dated 1 January, 1975 and specified in column 1 of the said Table against such officer of Government in the performance of the functions of such Returning Officer:—

Table

Returning Officer of Parliamentary constituency	Assistant Returning Officer
1	2
1. Returning Officer of 1- Srikantham, Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Srikantham.
2. Returning Officer of 2- Parvathipuram (ST) Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Srikantham.
3. Returning Officer of 3- Bobbili Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Srikantham.

1	2
4. Returning Officer of 4- Visakhapatnam Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Visakhapatnam.
5. Returning Officer of 5- Bhadrachalam (ST) Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Khammam.
6. Returning Officer of 6- Anakapalli Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Visakhapatnam.
7. Returning Officer of 7- Kakinada Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, East Godavari.
8. Returning Officer of 8- Rajahmundry Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, East Godavari.
9. Returning Officer of 9- Amalapuram (SC) Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, East Godavari.
10. Returning Officer of 10- Narsapur Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, West Godavari.
11. Returning Officer of 11- Eluru Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, West Godavari.
12. Returning Officer of 12- Machilipatnam Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Krishna.
13. Returning Officer of 13- Vijayawada Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Krishna.
14. Returning Officer of 14- Tenali Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Guntur
15. Returning Officer of 15- Guntur Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Guntur.
16. Returning Officer of 16- Bapatla Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Prakasam.
17. Returning Officer of 17- Narasaraopet Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Guntur.
18. Returning Officer of 18- Ongole Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Prakasam.
19. Returning Officer of 19- Nellore (SC) Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Nellore.
20. Returning Officer of 20- Tirupathi (SC) Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Chittoor.
21. Returning Officer of 21- Chittoor Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Chittoor.
22. Returning Officer of 22- Rajamsetti Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Cuddapah.
23. Returning Officer of 23- Cuddapah Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Cuddapah.
24. Returning Officer of 24- Hindupur Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Anantapur.
25. Returning Officer of 25- Anantapur Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Anantapur.
26. Returning Officer of 26- Kurnool Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Kurnool.
27. Returning Officer of 27- Nandyal Parliamentary Constituency	Personal Assistant to Collector, Kurnool.

1	2
28. Returning Officer of 28- Nagar Kurnool (SC) Parlia- mentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Mahaboobnagar.
29. Returning Officer of 29- Mahabubnagar Parlia- mentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Mahaboobnagar.
30. Returning Officer of 30- Hyderabad Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Hyderabad.
31. Returning Officer of 31- Secunderabad Parliament- ary Constituency.	Deputy Commissioner, (Re- venue) Municipal Corpora- tion of Hyderabad, Hy- derabad.
32. Returning Officer of 32- Siddipet (SC) Parliament- ary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Medak.
33. Returning Officer of 33- Medak Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector Medak.
34. Returning Officer of 34- Nizamabad Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Nizamabad.
35. Returning Officer of 35- Adilabad Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Adilabad.
36. Returning Officer of 36- Peddapelli (SC) Parliament- ary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Karimnagar.
37. Returning Officer of 37- Karimnagar Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Warangal.
38. Returning Officer of 38- Hanamkonda Parliament- ary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Warangal.
39. Returning Officer of 39- Warangal Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Warangal.
40. Returning Officer of 40- Khammam Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Khammam.
41. Returning Officer of 41- Nalgonda Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Nalgonda.
42. Returning Officer of 42- Miryalguda Parliamentary Constituency.	Personal Assistant to Collector, Nalgonda.

[No. 434/AP/75(2)]

**प्रा०का० 1580.—**सोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 21 के उपलब्धों के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, आनंद प्रदेश सरकार के परामर्श से, नीचे की सारणी के स्तम्भ 2 में विनियिष्ट सरकारी आफिसर को, ऐसे सरकारी आफिसर के सामने उक्त सारणी के स्तम्भ 1 में विनियिष्ट परिसीमन आयोग द्वारा अपने आवेदन सं. 32, तारीख 1 जनवरी, 1975 द्वारा यथा अवधारित आनंद प्रदेश राज्य के संनीय निर्वाचन-क्षेत्र के रिटार्निंग आफिसर के रूप में एतद्वारा पदभिहित करता है:—

## सारणी

निर्वाचन-क्षेत्र की ऋम सं।	रिटार्निंग आफिसर
तथा नाम	

1	2
1. श्रीकाकुलम	कलकटर, श्रीकाकुलम।
2. पार्वतीपुरम (प्र० ज० जा०)	कलकटर, श्रीकाकुलम।

1	2
3. बोब्बिली	कलकटर, श्रीकाकुलम।
4. विशाखापटनम	कलकटर, विशाखापटनम।
5. भద्रावलम (प्र० ज० जा०)	कलकटर, खम्माम।
6. अनाकपल्ली	कलकटर, विशाखापटनम।
7. कफिनाडा	कलकटर, पूर्वी गोदावारी।
8. राजामुन्द्री	कलकटर, पूर्वी गोदावारी।
9. अमरालापुरम (प्र० जा०)	कलकटर, पूर्वी गोदावारी।
10. नारसपुर	कलकटर, पश्चिमी गोदावारी।
11. हृषुपु	कलकटर, पश्चिमी गोदावारी।
12. मछलीपटनम	कलकटर, हृष्णा।
13. विजयवाडा	कलकटर, हृष्णा।
14. तेनाली	कलकटर, गुन्टुर।
15. गुन्टुर	कलकटर, गुन्टुर।
16. बापतला	कलकटर, प्रकासम।
17. नरसारा औपेट	कलकटर, गुन्टुर।
18. ओगोले	कलकटर, प्रकासम।
19. नेल्लोर (प्र० जा०)	कलकटर, नेल्लोर।
20. तिरुप्पी (प्र० जा०)	कलकटर, चित्तूर।
21. चित्तूर	कलकटर, चित्तूर।
22. राजमपेट	कलकटर, कुड्डापाह।
23. कुड्डापाह	कलकटर, कुड्डापाह।
24. हिन्दुपुर	कलकटर, अनन्तपुर।
25. अनन्तपुर	कलकटर, अनन्तपुर।
26. कुरनूल	कलकटर, कुरनूल।
27. नन्द्याल	कलकटर, कुरनूल।
28. नगर कुरनूल (प्र० जा०)	कलकटर, महబूबनगर।
29. महबूबनगर	कलकटर, महबूबनगर।
30. हैदराबाद	कलकटर, हैदराबाद।
31. सिक्किमाबाद	आगुस्त और विशेष आकिसर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, हैदराबाद।
32. सिक्कीपेट (प्र० जा०)	कलकटर, मेडक।
33. मेडक	कलकटर, मेडक।
34. निजामाबाद	कलकटर, निजामाबाद।
35. आदिलाबाद	कलकटर, आदिलाबाद।
36. पेड्डापल्ली (प्र० जा०)	कलकटर, करीमनगर।
37. करीमनगर	कलकटर, करीमनगर।
38. हममोकोण्डा	कलकटर, वारपांल।
39. वारगंल	कलकटर, वारगंल।
40. खम्माम	कलकटर, खम्माम।
41. नालगोडा	कलकटर, नालगोडा।
42. मिरमालपुरा	कलकटर, नालगोडा।

[सं. 434/प्रा०प्र०/75(1)]

**S.O. 1580.—**In pursuance of the provisions of section 21 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby designates, in consultation with the Government of Andhra Pradesh, the officer of Government specified in column 2 of the Table below

as the Returning Officer of the Parliamentary Constituency in the State of Andhra Pradesh as determined by the Delimitation Commission in its Order No. 32 dated 1 January, 1975 and specified in column 1 of the said Table against such officer of Government :—

TABLE

Serial No. and name of the parliamentary constituency	Returning Officer
1	2
1. Srikakulam	Collector, Srikakulam.
2. Parvathipuram (ST)	Collector, Srikakulam.
3. Bobbili	Collector, Srikakulam.
4. Visakhapatnam	Collector Visakhapatnam.
5. Bhadrachalam (ST)	Collector, Khammam.
6. Anakapalli	Collector, Visakhapatnam.
7. Kakinada	Collector, East Godavari.
8. Rajahmundry	Collector, East Godavari.
9. Amalapuram (SC)	Collector, East Godavari.
10. Narasapur	Collector, West Godavari.
11. Eluru	Collector, West Godavari.
12. Machilipatnam	Collector, Krishna.
13. Vijayawada	Collector, Krishna.
14. Tenali	Collector, Guntur.
15. Guntur	Collector, Guntur.
16. Bapatla	Collector, Prakasam.
17. Narasaraopet	Collector, Guntur.
18. Ongole	Collector, Prakasam.
19. Nellore (SC)	Collector, Nellore.
20. Tirupathi (SC)	Collector, Chittoor.
21. Chittoor	Collector, Chittoor.
22. Rajampet	Collector, Cuddapah.
23. Cuddapah	Collector, Cuddapah.
24. Hindupur	Collector, Anantapur.
25. Anantapur	Collector, Anantapur.
26. Kurnool	Collector, Kurnool.
27. Nandyal	Collector, Kurnool.
28. Nagar Kurnool (SC)	Collector, Mahaboobnagar.
29. Mahabubnagar	Collector, Mahaboobnagar.
30. Hyderabad	Collector, Hyderabad.
31. Secunderabad	Commissioner and Special Officer, Municipal Corporation of Hyderabad.
32. Siddipet (SC)	Collector, Medak.
33. Medak	Collector, Medak.
34. Nizamabad	Collector, Nizamabad..
35. Adilabad	Collector, Adilabad.
36. Peddapalli (SC)	Collector, Karimnagar.
37. Karimnagar	Collector, Karimnagar.
38. Hanamkonda	Collector, Warangal.
39. Warangal	Collector, Warangal.
40. Khammam	Collector, Khammam.
41. Nalgonda	Collector, Nalgonda.
42. Miryalguda	Collector, Nalgonda.

[No. 434/AP/75 (I)]

नई विल्सी, 7 मई, 1975

का० आ० 1581.—यतः भारत निर्बाचन आयोग ने निर्बाचन प्रतीक (प्रारक्षण और प्रावंटन) प्रादेश 1968 के पैरा 15 के अधीन यह विनियोग किया है कि गोवा, दमण और दीव संघ राज्यसभा में श्री ए० एन० नाइक द्वारा संचालित शुप को यूनाइटेड गोप्रन्स (सेक्विरा शुप) के रूप में वर्णित किया जाए तो यह सभा बातों के लिए ठीक रहेगा;

रूप में मान्यता प्रदान की जाए और उस दल के लिए "हाथ" प्रतीक आरक्षित किया जाए;

और यतः आयोग ने प्रार्गे यह निर्णय किया है कि यदि उक्त दल को यूनाइटेड गोप्रन्स (नाइक शुप) के रूप में वर्णित किया जाए तो यह सभा बातों के लिए ठीक रहेगा;

और यतः आयोग ने आगे डा० सेक्विरा द्वारा संचालित शुप को गोवा, दमण और दीव संघ राज्यसभा में यूनाइटेड गोप्रन्स (सेक्विरा शुप) नाम और अधिनाम से एक राज्यीय दल के रूप में तदर्थं आधार पर मान्यता देने और इसके लिए "दो पत्तियाँ" प्रतीक आरक्षित करने के लिए भी विनियोग किया है;

यतः, अब, निर्वाचन आयोग, निर्बाचन प्रतीक (आरक्षण और प्रावंटन) प्रादेश, 1968 के पैरा 17 के प्रत्युत्तरण में भारत निर्वाचन आयोग, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3(ii), तारीख 31 जनवरी, 1975 के असाधारण शंक में प्रकाशित अपनी प्रधिसूचना सं० [56/75-I [का० ०६१ (ग)] तारीख 31 जनवरी, 1975 में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करता है :—

## सारणी 2 में—

"राज्य का नाम" स्तम्भ में "गोवा, दमण और दीव" प्रविष्टि के समक्ष "राज्यीय दल का नाम" तथा "आरक्षित प्रतीक" स्तम्भों में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

1. महाराष्ट्रवादी गोप्रान्तक—शेर
2. यूनाइटेड गोप्रन्स (नाइक शुप)—हाथ
3. यूनाइटेड गोप्रन्स (सेक्विरा शुप)—दो पत्तियाँ"

## सारणी 3 में—

"26. गोवा, दमण और दीव" प्रविष्टि के समक्ष विद्यमान प्रविष्टियों "(6) तराजू, (7) फालड़ा तथा (8) दो पत्तियाँ" के स्थान पर "(6) तराजू तथा (7) फालड़ा" प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी।

[सं० 56/75-VI]

का० नागसुनमच्छन, सचिव

New Delhi, the 7th May, 1975

S.O. 1581.—Whereas it has been decided by the Commission under paragraph 15 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, that the group led by Shri A. N. Naik should be recognised as the United Goans (Sequeira Group) in the Union Territory of Goa, Daman and Diu and that the symbol 'Hand' should be reserved for that party;

And whereas the Commission has further held that it would be in the fitness of things to describe the said party as United Goans (Nalk Group);

And whereas it has also been further decided to grant ad hoc recognition to the group led by Dr. Sequeira as a State Party in the Union Territory of Goa, Daman and Diu under the name and style of United Goans (Sequeira Group) and to reserve the symbol "Two leaves" for it;

Now, therefore, in pursuance of paragraph 17 of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, the Election Commission hereby makes the following amendments to its notification No. 56/75-I [S.O. 61(E)] dated 31 January, 1975, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3(ii), dated 31 January, 1975, namely:—

In Table 2—

Against the entry "Goa, Daman and Diu" in column "Name of the State", for the existing entries in columns "Name of the State Party" and "Reserved Symbols", the following entries shall be substituted—

1. Maharashtraadi Gomantak.....Lion
2. United Goans (Naik Group).....Hand
3. United Goans (Sequeira Group).....Two leaves"

In Table 3—

Against the entry "26. Goa, Daman and Diu", for the existing entries "(6) Scales, (7) Spade and (8) Two leaves", the entries "(6) Scales, and (7) Spade." shall be substituted.

[No. 56/75-VI]  
V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1975

का० आ० 1582.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 88-मनीगाछी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री राम शरण झा, ग्राम बथई, पौ० बोहरवा, जिला दरभंगा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यतः, अम्बरी का पता मालूम नहीं है और सूचना अम्बरी के घर उस पते पर लगा दी गई जो कि निर्वाचन लड़ने वाले प्रार्थियों की सूची में दिए गए हैं, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास हम असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग, एतद्वारा, उक्त श्री राम शरण झा को संमद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/88/72(182)]

ORDERS

New Delhi, the 29th April, 1975

S.O. 1582.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ram Saran Jha, Village Bathai, P.O. Bauharwa, District Darbhanga who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 88-Manigachhi constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as are required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the whereabouts of the candidate are not known and the notice was affixed at the house of the candidate at the address given in the list of contesting candidates and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ram Saran Jha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/88/72(182)]

का० आ० 1583.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 125-कुरुद निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री ईश्वर चन्द्र, ग्राम करेली, पौ० मेघा, तहसील धमतरी, जिला रायपुर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अस्थायेवेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा, उक्त श्री ईश्वर चन्द्र को संमद् के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० म० प्र०-वि० स०/125/72(70)]

S.O. 1583.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ishwar Chand, Village Kareli, P.O. Megha, Tahsil Dhamtari, Raipur District who was a contesting candidate for election to the Madhya Pradesh Legislative Assembly from 125-Kurud constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Ishwarchand to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[No. MP-LA/125/72(70)]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1975

आदेश

का० आ० 1584.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 129-किशनगंज सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अतद्वार हुसैन, पटना सकिल नं० 45, वाडे नं० 20, पौ० महेन्द्र, जिला पटना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रोक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ओर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिए जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

यतः, अब, उक्त मध्य प्रदेश की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अतद्वार हुसैन को संमद् के किसी भी सदन के

या किसी राज्य की विधान सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने ; और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/129/72(185)]

New Delhi, the 30th April, 1975

**S.O. 1584.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Atahar Hussain, Patna Circle No. 45, Ward No.-20, P.O. Mahendru, Distt. Patna who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 129-Kishanganj constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Atahar Hussain to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/129/72 (185)]

**का० आ० 1585.**—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 101-बिभूतिपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री उमाशंकर झा, प्राम किशनपुरटभका, टोला झहरा, पो० समरथा, जिला दरभंगा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री उमाशंकर झा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/101/72(183)]

**S.O. 1585.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Umashankar Jha, Village Kishanpur Tabhka, Tola Jhabura, P.O. Samartha, District Darbhanga who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 101-Bibhutipur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said

Shri Umashankar Jha to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/101/72(183)]

**का० आ० 1586.**—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 101-बिभूतिपुर निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सौदागर राय, आम-पो० नरहन, जिला दरभंगा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथमा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन प्रायोग एतद्वारा उक्त श्री सौदागर राय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा प्रथमा विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/101/72(184)]

**S.O. 1586.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Saudagar Rai, Village & P.O. Narhan, District Darbhanga who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 101-Bibhutipur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Saudagar Rai to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/101/72(184)]

नई दिल्ली, 2 मई, 1975

**का० आ० 1587.**—यतः, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 36-बरीली निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री पारस नाथ मिह, आम सड़ार, पो० अक्षयवर मिहरा, जिला मारण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये प्रस्तावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान

हो गया है कि उगके पास हम असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्त नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसार में निर्वाचित आयोग एवं द्वारा उक्त श्री पारम नाथ मिश्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-भवा अवश्व विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन बर्ष की बालायधि के लिए निर्गत घोषित करता है।

[सं० खिलौ-विं०/३६/७२(१८६)]

New Delhi, the 2nd May, 1975

**S.O. 1387.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Paras Nath Singh, Village Saran, P.O. Akshyavat Pipra, District Saran who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 36-Darauli constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Paras Nath Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/36/72(186)]

नई दिल्ली, 8 मई, 1975

**का०आ० 1388.**—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग गोवा, वडोदरा और दीव संघ राज्य क्षेत्र के परामर्श से श्री डी० एम० मसुरकर की शुटटी पर जाने के कारण गोवा दमन और दीव सरकार के राजस्व सचिव श्री एम० आर० आर्य की तारीख 5 मई, 1975 से 7 जून, 1975 तक गोवा, दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र के सिए मुख्य निर्वाचन आयोग के रूप में एतद्वारा नाम-निर्देशित करता है।

[सं० १५४/गोवा/७५]  
ए० एन० सेन, सचिव

New Delhi, the 8th May, 1975

**S.O. 1388.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the 'Representation of the People Act, 1950, the Election Commission of India, in consultation with the Administration of the Union Territory of Goa, Daman and Diu, hereby nominates Shri S. R. Arya, Revenue Secretary, Government of Goa, Daman and Diu as Chief Electoral Officer for the Union Territory of Goa, Daman and Diu with effect from the forenoon of 5th May, 1975 to 7th June, 1975 vice D. M. Masurkar granted leave.

[No. 154/Goa/75]  
A. N. SEN, Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी वार्य मंत्रालय

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 3 मई, 1975

नोटिस

**का०आ० 1389.**—इसके द्वारा, लेख्य प्रमाणक नियम (नोटेज रूल) 1956 के नियम 6 के अनुसार, मध्यम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है, कि 24 GI/75-2,

उक्त प्राधिकारी को श्री मलामतराय श्री० गुरबानी अधिकारी, 202 कंवर नगर राजामत का नालाबा, जयपुर ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन जयपुर में लेख्य प्रमाणक (नोटेज) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की लेख्य प्रमाणक के लिए नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियाँ हों तो हम नोटिस के प्रकाशित होने के बीचहूँ दिन के अन्दर जीवे हमनाशक फरने वाले को विष कर भेज दिये जायें।

[सं० खिलौ-विं०/३६/७२(१८६)]

के० त्यागराजन, मध्यम प्राधिकारी

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Justice)

New Delhi, the 3rd May, 1975

#### NOTICE

**S.O. 1389.**—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Salamatrai O. Gurbany, Advocate, 202, Kanwar Nagar, Rajamal-Ka-Talab, Jaipur for appointment as a Notary to practice in Jaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/55/74-Jus.]

K. THYAGARAJAN, Competent Authority.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व श्रीर बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1975

(प्राय-कर)

**का०आ० 1590.**—प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की धारा 80-ग की उपधारा 2(ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए श्री विद्यानाथ स्वामी मन्दिर मांडिवार विलागम, श्रीविलिपुट्टर, रामनाथपुरम जिला तामिलनाडु को तामिलनाडु राज्य में सर्वेत विद्युत लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० ८६३ (का० मं० १७६/३/७४-आ०क०-ए०आ०६०)]

श्री० बी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 31st March, 1975

(Income-Tax)

**S.O. 1590.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Sri Vaidyanatha Swamy Temple Madavarvilagam, Srivilliputtur, Ramanathapuram Dist. Tamilnadu to be a place of public worship of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said Section.

[No. 863 F. No. 176/3/74-IT-AI]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

**CORRIGENDUM**  
New Delhi, the 15th May, 1975  
Insurance

the 5th April, 1975, after the figure of "Rs. 2.50 crores", the brackets, figures and words "(with a right to retain excess subscription to the extent of 10 per cent of the total amount of issue)" may be inserted.

**S.O. 1591.**—In the notifications S.O. Nos. 1019 and 1020 both dated 24th March, 1975, published at page 1370 in the Gazette of India in Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated

[F. No. 88(24)-Ins. IV/75]  
R. D. KHANWALKAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 मई, 1975

का० आ० 1592.—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिक्षित सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण प्रीर प्रधान) नियम, 1965 के नियम 34 के माध्य पटित नियम 9 के उपनियम (2), नियम 12 के उपनियम (2) के खंड (ब) प्रीर नियम 24 के उपनियम (1) के अनुसरण में, भारत सरकार के विस मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० का० नि० आ० सं० 612 तारीख 28 फरवरी, 1957 में निम्नलिखित प्रीर संगोष्ठन करते हैं, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की अनुमूली में—

(1) भाग 2—साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 में, "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग" शीर्षक के अन्तर्गत विश्वासन प्रथितियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रथितिया अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

पद	नियुक्ति प्राधिकारी	अनुशासनिक प्राधिकारी	दण्ड	प्रधान प्राधिकारी
1	2	3	4	5

"कलकत्ता प्रीर उड़ीसा कलेक्टरेट के उड़ीसा एक्स का कार्यालय

संचितीय :

निरीक्षक की पंक्ति से अपर के केन्द्रीय उत्पादणक कलक्टर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर सभी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्रीर सीमा शुल्क थोर्ड	सभी पद अपने अधीन सेवा करने वाले व्यक्तियों की बाबत (i) से (iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर
निरीक्षक की पंक्ति के समतुल्य सहायक कलक्टर (मुख्यालय)	अपर कलक्टर या सहायक कलक्टर सभी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर
या नीचे के ग्रन्थ सभी पद	अपने अधीन सेवा करने वाले अधिकारीयों की (i) से (iv) अपर कलक्टर
संचितीय :	बाबत अपर कलक्टर या सहायक कलक्टर

कार्यालय अधीक्षक

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर सभी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क प्रीर सीमा-शुल्क थोर्ड
अपने अधीन सेवा करने वाले व्यक्तियों की (i) से (iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर	अपने अधीन सेवा करने वाले व्यक्तियों की (i) से (iv) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर

अन्य सभी पद

उत्पादक कलक्टर (मुख्यालय)	अपर कलक्टर सभी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर
या अपर कलक्टर	अपने अधीन सेवा करने वाले अधिकारीयों की बाबत (i) से (iv) अपर कलक्टर।"

(2) भाग 3—साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 4 में, "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क विभाग" शीर्षक के अधीन विश्वासन प्रथितियों के पश्चात् निम्नलिखित प्रथितिया अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

1	2	3	4	5
सभी पद	अपने अधीन सेवा करने वाले व्यक्तियों की अपने अधीन सेवा करने वाले अधिकारीयों की बाबत अपर कलक्टर या सहायक कलक्टर सभी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर।"			

[का० सं० सी०-11016/44/74-ए डी-V]

एस० एच० मणि अग्रवाल, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 31st May, 1975

**S. O. 1592.**—In pursuance of sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 read with rule 34 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) S.R.O. No. 612 dated the 28th February, 1957, namely :—

In the Schedule to the said notification :—

(1) in Part II—General Central Service, Class III, under the heading “Central Excise Department”, after the existing entries, the following entries shall be inserted, namely :—

Post	Appointing Authority	Disciplinary Authority	Penalties	Appellate Authority
1	2	3	4	5
<b>“OFFICE OF THE ORISSA UNIT OF CALCUTTA AND ORISSA COLLECTORATE</b>				
Non-Ministerial :				
All posts above the rank of Inspector	Collector of Central Excise	Collector of Central Excise	All	Central Board of Excise and Customs
		Additional Collector or Assistant Collector in respect of persons serving under him.	(i) to (iv)	Collector of Central Excise
All other posts equal to or below the rank of Inspector	Assistant Collector (Headquarters) or Additional Collector	Additional Collector, Assistant Collector in respect of persons serving under him.	All (i) to (iv)	Collector of Central excise Additional Collector
Ministerial :				
Office Superintendent	Collector of Central Excise	Collector of Central Excise	All	Central Board of Excise and Customs
		Additional Collector or Assistant Collector in respect of persons serving under him.	(i) to (iv)	Collector of Central Excise
All other posts	Assistant Collector (Headquarters) or Additional Collector	Additional Collector	All	Collector of Central Excise
		Assistant Collector in respect of persons serving under him.	(i) to (iv)	Additional Collector

(2) in Part III-General Central Service, Class IV, under the heading “Central Excise Department”, after the existing entries, the following entries shall be inserted, namely :—

1	2	3	4	5
<b>“OFFICE OF THE ORISSA UNIT OF CALCUTTA AND ORISSA COLLECTORATE</b>				
All posts	Additional Collector or Assistant Collector in respect of persons serving under him	Additional Collector or Assistant Collector in respect of persons serving under him	All	Collector of Central Excise”

[F. No. C-11016/44/74-Ad. V.]  
S. H. MONY IYER, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 24 मई, 1975

सीमा शुल्क

**का० १५९३।**—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 157 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान पुर्जों को सावर्थ-गोदाम से निकालने का लक्षणपत्र विनियम, 1975 है।
- (2) ये राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे।

2. लक्षणपत्र का प्रारूप: सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 85 के निवन्धनों के अनुसार आयात किये गये और किसी गोदाम में जमा किये गये वायुयान-भंडारों की बाबत, उनके पुनः नियंत्रित के लक्षणपत्र, इससे उपायद्वारा अनुसूची में दिये गये प्रारूप में प्रस्तुत किया जायेंगे।

अनुसूची

वायुयान पुर्जों को सावर्थ-गोदाम से निकालने के लिये लक्षण पत्र

नियंत्रित सूची सं०

नियंत्रितकर्ता का नाम

क्रमावर्ती सं०

वर्ष

पत्रा

नियंत्रित का पत्रन

क्रम सं०

वायुयान रजिस्ट्रीकरण सं०

प्रस्तुत करने की तारीख

1	2	3	4	5	6
अम सं० बन्धपत्र सं० और तारीख जिस गोदाम से माल निकालना है उसका विवरण प्रतिष्ठित पत्र की सं० और तारीख आयात कर्ता का माल का वर्णन नाम और पता					
7	8	9	10		
मात्रा	पूनिट मूल्य रूपयों में	कुल मूल्य रूपयों में	टिप्पणी		
नगों की कुल सं०		रूपयों (अंकों में)	में मूल्य का कुल योग		
		रूपयों (शब्दों में)			
नियत मुद्रा सं० और तारीख	नियत के लिये पास किया निवारक अधिकारी/अधिकारी के हस्ताक्षर		मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दी गई विविषिताएँ सही हैं। नियतकर्ता या उसके प्राधिकरुत अधिकर्ता के हस्ताक्षर		
			[मं० 42/75-सी० शु०/का० सं० 482/2/74-सी० शु०-7]		
			वी० के० शु०ना, उप-सचिव		

## (CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS)

New Delhi, the 24th May, 1975

## Customs

S.O. 1593.—In exercise of the powers conferred by section 157 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These regulations may be called the Shipping Bill for Aircraft spares Ex-bond Regulations, 1975.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. Form of Shipping Bill :—In respect of aircraft stores imported and deposited in a warehouse in terms of section 85 of the Customs Act, 1962, Shipping Bills for their re-export shall be presented in the form set out in the Schedule hereto annexed.

## SCHEDULE

## Shipping Bill for Aircraft Spares Ex-bond

Export Manifest No.....	Name of Exporter.....
Rotation No. ....	Year.....
Port of Export.....	S.No. ....
Aircraft Registration No. ....	Date of presentation.....

1	2	3	4	5	6
Sl. No.	Bond No. and date	Particulars of the warehouse from which goods are to be removed	Bill of Entry No. and Date	Name and address of the importer	Description of goods
					Airlines Part No. Manufacturers Part No.

7	8	9	10
Quantity	Unit value in Rupees	Total value in Rupees	Remarks

Total Number of Items	Grand total value in (Figures) Rs.....
	(Words) Rupees.....

Export Free Number and Date	Passed for Export Signature of Preventive Officer.	I/We declare that the particulars given above are true. Signature of Exporter or his authorised agent.
-----------------------------	---	---

[No. 42/75-Cus./F.No.482/2/74-Cus.VII]

V. K. GUPTA, Dy. Secy,

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1975

**का० आ० 1594.**—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुवे केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एवंद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्ध कैथेलिक सोसायटेन बैंक लिमिटेड द्वारा केरल राज्य के एनकुलम जिला, मुवात्तूपुरा तालुका, पाल कूसा ग्राम में धृत 2.59 एकड़ की अचल समति के सम्बन्ध में उक्त बैंक पर 5 अप्रैल, 1976 तक लागू नहीं होगे।

[सं० 15(10)-बी० आ० 3/75]  
म० भा० उमरावाहकर, अवर सचिव

(Department of Banking)  
New Delhi, the 23rd April, 1975

**S.O. 1594.**—In exercise of the powers conferred by section 33 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply, till the 5th April, 1976, to the Catholic Syrian Bank Ltd., Trichur, in respect of the immovable property measuring 2.59 acres held by it at Palakuzha village, Muvattupuzha Taluk, Ernakulam District, Kerala State.

[No. 15(10)-B.O. III/75]  
M. B. USGAONKAR, Under Secy.

**का० आ० 1595.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 की धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, श्री डी० एन० होड़ के स्थान पर वित्त मंत्रालय बैंकिंग, विभाग, नई दिल्ली के निवेशक श्री द० म० सुक्तंकर को एतद्वारा यूनाइटेड कार्मीशियल बैंक के निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/2/75-बी० आ० 1(1)]

**S.O. 1595.**—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri D. M. Sukthankar, Director, Department of Banking, Ministry of Finance, New Delhi as a Director of United Commercial Bank, vice Shri D. N. Ghosh.

[No. F. 9/2/75-B.O.I (1)]

नई दिल्ली, 12 मई, 1975

**का० आ० 1596.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 की धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार,

श्री डी० एन० होड़ के स्थान पर वित्त मंत्रालय बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के निवेशक श्री द० म० सुक्तंकर को एतद्वारा यूनाइटेड बैंक माल इंडिया के निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/2/75-बी० आ० 1(2)]

New Delhi, the 12th May, 1975

**S.O. 1596.**—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri D. M. Sukthankar, Director, Department of Banking, Ministry of Finance, New Delhi as a Director of United Bank of India, vice Shri D. N. Ghosh.

[No. F. 9/2/75-B.O. I(2)]

**का० आ० 1597.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 की धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, श्री के० पी० गीताकृष्णन के स्थान पर वित्त मंत्रालय बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव डा० डी० एन० सक्सेना को एतद्वारा सिडीकैट बैंक के निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/2/75-बी० आ० 1(3)]

**S.O. 1597.**—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Dr. D. N. Saxena, Joint Secretary, Department of Banking, Ministry of Finance, New Delhi as a Director of Syndicate Bank, vice Shri K. P. Geethakrishnan.

[No. F. 9/2/75-B.O. I (3)]

**का० आ० 1598.**—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 की धारा 3 की उपधारा (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, श्री के० पी० गीताकृष्णन के स्थान पर वित्त मंत्रालय बैंकिंग विभाग, नई दिल्ली के निवेशक श्री एम० दण्डपाणि को एतद्वारा इण्डियन ओवर-सीज बैंक के निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/2/75-बी० आ० 1(4)]

**S.O. 1598.**—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri M. Dandapani, Director, Department of Banking, Ministry of Finance, New Delhi as a Director of Indian Overseas Bank, vice Shri K. P. Geethakrishnan.

[No. F. 9/2/75-B.O. I (4)]

भारतीय रिजर्व बैंक  
नई दिल्ली, 13 मई, 1975

**का० आ० 1599.**—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में मई 1975 के 2 दिनांक को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा

आस्तियां	रुपये	रुपये
संग का सिक्का और बुलियन:-		
(क) भारत में रखा हुआ	182,52,58,000	
(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
विवेशी प्रतिभूतियां	121,73,97,000	
जोड़		304,26,55,000
रुपये का सिक्का		5,81,96,000
भारत सरकार की रुपया		
प्रतिभूतियां		6180,38,02,000
वेशीय चिनिमय बिल और दूसरे		
वाणिज्य-पत्र		
कुल आस्तियां		6490,49,53,000
दिनांक 7 मई 1975		एस० जगन्नाथन, गवर्नर

2 मई 1975 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकालाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	प्रास्तियाँ	रुपये
जुकाम पूँजी	5,00,00,000	बोट	7,38,48,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिफ्का	4,22,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि	284,00,00,000	छोटा सिफ्का	4,70,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	95,00,00,000	खरीद और खुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय श्रौद्धोगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि	265,00,00,000	(क) बैशी	163,28,76,000
जमा राशियाँ :—		(ख) विदेशी	..
(क) सरकारी		(ग) सरकारी खजाना बिल	405,22,99,000
(i) केन्द्रीय सरकार	116,63,69,000	विवेशों में रक्षा हुआ बकाया*	533,70,99,000
(ii) राज्य सरकारे	8,34,42,000	निवेश**	436,39,70,000
(ख) बैंक		ऋण और अधिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	547,94,21,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	19,61,37,000	(ii) राज्य सरकारों को @	371,59,37,000
(iii) और अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,40,70,000	ऋण और अधिम :—	
(iv) अन्य बैंक	66,30,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक को	327,05,64,000
(ग) अन्य	743,41,55,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को ††	338,65,04,000
देय बिल	137,05,11,000	(iii) दूसरों को	40,21,20,000
अन्य देयताएँ	918,91,48,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		(क) ऋण और अधिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	69,97,06,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	13,92,32,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिकर्त्ता बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित निगम को	70,70,00,000
		(अ) केन्द्रीय भूमिकर्त्ता बैंकों के डिवेंचरों में निवेश	10,77,46,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अधिम	
		राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अधिम	37,90,92,000
		राष्ट्रीय श्रौद्धोगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि से ऋण, अधिम और निवेश	
		(क) चिकास बैंक को ऋण और अधिम	264,64,56,000
		(ख) चिकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिवेंचरों में निवेश	..
		अन्य प्रास्तियाँ	201,45,42,000
रुपये	3292,98,83,000	रुपये	3292,98,83,000

\* नकदी, आवधिक जमा और अत्यकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

\*\* राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबलंत) निधि और राष्ट्रीय श्रौद्धोगिक ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@ राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबलंत) निधि में प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

† भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मोकादी बिलों पर अधिम दिये गये 177,59,74,000 रुपये शामिल हैं।

†† राष्ट्रीय कृषि ऋण (वीर्धकालीन प्रबलंत) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अधिम शामिल नहीं हैं।

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

[स० फा० 10(1)/75-ग्रो-ग्रो-I]

ब० व० भीरचन्द्रानी, अग्रह सचिव

## RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi, 13 May, 1975

S. O. 1599.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 2nd day of May 1975.  
(Issue Department)

Liabilities	Rs.	Rs	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	7,38,48,000		Gold Coin and Bullion :—	182,52,58,000	
Notes in circulation	6483,11,05,000		(a) Held in India . . . . .	182,52,58,000	
Total notes issued	6490 49,53,000		(b) Held outside India . . . . .	..	
			Foreign Securities . . . . .	121,73,97,000	
			Total . . . . .	304,26,55,000	
			Rupce Coin . . . . .	5,84,96,000	
			Government of India Rupee Securities . . . . .	6180,38,02,000	
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper . . . . .	..	
Total Liabilities . . . . .	6490,49 53,000		Total Assets . . . . .	6490,49,53 000	

S. JAGANNATHAN, Governor.

Dated the 7th day of May 1975

## Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 2nd May 1975

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Paid Up . . . . .	5,00,00,000	Notes . . . . .	7,38,48,000
Reserve Fund . . . . .	150,00,00,000	Rupee Coin . . . . .	4,22,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	Small Coin . . . . .	4,70,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
National Industrial Credit (Long Term Operation) Fund	265,00,00,000	(a) Internal . . . . .	163,28,76,000
Deposits :—		(b) External . . . . .	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills . . . . .	405,22,99,000
(i) Central Government . . . . .	116,63,69,000	Balances held Abroad* . . . . .	533,70,99,000
(ii) State Governments . . . . .	8,34,42,000	Investments** . . . . .	436,39,70,000
(b) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks . . . . .	547,94,21,000	(i) Central Government . . . . .	371,59,37,000
(iii) Scheduled State Co-operative Banks . . . . .	19,61,37,000	(ii) State Governments@ . . . . .	327,05,64,000
(ii) Non-Scheduled State Co-operative Banks . . . . .	1,40,70,000	(iii) State Co-operative Banks++ . . . . .	338,65,04,000
(iv) Other Banks . . . . .	66,30,000	(b) Investment in Central Land Mortgage Banks . . . . .	40,21,20,000
(c) Others		Bank Debentures . . . . .	
Bills Payable . . . . .	743,41,55,000	Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund . . . . .	10,77,46,000
Other Liabilities . . . . .	137,05,11,000	Loans and Advances to State Co-operative Banks . . . . .	37,90,92,000
	918,91,48,000	Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund . . . . .	
Rupees . . . . .	3292,98,83,000	(a) Loans and Advances to the Development Bank . . . . .	264,64,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank . . . . .	..
		Other Assets . . . . .	201,45,42,000
Rupees . . . . .	3292,98,83,000		

\*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

\*\*Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

+ Includes Rs. 177,59,74,000/- advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India, Act.

++ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 7th day of May 1975

S. JAGANNATHAN, Governor

[No. F. 10(1)/75-BO-I]

C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

**का० आ० 1600.**—बैंकिंग बोर्ड नियम आधानयम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त आधिकारों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतव्यारा यह घोषणा करती है कि उपर्युक्त अधिनियम की धारा 18, धारा 20 की उपधारा (2) धारा 24 की उपधारा (3) धारा 26 धारा 27 की उपधारा (1) तथा धारा 31 के उपनिवेश जिनके प्रधीन सहकारी बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक को विवरण भेजने पड़ते हैं, अप्रृष्ट-मान एंड निकोबार स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर पहली जनवरी, 1975 से आरम्भ और 30 अप्रैल 1975 को समाप्त होने वाली 4 माह की अवधि के लिये लागू नहीं होगी।

[संख्या एफ 8(5)/75-ए० सी०]

के० भवानी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1600.**—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 18, sub-section (2) of section 20, sub-section (3) of section 24, section 26, sub-section (1) of section 27 and section 31 of the said Act, in so far as they require a co-operative bank to submit returns to the Reserve Bank of India, shall not apply to the

Andaman and Nicobar State Co-operative Bank Ltd. for a period of four months commencing on the 1st day of January, 1975 and ending with the 30th day of April, 1975.

[No. F. 8(5)/75-AC]  
K. BAVANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मई, 1975

**का० आ० 1601.**—शौचालिक वित्त नियम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उपधारा 2 के अनुसार मैं केन्द्रीय सरकार, भारतीय शौचालिक वित्त नियम के नियेशक भैंडल की सिफारिश पर, उन बाण्डों पर देय व्याज की दर 6 प्रतिशत (छ: प्रतिशत) वार्षिक निश्चित करती है, जो उक्त नियम द्वारा 9 जून, 1975 को जारी किए जाने वाले हैं और 9 जून, 1985 को परिवर्त्य होंगे।

[सं० एफ 2(18)-आई एफ 1/75]  
म० कु० वेंकटाचलम, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 9th May, 1975

**S.O. 1601.**—In exercise of sub-section (2) of section 21 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948), the Central Government on the recommendation of the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India, hereby fixes 6% (six per cent) per annum as the rate of interest payable on the bonds to be issued by the said corporation on the 9th June, 1975 and maturing on the 9th June, 1985.

[No. F. 2(18)-IFI/75]  
M. K. VENKATACHALAM, Joint Secy.

## उद्धीग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 2 मई, 1975

**का० आ० 1602.**—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के उपरिनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 32 लाइसेंसों के अधीन नीचे अनुपूर्वी में शिए गए हैं, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देने हुए माह नवम्बर 1973 में स्वीकृत किए गए हैं :—

## अनुपूर्वी

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या (सीएम/एल-)	पैदाता की प्रवधि से	लाइसेंसधारी का नाम और पता तक	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पद नाम	
1	2	3	4	5	6
1.	सीएम/एल-3588 2-11-1973	16-11-1973 15-11-1974	मैसर्से डेलीसिया इंडिया लिं०, 115, उल्लुर रोड, एन्ट्रिमिनियम फायरफॉर्क्स लिं०, बंगलौर-42 (कार्यालय: महालक्ष्मी चैम्बर्स, 22, भूतामाई देसाई रोड, बैंगलौर-26)	प्रत्यन्तम्-4	IS : 6138—1972
2.	सीएम/एल-3589 5-11-1973	16-11-1973 15-11-1974	मैसर्से इस्टनैं कर्मणियल एण्ड हॉस्टिलियल इंटर-प्राइजेज लिं०, हॉस्टिलियल इस्टेट, विशाखा-पत्तनम्-4	प्रत्यन्तम्-4	एनोडीकृत एन्ट्रिमिनियम के टक्कर कन्फ्रै— IS : 205—1966
3.	सीएम/एल-3590 5-11-1973	16-11-1973 15-11-1974	मैसर्से हाइड्रॉलिक्स लिमिटेड, 20, माउंट रोड, मद्रास-600002	सीधे काम करने वाले डेनिस्कोपी प्रकार के स्वचन गाड़ियों में लगाने वाले द्विव चालित शॉक एक्जाक्यर टाइप 10— IS : 5423—1969	
4.	सीएम/एल-3591 6-11-1973	16-11-1973 15-11-1974	दि टाटा आयरन एण्ड स्टील कं० लिं०, जमशेदपुर (बिहार)	मेटल आर्क बेलिंग इलेक्ट्रोड कोर तार के लिये मुदु इस्पात— IS : 2879-1967	
5.	सीएम/एल-3592 6-11-1973	16-11-1973 15-11-1974	मैसर्से हैस्टर्न मिनरल्स सी 1 और सी 2, हॉस्टिलियल इस्टेट ग्वालियर रोड, जांसी (कार्यालय: 195 लक्ष्मणगंज, जांसी)	एन्ट्रिमिन पायसनीय लैंग ग्राम— IS : 1308-1958	

1	2	3	4	5	6
6.	सीएम/एल-3593 7-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स गुजरात आयरन एण्ड स्टील कॉ. लि०, भ्रष्टोड़ी रोड, स्टेशन (प० रेलवे) गांव बलेतेज (महमदाबाद)	कंकोट प्रबलन के लिये केवल 12 मिमी साइज की ठंडी मरोड़ी विहृत इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966
7.	सीएम/एल-3594 9-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कॉ. लि०, वाया टाटानगर (कार्किण पूर्वी रेलवे) जमशेदपुर	बेटी में जुआई में प्रयुक्त चक्रिया— IS : 4366-1972
8.	सीएम/एल 3595 2-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स सोलर सिर्किट इंग्रीज जिला बलसाह (प० रेलवे)	ताज्र आक्सीकोराइड जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS : 1507-1966
9.	सीएम/एल 3596 13-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स वामोवर आयरन बक्स पूना बंगलोर रोड, बेलगाम (कनाटक राज्य)	560 मिमी साइज के गोलाकार ढलवा लोहे के मैत्रांग, फेम और उक्कन भारी इम्फ्टी वाले— IS : 1726-1967
10.	सीएम/एल-3597 13-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स ऐसल इंडस्ट्रीज लि०, अम्बोली हिल, बीरा वेसाई रोड, वर्सोबा रोड से परे, अधिकारी बम्बई (कार्यालय : 184-87 स्वामी विवेकानन्द रोड, जोगेश्वरी, बम्बई-60)	एलुमिनियम फासफाइड की टिकियां— IS : 6438-1972
11.	सीएम/एल-3598 19-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स राठी एलायज एण्ड स्टील लि०, प्लाट स० ए-१, इंडस्ट्रियल एरिया दक्षिण जीठी रोड, गाजियाबाद जिला भेरठ	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवा बिलेट सिलियां— IS : 6915-1973
12.	सीएम/एल-3599 13-11-1973	1-4-1974	31-3-1975	मेसर्स आरके वायर्स (प्रा०) लि०, 123/397, फैटरी एरिया, फजलांग कानपुर (कार्यालय : 117/491 पांडुनगर कानपुर)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398-1961
13.	सीएम/एल-3600 14-11-1973	15-11-1973	15-11-1974	मेसर्स यूनियन पेस्टीसाइड्स श्रीरामनगर, विदेशा (म०प्र)	डीडीटी घूलन पाउडर— IS : 564-1961
14.	सीएम/एल-3601 14-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स ऐसल इंडस्ट्रीज लि०, 184-87 स्वामी विवेकानन्द रोड, जोगेश्वरी बम्बई-60	इस्टर्लीन डाइओमाइड— IS : 1311-1966
15.	सीएम/एल-3602 15-11-1973	1-11-1973	31-10-1974	मेसर्स हॉट इंजिन लि०, ए-७ इंडियाइंडस्ट्रियल/ इलेट सनतनगढ़, हैवराबाद-500078 (प्रा० प्र)	निम्न रेटिंग वाले डीजल इंजिन— किवा चक्रकर प्रति मिनट
16.	सीएम/एल-3603 15-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	मेसर्स राठी एलायज एण्ड स्टील लि०, प्लाट संख्या ए-१, इंडस्ट्रियल एरिया दक्षिण जीठी० रोड, गाजियाबाद जिला भेरठ	5. 15( 7हापा ) झैतिज 3. 67( 5हापा ) झौर्ण IS : 1601-1960
17.	सीएम/एल-3604 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स उषा मार्टिन ब्लैक (आयररोप्स) लि०, तासीसिलवर्ड राष्ट्री (विहार) (कार्यालय : 14 प्रिमेस स्ट्रीट, कलकत्ता-31)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवा बिलेट सिलियां— IS : 6914-1973
18.	सीएम/एल-3605 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स महाजन आयरन कम्पनी बिल्लोचपुरा रेलवे स्टेशन आगरा-2	पूर्व प्रबलित कंकोट के लिये सावे सब्लॉ खिचे इस्पात के तार— (1) ठंडी मरोड़ी खिचाव रहित-तार और (2) खिचे तार IS : 1785(भाग-1)-1966 IS : 1785(भाग-2)-1967
19.	सीएम/एल-3606 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, 21/3 मधुरा रोड, बल्लभगढ़ (हरयाणा)	आनवर्ध ढलवा लोहे के पाइप फिटिंग एवं, टी .भौर सेकेट केवल 50 मिमी तक के— IS : 1879-1961
					संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवा बिलेट सिलियां— IS : 6914-1973

1	2	3	4	5	6
20.	सीएम/एल-3607 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स प्रताप स्टील रोटिंग मिल्स प्रा० लि०, 21/3 मथुरा रोड, बलभगड़ (हरयाणा)	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयाँ— IS : 6915-1973
21.	सीएम/एल-3608 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स वी आर स्टील प्राइवेट्स प्रा० लि०, एम प्राई० डी० सी० इडिन्स्ट्रियल इस्टेट, थाना बेलापुर रोड, काल्ये, थाना, (कार्यालयः वासवानी मैशन 120 दीनशाहाचा रोड, बम्बई-10)	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिये साथे सहत छिके इस्पात के तार— IS : 1785(भाग 2)-1967
22.	सीएम/एल-3609 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स दामोदर भायरन कर्स डाक बाक्स सं० 7, पूना बंगलोर रोड, बेलगाम (कर्नाटक राज्य)	मैनहोल के लिये ढलवां लोहे की सीढ़ियाँ— IS : 5455-1969
23.	सीएम/एल-3610 28-11-1973	1-10-1973	30-9-1974	मेसर्स डालिमा विस्कुट प्रा० लि०, राजपुरा, जिला पटियाला (पंजाब)	निम्नप्रकार के बिस्कुट वफ़-क्रीम, खूकोज़, झूष, ताइस, मख्खनक्रीम, डीलक्स, पाय, ग्लूकोज़, बीन बान, नमक भरारोट, संतराक्रीम, रायल साल्टी घमर, अनन्नास श्रीम, लैमनक्रीम, मारी नारियल, कूकीज टोको, कैराबेज, और लेफ्टोंज— IS : 1011-1968
24.	सीएम/एल-3611 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	दि हैदराबाद एलिवन मेटल बकर्स लि०, सनकनगर, हैदराबाद	द्रवित ऐट्रोलियम गैस के साथ उपयोग के लिये घरेलू कुकिंग रेंज, प्रिलर सहित— IS : 4760-1968
25.	सीएम/एल-3612 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स मेटलको काप्ट, 95/11, छासीपुर रोड, कलकत्ता-2	जूरों के टो के बचाव के लिये इस्पात की टोपियाँ— IS : 5852-1970
26.	सीएम/एल-3613 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स आनंद स्टील कारपोरेशन लि०, मल्कापुरम, विशाखापत्नम् कार्यालयः थामसन स्ट्रीट, विशाखापत्नम्-1	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयाँ— IS : 6914-1973
27.	सीएम/एल-3614 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयाँ— IS : 6915-1973
28.	सीएम/एल-3615 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स एच मौलाबक्ष संस एप्ल कं०, 88/22 नालारोड, सीसामऊ, कानपुर	अनिंजों के लिये केवल चमड़े के सोल वाले बच्चाओं शूट— IS : 1989-1967
29.	सीएम/एल-3616 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स श्री गणेश पुल्हराइंग मिल्स, पुतेरी रोड, कल्नानकुरिसि सलेम-8 तमिलनाडु	बीएस्सी घुलन पाउडर— IS : 561-1962
30.	सीएम/एल-3617 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	मेसर्स लायझ विद्युमेन प्राइवेट्स प्रा० लि०, 1, तारातल्ला रोड, कलकत्ता-53 (कार्यालयः ए-रायड स्ट्रीट, कलकत्ता-16)	जलसह बनाने के कार्यों के लिये विद्युमेन (प्ला- स्टिक)— IS : 1580-1969
31.	सीएम/एल-3618 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	दि सिंह हंजीनियरिंग वर्क्स (प्रा) लि०, 84/21 फजलगाज, फैक्ट्री एरिया, कानपुर (कार्यालयः 84/54 जीटी रोड, कानपुर)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेलन के लिये कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयाँ— IS : 6914-1973
32.	सीएम/एल-3619 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेलन के लिये इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयाँ— IS : 6915-1973

**MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES**  
**(Indian Standards Institution)**

New Delhi, the 2nd May, 1975

**S.O. 1602.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that thirty two licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of November 1973 authorizing the licensees to use the Standard Marks.

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. No. (CM/L-)	Period of Validity		Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS : Designation
		From	To		
1	2	3	4	5	6
1.	CM/L-3588 2-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Delicia India Limited, 1/5, Ulsoor Road, Bangalore-42. (Office : Mahalaxmi Chambers, 22, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26).	Aluminium phosphide tablets (Phosfume)—IS : 6438—1972
2.	CM/L-3589 5-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Eastern Commercial & Industrial Enterprises Pvt. Ltd., Industrial Estate, Visakhapatnam-4.	Anodized aluminium butt hinges—IS : 205—1966
3.	CM/L-3590 5-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Hydraulics Limited, 29, Mount Road, Madras-600002.	Hydraulics shock absorbers direct acting telescopic, type 10—IS : 5423—1969
4.	CM/L-3591 6-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	The Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jamshedpur (Bihar).	Mild steel for metal arc welding electrode core wire—IS : 2879—1967
5.	CM/L-3592 6-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Eastern Minerals, C-1 & C-2, Industrial Estate Gwalior Road, Jhansi, (Office : 195, Laxmanganj, Jhansi).	Aldrin dusting powders—IS : 1308—1958
6.	CM/L-3539 7-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Gujarat Iron & Steel Co. Ltd., Ambli Road Station (W. Rly), Village Thaltej, Ahmedabad.	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement size 12mm only—IS : 1786—1966
7.	CM/L-3594 9-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., Via Tatanagar (S.E. Rly), Jamshedpur.	Agricultural tillagedises—IS : 4366—1972
8.	CM/L-3595 12-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Solar Syndicate, Dungri Distt. Bulsar, (W. Rly).	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates—IS : 1507—1966
9.	CM/L-3596 13-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Damodar Iron Works, Poona-Bangalore Road, Belgaum (Karnatak State).	Cast iron manhole frames and covers, heavy duty, circular type 560 mm size—IS : 1726—1967
10.	CM/L-3597 13-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Excel Industries Ltd., Amboli Hill, Veera Desai Road, Off Versova Road, Andheri Bombay. (Office : 184—87, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-60).	Aluminium phosphide tablets—IS : 6438—1972
11.	CM/L-3598 13-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Rathi Alloys & Steel Ltd., Plot No. A-1 Industrial Area, South Side of G.T. Road, Ghaziabad, Distt. Meerut.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)—IS : 6915—1973
12.	CM/L-3599 13-11-1973	1-4-1974	31-3-1975	M/s. Arkay Wires (P) Ltd., 123/397, Factory Area, Fazalganj, Kanpur. (Office : 117/491, Pandu Nagar, Kanpur).	All aluminium conductors and ACSR conductors—IS : 398—1961
13.	CM/L-3600 14-11-1973	15-11-1973	15-11-1974	M/s. Union Pesticides, Shri Ram Nagar, Vidisha (M.P.)	DDT dusting powders—IS : 564—1961
14.	CM/L-3601 14-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Excel Industries Ltd., 184—87, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-60.	Ethylene dibromide—IS : 1311—1966
15.	CM/L-3602 15-11-1973	1-11-1973	31-10-1974	M/s. Krish Engines Ltd., A-7 Unit, Industrial Estate, Sanatnagar, Hyderabad-500018, (Andhra Pradesh).	Disel engines of the following rating : KW R.P.M. type 5.15 (7HP) Horizontal KW R.P.M. Type Vertical— IS : 1601—1960
16.	CM/L-3603 15-11-1973	16-11-1973	15-11-1974	M/s. Rathi Alloys & Steel Ltd., Plot No. A-1 Industrial Area, South Side of G.T. Road, Ghaziabad, Distt. Meerut.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)—IS : 6914—1973

1	2	3	4	5	6
17.	CM/L-3604 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Usha Martin Black (Wire Ropes) Ltd., Tatisilwai, Ranchi (Bihar). (Office : 14, Princes Street, Calcutta-13).	Plain hard-drawn steel wire for prestressed concrete; (i) Cold-drawn stress-relieved wire; and (ii) As-drawn wire— IS : 1785 (Part I)—1966, IS : 1785 (Part II) 1967.
18.	CM/L-3605 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Mahajan Iron Foundry, Opp. Billoch-pura Railway Station, Agra-2.	Malleable cast iron pipe fittings elbow, tee and socket upto 50 mm only— IS : 1879—1961
19.	CM/L-3606 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., 21/3, Mathura Road, Ballabgarh (Haryana).	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973
20.	CM/L-3607 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Partap Steel Mills Pvt. Ltd., 21/3, Mathura Road, Ballabgarh (Haryana).	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973
21.	CM/L-3608 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. B.R. Steel Products P. Ltd., M.I.D.C. Industrial Estate, Thana Belapur Road, Kalwe, Thana. (Office : Vaswani Mansions, 120, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20.)	Plain hard-drawn steel wire for prestressed concrete-as drawn wire— IS : 1785 (Part II)—1967
22.	CM/L-3609 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Damodar Iron Works, Post Box No. 7, Poona Bangalore Road, Belgaum (Karnatak State).	Cast iron steps for manholes— IS : 5455—1969
23.	CM/L-3610 28-11-1973	1-10-1973	30-9-1974	M/s. Dalmia Biscuits Pvt. Ltd., Rajpura, Distt. Patiala, Punjab.	Biscuits of the following varieties : Puff cream, glucose, milk, nice, butter cream, deluxe, tea, glucose, bourn bon, salt, arrow-root, orange cream, royal saltee, amar, pineapple cream, lemon cream, mario, coconut cookies toco, carraways and lectose— IS : 1011—1968
24.	CM/L-3611 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	The Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Sanatnagar, Hyderabad.	Domestic cooking ranges including grillers for use with LPG— IS : 4760—1968
25.	CM/L-3612 22-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Metal Craft, 95/11, Cossipore Road, Calcutta-2.	Protective steel toe caps for footwear— IS : 5852—1970
26.	CM/L-3613 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Andhra Steel Corp. Ltd., Malakapuram, Visakhapatnam. (Office : Thompson Street, Visakhapatnam-1.)	Carbon steel cast billet ingot for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973
27.	CM/L-3614 28-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973
28.	CM/L-3615 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. H. Maula Bukhs Sons & Co., 88/22, Nala Road, Sisamau, Kanpur.	Miners safety leather boots with leather sole only— IS : 1989—1967
29.	CM/L-3616 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Sri Ganesh Pulverising Mills, Putheri Road, Kannankurishi, Salem 8 Tamil Nadu.	BHC dusting powder— IS : 561—1962
30.	CM/L-3617 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	M/s. Lloyd Bitumen Products Pvt. Ltd., 1, Taratala Road, Calcutta-53. (Office : 4-A, Royd Street, Calcutta-16).	Bitumen (plastic) for water-proofing purposes— IS : 1580—1969
31.	CM/L-3618 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	The Singh Engineering Works (P) Ltd., 84/21, Fazalganj, Factory Area, Kanpur. (Office : 84/54, G.T. Road, Kanpur).	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973
32.	CM/L-3619 30-11-1973	1-12-1973	30-11-1974	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973

तर्फ विल्सनी, 8 मई, 1975

क्रा० आ० 1603.—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपचिनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिकृति किया जाता है कि जिन 22 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे ग्रन्तमूल्य में दिए गए हैं, साइरेसधारियों को मानक सम्बन्धी मुद्रर लगाने का प्रधिकार देते हुए दिसम्बर 1973 में स्वीकृत किए गए हैं:—

## ग्रन्तमूल्य

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या (सी०एम०/एस०)	वेधता की प्रवादि से	लाइसेंसधारी का नाम और पता तक	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी पदनाम	
1	2	3	4	5	6
1.	सी०एम०/एल० 3620 6-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स स्टील कंटेनर्स लि०, 149, जैकरिया, बन्दर रोड, सेवरी, बम्बई 15	जहै सिरों वाले बड़े ड्रम, टाइप बी०— IS : 1783—1961	
2.	सी०एम०/एल० 3621 6-12-1973	16-12-73 15-12-74	मेसर्स फोटोफोन लिमिटेड, साकी नाका 7, साकी विहार रोड, बम्बई 72 (कार्यालय : सरवार बलभाई पटेल रोड, बम्बई 7)	16 मिंी० के सुवाष छवनि प्रौद्र चित्रदर्शी सिनेमा प्रोजेक्टर, 230 बोल्ट 50 हर्ट्ज, 400 बाट, 24 बोल्ट/200 वाट हैलोजन लैम्प लगे (फर्म माडल सं० आई०एम०आई० 35107 एफ० और आई०एम०आई० 35108 एफ०)— IS : 4497—1968	
3.	सी०एम०/एल० 3622 6-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स भोसका स्टील लि०, महावेपुरा डाकघर, ल्हाइटफोर्स रोड, बंगलौर।	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां बिलेट सिलियां— IS : 6914—1973	
4.	सी०एम०/एल० 3623 6-12-73	16-12-73 15-12-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां बिलेट सिलियां— IS : 6915—1973	
5.	सी०एम०/एस० 3624 6-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स इंडिया कास्टिंग कम्पनी, बिल्लोपुरा, आगरा।	3. 67 किंवा० (5 हा०पा०) के दीजल इंजन, 1500 चक्कार प्रतिमिनट, ऊर्ध्व, एक सिलेंजर वाले— IS : 1601—1960	
6.	सी०एम०/एल० 3625 6-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स राठी इस्पात लि०, इस्पात नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, वशिंग जी०टी० रोड, गाजियाबाद।	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां बिलेट सिलियां— IS : 6914—1973	
7.	सी०एम०/एल० 3626 6-12-73	16-12-73 15-12-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां बिलेट सिलियां— IS : 6915—1973	
8.	सी०एम०/एल०-3627 6-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स भारत आयरलन वर्क्स, पूना बंगलौर रोड, बंगलाम (कर्नाटक राज्य)	मेनहोलों के लिए डलवां लोहे की सीढ़ियां— IS : 5455—1969	
9.	सी०एम०/एस०-3628 7-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स उषा मार्टिन ब्लैक (आयर रोप्प) लिमिटेड तातीसिलवाय, रांची (बिहार), १ (कार्यालय : १४ प्रिसेस स्ट्रीट, कलकत्ता-७०००१३	पूर्व प्रतिबलित फंकीट के लिए खांचवार तार— IS : 6003—1970	
10.	सी०एम०/एल०-3629 10-12-73	16-12-73 15-12-74	मेसर्स बंगलौर रिसोर्सिंग मिल्स प्राइवेट लिमि- टेड, कालुगोड डाकघर, बंगलौर जिला। (कार्यालय : यूसनटी बिल्डिंग, जे०सी० रोड, बंगलौर-५६०००२)।	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226—1969	
11.	सी०एम०/एल०-3630 10-12-73	16-12-73 15-12-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977—1969	

1	2	3	4	5	6
12. सी०एम०/एल०-3631 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स देवीदयाल (सेल्स) प्रा०सि०, गुप्ता मालाथिसोत पायसनीय सेज इव— मिल्स इस्टेट रोड, बम्बई-10	IS : 2567—1963	
13. सी०एम०/एल०-3632 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स पावर कंडक्टर्स, 89/208-9, कासिमगंज, बांस मन्डी, कानपुर ;	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961	
14. सी०एम०/एल०-3633 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स कनारा चिकोरी इंडस्ट्रीज, डॉम्यू०-7-8, इंडस्ट्रियल इलेट, यादवगिरि, मैसूर-2 ए।	चिकोरी पाउडर— IS : 612—1971	
15. सी०एम०/एल०-3634 13-12-73	10-12-73	15-12-74	मेसर्स ओस्को हैलीनियरिंग सर्विस अमृत भवन, प्रांगणनल सोबेपुर 24 परगना (प० बंगाल) (कार्यालय : 54, शोभाचन्द्र एकेन्डू कलकत्ता 13)	ए०सी० मोटर स्टार्टर 5.5 कि०वा० (7.5 हा०पा०) 400/440 पो०, 11 अम्पी, 50 चक्कर यांत्रिक डधूटी श्रेणी००वर्ग ए०सी०—3 IS : 1922—1967	
16. सी०एम०/एल०-3635 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स सबरी इंडस्ट्रीज, 6 ए, पुलियामुलम, पप्पानायकनपल्लयम, कोयम्बतूर 18	सीन फेजी प्रेरण मोटर, 7.5 कि०वा० (10 हा०पा०) तक 'ए' श्रेणी के रोधन लभी— IS : 325—1970	
17. सी०एम०/एल०-3636 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स देवीदयाल सेल्स (प्रा०लि०, गुप्ता मिल्स इस्टेट रे रोड, बम्बई 10	डी०डी० पायसनीय सेज इव— IS : 633—1958	
18. सी०एम०/एल०-3637 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स स्टील काम्प्लेक्स लि०, विस्को भनोर फेरोक (केरल राज्य)।	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात की ढलवां बिलेट सिलिंयां— IS : 6914—1973	
19. सी०एम०/एल०-3638 13-12-73	16-12-73	15-12-74	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेल्सन के लिए कार्बन इस्पात के ढलवां बिलेट सिलिंयां— IS : 6915—1973	
20. सी०एम०/एल०-3639 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स सिगिल (इंडिया) सर्विसेज प्रा०लि०, बजुआ, जिला बड़ौदा (गुजरात)।	निम्न रेटिंग के छही प्रकार के डीजल इंजन : 367 कि०वा० (5 हा०पा०) 1500 चक्कर प्रति मिनट, य०३००, ग्राही० सिरीज III— IS : 1601—1960	
21. सी०एम०/एल०-3640 13-12-73	16-12-73	15-12-74	मेसर्स इंडिया घायरल एण्ड स्टील क० लि०, द्वारा मेसर्स मेटल्स प्राइवेट्स प्रा०लि०, 214, बसंतलाल शाहरोड, टालीगंज कलकत्ता-53 (कार्यालय : पी०-४३, हाइड रोड, एक्सेंटन कलकत्ता-27)।	कंकोट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विहृत इस्पात की सरिया— IS : 1786—1966	
22. सी०एम०/एल०-3641 13-12-73	1-1-74	31-12-74	मेसर्स श्री बंगाल टी० सेल्स फिटिंग्स मैन्यू० प्राइवेट सिमिटेड 23/1, टैगोर कैसेल स्ट्रीट, कलकत्ता-6 (कार्यालय : 180, महारामा गांधी रोड, कल- कत्ता-7)	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10—1970	

[संख्या सी०एम०डी०/13: 11]

New Delhi, the 8th May, 1975

S. O. 1603—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that twentytwo licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of December, 1973 authorizing the licensees to use the Standard Marks :

## SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L—)	Period of Validity	Name and Address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS : Designation	
(1)	(2)	From (3)	To (4)	(5)	(6)
1.	CM/L-3620 6-12-73	16-12-73	15-12-74 M/s. Steel Containers Ltd., 149, Jackeria Bunder Road, Sewree, Bombay-15	Drums, Large, Fixed Ends, Type B— IS : 1783-1961	

1	2	3	4	5	6
2.	CM/L-3621 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Photophone Limited, Saki Naka 7, Saki Vihar Road, Bombay-72 (Office : Sardar Vallabhbhai Patel Road, Bombay-7)	16 mm portable sound and picture Cine- matograph projectors, 230 volts, 50 Hz, 400W with projection lamp of 24V/200 W, Halogen lamp, (Firm's model Nos. IMI 35107 F and IMI 35108 F)— IS : 4497-1968
3.	CM/L-3622 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Bhoruka Steel Ltd., Mahadevpura Post, Whitefield Road, Bangalore	Carbon Steel Cast Billet Ingots for Rolling into Structural Steel (Standard Quality)— IS : 6914-1973
4.	CM/L-3623 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Bhoruka Steel Ltd; Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore	Carbon Steel Cast Billet Ingots for Rolling into Structural Steel (Orginary Quality)— IS : 6915-1973
5.	CM/L-3624 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. India Casting Co., Billochpura, Agra	Diesel engines of 3.67 KW (5 bhp.), 1500 rpm, Vertical Single Cylinder— IS : 1601-1960
6.	CM/L 3625 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Rathi Ispat Ltd., Ispat Nagar, Indus- trial Area, South of G.T. Road, Gha- ziabad	Carbon Steel Cast billet ingots for rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 6914-1973
7.	CM/L-3626 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Rathi Ispat Ltd., Ispat Nagar, Indus- trial Area, South of G.T. Road, Gha- ziabad	Carbon Steel Cast billet ingots for structural steel (Ordinary Quality)— IS : 6915-1973
8.	CM/L-3627 6-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Bharat Iron Works Poona-Banga- lore Road, Belgaum (Mysore State)	Cast Iron Steps for Manholes— IS : 5455-1969
9.	CM/L-3628 7-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Usha Martin Black (Wire Ropes) Limited, Tatisilwai, Ranchi (Bihar) (Office : 14 Princep Street, Calcutta- 700013)	Indented Wire for Prestressed Concrete— IS : 6003-1970
10.	CM/L-3629 10-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Bangalore Re-rolling Mills Private Limited, Kadugodi P.O. Bangalore Distt. (Office : Unity Buildings, J.C. Road, Bangalore-560002)	Structural Stee. (Standard Quality)— IS : 226-1969
11.	CM/L-3630 10-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Bangalore Re-rolling Mills Private Limited, Kadugodi P.O., Bangalore Distt. (Office : Unity Buildings, J.C. Road, Bangalore-560002)	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS : 1977-1969
12.	CM/L-3631 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Gupta Mills Estate, ReayRoad, Bombay-10	Malathion Emulsifiable Concentrates— IS : 2567-1963
13.	CM/L-3632 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Power Conductors, 89/208-9, Kasim Ganj Bansmandi, Kanpur	All aluminium Conductors and ACSR Conductors— IS : 398-1961
14.	CM/L-3633 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Canara Chicory Industries, W-7-8 Industrial Estate, Yadavagiri Mysore- 2A.	Chicory Powder— IS : 612-1971
15.	CM/L-3634 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. OSCO Engineering Service, Amrita Bhawan, Arunachal, Sodepur, 24 Par ganas (West Bengal) (Office : 54, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-13)	Ac motor starters, 5.5 KW (7.5 HP), 400/440V, 11 amps, 50 Cycles, mechani- cal duty class 00, Category AC3— IS : 1822-1967
16.	CM/L-3635 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Sabri Industries 6-A, Puliyakulam, Pappanaickenpalayam, Coimbatore-18	Three phase induction motors up to and including 7.5 KW (10 HP) with Class 'A' insulation— IS : 325-1970
17.	CM/L-3636 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Gupta Mills Estate, Reay Road, Bombay-10	DDT Emulsifiable Concentrates— IS : 633-1956
18.	CM/L-3637 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s Steel Complex Ltd., 'Wisco Manor', Feroke (Kerala State)	Carbon Steel Cast Billet Ingots for Rolling into Structural Steel (Standard Quality)— IS : 6914-1973
19.	CM/L-3638 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Steel Complex Ltd., 'Wisco Manor', Feroke (Kerala State)	Carbon Steel Cast Billet Ingots for Rolling into Structural Steel (Ordinary Quality)— IS : 6915-1973
20.	CM/L-3639 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Sigil (India) Services Pvt. Ltd., Bajuva, Distt. Baroda, (Gujarat)	Vertical Diesel Engines of the following ratings :— 367 KW (5 HP) 1500 R.P.M., UDI Series III— IS : 1601-1960

21. CM/L-3640 13-12-73	16-12-73	15-12-74	M/s. Indian Iron & Steel Co. Ltd., Through M/s. Metals Products Pvt. Ltd., 214, Basantala Shah Road, Tellygunge, Calcutta-53 (Office : P-43, Hide Road Extention, Calcutta-27)	Cold Twisted Deformed Steel bars for Concrete Reinforcement IS : 1786-1966
22. CM/L-3641 13-12-73	1-1-74	31-12-74	M/s. Sri Bengal Tea Chest Fittings Mfg. Private Limited, 23/1, Tagore Castle Street, Calcutta-6 (Office : 180, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7).	Tea-Chest Metal Fittings— IS : 10-1970

[No. CMD/13 : 11]

का० आ० 1604—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहून) विनियम 1955 के विनियम 3 के उपचिनियम (2) और (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे प्रत्युषी में जिन मानकों के बारे दिए गए हैं ; 1 जुलाई से 31 जुलाई 1973 की प्रवधि में निर्धारित किए गए हैं ।

प्रत्युषी

क्रम निर्धारित भारतीय मानक की पदसंबद्धा और शीर्षक नए भारतीय मानक हारा रह किए हुए  
संस्था भारतीय मानक की पदसंबद्धा और शीर्षक

संक्षिप्त विवरण

1	2	3	4
1. IS : 171-1973 सादे सूती धागे की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 171-1964 सादे सूती धागे की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	इस मानक में हृषकरथे, पावर करथे और स्वचल करथों पर काम आने वाले सादे सूती धागे के विषय में काउंटेली सामर्थ्य निर्धारित की गई है । इसमें काउंट की विभिन्नता के गुणांक और धागे की मजबूती और समानता जैसी कुछ प्रत्य वाले भी निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु 4.00)	
2. IS : 247-1972 सोडियम सल्फाइट अजल की विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	IS : 247-1964 सोडियम सल्फाइट अजल की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	इस मानक में सोडियम सल्फाइट और अजल के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु 5.50)	
3. IS : 431-1972 घोलक मुमा ऊबनशील रंग रोगत रिमूवर की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 431-1964 घोलक मुमा ऊबनशील रंग रोगत रिमूवर की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	इस मानक में व्यापारिक क्षेत्रों में घोलक मुमा ऊबनशील रंग रोगत रिमूवर के नाम से विज्ञात सामग्री के विषय में अपेक्षाएं औपौ बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं । (मूल्य रु 4.00)	
4. IS : 506-1973 स्वचत गाड़ियों में प्रयुक्त ग्रीस की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	IS : 506-1953 ग्रीस, एल/ए संख्या 1 की विशिष्ट, और IS : 509-1953 ग्रीस एल संख्या 4 की विशिष्ट	इस मानक में सामान्य कार्यों में वैसिस में तेल देने तथा अन्य उपयोगों जिन में पानी के पैप भी सम्मिलित हैं के लिए प्रयुक्त, स्वचत गाड़ियों की ग्रीस के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण के पद्धतियां बताई गई हैं । (मूल्य रु 3.00)	
5. IS : 508-1973 ग्रीस, ऐफाइट्युक्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	IS : 508-1965 ग्रीस ऐफाइट्युक्ट की विशिष्ट (पुनरीक्षण)	इस मानक में ऐफाइट्युक्ट ग्रीस के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं । यह ग्रीस सामान्य कार्यों के लिए अपेक्षातया उच्चभार, कम बेग अधिका अपेक्षा कृत रूप में कम विस्थापन वाली, अंतरक्रिया रत सतहों जिस में स्फैन की आवश्यकता पड़ती है के काम आती है । (मूल्य रु 3.00)	

1	2	3	4
6. IS : 1570 (भाग 5)-1972 पिटवां इस्पातों की अनुसूची, भाग 5 स्टेनलेस और ताप प्रतिरोधी	IS : 1570-1961 सामान्य हाँडीनियरी कार्यालय के लिए पिटवां इस्पातों की अनुसूची	यह अनुसूची उन उच्च मिश्रण वाली इस्पातों पर लागू होती हैं जो उपयुक्त रूप से संशारण और ताप प्रतिरोधिता के लिए काम आती हैं और सारणी 1 में दिए रसायनिक मंचन के अनुसार सम्भाई की जाती है। इन इस्पातों के यांत्रिक गुणवर्ष सारणी 2 से लेकर सारणी 15 तक दिए गए हैं। (मूल्य ₹ 6.00)	
7. IS : 1772-1973 तांबे के विशुद्ध लेपनों की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1772-1961 तांबे के लेपन की विणिष्ठि	इस मानक में लोहस और अद्योहस धातुओं और मिश्र धातुओं पर यिजली द्वारा तांबे के लेपन के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य ₹ 4.00)	
8. IS : 1953-1973 चांदी के ऐनोड और रसायनिक विश्लेषण की पद्धतियां (पहला पुनरीक्षण)	IS : 1953-1962 चांदी के ऐनोड रसायनिक विश्लेषण की पद्धतियां	इस मानक में IS : 1959-1961 में वर्णित परास में चांदी और तांबे की मात्रा ज्ञात करने की पद्धतियां बतायी गई हैं। (मूल्य ₹ 2.50)	
9. IS : 2128-1973 पैराथियोन इथाइल, तकनीकी की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2128-1962 पैराथियोन इथाइल, तकनीकी की विणिष्ठि	इस मानक में कीटनाशक दवाइयों तैयार करने में प्रयुक्त पैराथियोन इथाइल, तकनीकी के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य ₹ 4.00)	
10. IS : 2267-1972 पोलीस्टायरीन ड्लाई सामग्रियों की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2267-1962 पोलीस्टायरीन ड्लाई सामग्रियों की विणिष्ठि	इस मानक में पोलीस्टायरीन ड्लाई सामग्रियों के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने तथा परीक्षण पद्धतियां बताई गई हैं। ये सामग्रियां आवश्यक रूप से संशोधित प्रथमा असंशोधित वर्णकों सहित और रहित बहुलीकृत स्टायरीन से बने होते हैं। (मूल्य ₹ 8.00)	
11. IS : 2789-1972 विशेष रूप से जलसंहृष्ट तिरपाल की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 2789-1964 विशेष रूप से जलसंहृष्ट तिरपाल की विणिष्ठि	इस मानक में विशेष रूप से जलसंहृष्ट तिरपाल के विषय में अपेक्षाएं और बानगी लेने की परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	
12. IS : 3130-1972 सूक्ष्म पारदर्शी फिल्मों (माइक्रो फिल्म और माइक्रो फिल्म) के धरते उठाने और भंडारण की रीति-संहिता (पहला पुनरीक्षण)	IS : 3130-1965 स्थायी उपयोग के लिए माइक्रो फिल्म के भंडारण और उपयोगों की रीति-संहिता	इस संहिता में माइक्रो फिल्म और माइक्रो फिल्मों को अतिप्रस्त होने से बचाने के उद्देश्य से फोटो लेने, प्रक्रमण, पैकिंग, प्रसारण और प्रयोग के दौरान उनको धरते उठाने की रीति बताई गई है। इस संहिता में इन फिल्मों को अतिप्रस्त होने से बचाने और दीर्घ काल तक भंडारण में रखे रहने के लिए जिन स्थितियों की आवश्यकता है वे भी बताई गई हैं। बिल्डिंगों के स्थायीत्व की दृष्टि से फिल्म के प्रक्रमण की विधा IS : 383-1966 में दी गई है। (मूल्य ₹ 3.00)	
13. IS : 3633-1972 चाय की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण).	IS : 3633-1966 चाय की विणिष्ठि	इस मानक में चाय के संबंध में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां दी गई हैं। (मूल्य ₹ 5.50)	
14. IS : 4278-1973 बेग मापी के केबलों की विणिष्ठि (पहला पुनरीक्षण)	IS : 4278-1967 बेग मापी के केबलों के माप की विणिष्ठि	इस मानक में स्वचल गाइयों में लगने वाली बेग मापियों के केबलों के विषय में माप तथा कार्य-प्रदता संबंधी परीक्षण दिए गए हैं। (मूल्य ₹ 5.00)	

1	2	3	4
15. IS : 4804 (भाग 4)-1973 प्रतिरोधिता ईल्डिंग	—	—	इस मानक में अचल एक केजी ऐमी टांसफार्मर वाली सीम ईल्डिंग मशीनों के मानक साइजों से संबंधित प्रावस्थक विद्युत और यांत्रिक लक्षण बताई गई हैं। इसमें विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण संबंधी माजसामान नहीं सम्मिलित किए गए हैं। (मूल्य ₹ 4.00)
16. IS : 5538 (भाग 2)-1972 कम्प्रेसरों और निष्कासकों में वायु के बहाव का माप भाग 2 मुख्य की पट्टिया	—	—	इस मानक में वायु विस्थापक, कम्प्रेसरों और निष्कासकों वायु के बहाव और मुक्त रूप से वायु निकालने की मापन की संहिता दी गई है। यह कम्प्रेसर और निष्कासक मुख पर लगी प्लेटों के द्वारा आगे पीछे चलने वाली और घूमने वाली होती है। (मूल्य ₹ 10.50)
17. IS : 5701 (भाग 5)-1972 प्रयोगशाला के पशुओं की प्रजनन, देखरेख, प्रबंध और आवास संहिता भाग 5 प्रयोगशाला संबंधी सांप	—	—	इस संहिता में सांपों के प्रजनन, देखरेख, प्रबंध और आवास के संबंध में निर्माण, सफाई, छिसाने और पानी देने, धरने उठाने, बीमारी नियंत्रण इत्यादि के विषय में अभियष्ट स्थितियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹ 4.00)
18. IS : 6660-1972 पुस्तकों में निवर्शनों की मार्गदर्शिका	—	—	इस मार्गदर्शिका में डिजाइन के लिए मूलभूत सामग्री, डिजाइन तैयार करने की तकनीक और सीमाओं; निवर्शनों का पैमाना; धरने उठाने; चित्र और पारवर्षी चिक्कों के चुनाव संबंधी कठौटियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹ 6.00)
19. IS : 6665-1972 श्रौतोगिक प्रकाश व्यवस्था की रीतिसंहिता	—	—	इस संहिता में विभिन्न श्रौतोगिक भवनों में अच्छी प्रकाश व्यवस्था के सिद्धांत और रीतियां बताई गई हैं। इसमें प्रकाश व्यवस्था के सामान्य सिद्धांतों के आधार पर उपलब्ध ज्योति की मात्राएं और गुणता संबंधी प्रपेक्षाओं की सिफारिश की गई हैं। (मूल्य ₹ 10.50)
20. IS : 6666-1972 सावधिक पवित्राओं में आबूलि घंकन संबंधी सिफारिशें	—	—	इस मानक में पवित्राओं में शावृति अंकित करने की सरल प्रावृति घंकन पद्धति की सिफारिश की गई है। (मूल्य ₹ 2.50)
21. IS : 6680-1972 रेल के डिब्बों के पंखों की विशिष्टि	—	—	इस मानक में रेल के डिब्बों में लगते बाले एसी और डीमी के जड़े हुए, मुड़ सकने वाले और बैकेटवार पंखों, जिनमें संबंध ब्रेग रेगुलेटर भी शामिल हैं के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹ 13.00)
22. IS : 6683-1973 लैटिनम वर्गी धातुओं और उनके मिथ्यधातुओं के तारों के व्यास	—	—	इस मानक में लैटिनम और लैटिनम वर्गी धातुओं के तारों के व्यास और तस्वीरधी ठूटे बताई गई हैं। (मूल्य ₹ 2.00)
23. IS : 6692-1972 पशुओं के दूध की अभिलेखन पद्धति	—	—	इस मानक मड़ेरी में प्रजनित पशुओं या किसी भी रेवड वाले दूध देने की दृष्टि से प्रधान प्रजाति वाले पशुओं के दूध का अभिलेख रखने के लिए जो पद्धति प्रयोगी जानी आहिए उसका विवरण किया गया है। (मूल्य ₹ 5.50)

1	2	3	4
24.	IS : 6701-1972 टंगस्टन तंतु वाली विशिष्ट बिजली के बल्बों की विशिष्टि	--	इस मानक में नौवालन, सड़क यातायात नियंत्रण के प्रकार सिगनलों और रात में लगने वाले बरबो के लिए प्रयुक्त टंगस्टन के तंतु वाले ताप्सीप्ल बल्बों के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 7.00)
25.	IS : 6748 (भाग 1)-1973 मृतका संरक्षण से संबंधित जल विभाजन व्यवस्था संबंधी सिफारिशें भाग 1 भव्य वैज्ञानिक पक्ष	--	इस मानक में जल संचय धोन में मृतका संरक्षण के सभ्य वैज्ञानिक पक्षों संबंधी सिफारिशें और ग्रहण कर अपनाएं जाने योग्य उपयुक्त पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु. 5.50)
26.	IS : 6754-1972 बेयरिंगों के लिए एलुमिनियम मिश्रधातु की सिलिंयों की विशिष्टि	--	इस मानक में बेयरिंग बनाने में प्रयुक्त एलुमिनियम मिश्रधातु की सिलिंयों के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य रु. 2.50)
27.	IS : 6756-1972 इलैक्ट्रॉनिक मापी उपकरणों के साझसामान के साथ लिए जाने वाले सक्तीकी प्रलेखन	--	यह मानक सिगनल, जनित्र, कैथोड किरण, दोलनशर्णी, इलैक्ट्रॉनिक वांड मापी इत्यादि मानक साझसामान के साथ लिए जाने वाले तकनीकी प्रलेखन पर लागू होता है। (मूल्य रु 7.00)
28.	IS : 6762-1972 पेय चाक्सेट की विशिष्टि	--	इस मानक में सामान्य रूप से पेय पदार्थ के रूप में काम आने वाली पेय चाक्सेट के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 5.00)
29.	IS : 6765-1972 प्रतिसंतुलित फोर्कलिफ्ट ट्रकों की निर्धारित शमता	--	इस मानक में प्रतिसंतुलित फोर्कलिफ्ट ट्रकों पर निर्माता द्वारा निर्धारित शमता अंकित करने की रीति निर्धारित की गई है और उनके पदार्थ की भर्ती मानक और मानक भार केंद्रों की दूरियां भी निश्चित की गई हैं। (मूल्य रु 2.50)
30.	IS : 6766-1972 निकिल और ओम सेपित सतहों पर बफ करने के लिए प्रयुक्त योगिकों की विशिष्टि	--	इस मानक में निकिल और ओम चारी मतहों पर पालिप करने के काम आने वाले बफ करने के योगिकों के विषय में अपेक्षाएं और आनंदी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य रु 5.00)
31.	IS : 6767 (भाग 1)-1972 सीधे पढ़े जा सकने वाले सूईदार एसी/डीसी इलैक्ट्रॉनिक बोल्टमापी की विशिष्टि भाग 1 मापन की पद्धतियां	--	इस मानक में 300 मेगा हर्ट्ज तक काम करने वाले सीधे पढ़े जा सकने वाले सूईदार एसी/डीसी इलैक्ट्रॉनिक बोल्टमापी के काम देने के लक्षणों की विस्तृत मापन क्रियाविधि और स्थितियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 5.50)
32.	IS : 6769 (भाग 2)-1972 सीधे पढ़े जा सकने वाले सूईदार एसी इलैक्ट्रॉनिक मिलीबोल्टमापी की विशिष्टि भाग 2, दो हर्ट्ज से एक मेगा हर्ट्ज तक आवृत्ति भाले	--	इस मानक में दो हर्ट्ज से एक मेगा हर्ट्ज तक की आवृत्ति में प्रथावर्ती बोल्टता के मापन के लिए प्रयुक्त सीधे पढ़े जा सकने वाले सूईदार एसी इलैक्ट्रॉनिक मिलीबोल्टमापी की व्यूतम तम काम देने संबंधी अपेक्षाएं और सक्षण बताए गए हैं। (मूल्य रु 3.00)
33.	IS : 6782-1972 सुप्रदर ग्रैम्ब्रेल की विशिष्टि	--	इस मानक में सुप्रदर लटकाने के लिए प्रयुक्त ग्रैम्ब्रेल में लगने वाली सामग्री और माप तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। ये ग्रैम्ब्रेल अधिस्वत्त्व प्रकार के बूचड़ा-खानों में काम आते हैं। (मूल्य रु. 3.00)

1	2	3	4
34. IS : 6791-1973 लकड़ी के प्राकृतिक टिकाऊपन और समूदी वेश्यक कीड़ों से बचाने के लिए परिशक्ति की कार्य अमता की परीक्षण पद्धति	—		इस मानक में समूदी 'स्थितियों' के अधीन निम्नलिखित परीक्षण पद्धतियां दी गई हैं: (क) देशी प्रजाति की लड़कियों के मध्यम आग के प्राकृतिक टिकाऊपन, और (ख) लकड़ी पर लगते वाले परिशक्ति की प्रभाव-शीलता। (मूल्य ₹. 3.00)
35. IS : 6796-1972 प्रोपाइल गैसेट, खाद्य ग्रेड की विशिष्टि	—		इस मानक में खाद्य श्रेणी के प्रोपाइल गैसेट के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹. 4.00)
36. IS : 6797-1972 बीटा-एपो-8-कैरोटीनोइक अम्ल के मिथाइल एस्टर की विशिष्टि	—		इस मानक में बीटा-एपो-8-कैरोटीनोइक अम्ल के मिथाइल एस्टर के विषय में अपेक्षाएं और परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹. 3.00)
37. IS : 6798-1972 आक्टाइल गैलेट, खाद्य श्रेणी की विशिष्टि	—		इस मानक में आक्टाइल गैलेट खाद्य श्रेणी के विषय में अपेक्षाएं और आनंदी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां निर्धारित की गई हैं। (मूल्य ₹. 4.00)
38. IS : 6837-1973 सीन अम्लों वाले पाइप कटर की विशिष्टि	—		इस मानक में तीन चक्कों वाले पाइप कटर के विषय में माप संबंधी तथा अन्य अपेक्षाएं दी गई हैं। ये कटर 9 से सेकंड 315 मिमी बाहरी व्यास वाले इस्पात और पिटवां लोहे के पाइपों को काटने के काम आते हैं। (मूल्य ₹. 4.00)
39. IS : 6869 (भाग 2)-1973 पाकों में खेलकूद के सामान की विशिष्टि भाग 2 क्षैतिज भार	—		इस मानक में पाकों में खेलकूद के सामान के रूप में लगी दुर्ई क्षैतिज भार के विषय में अपेक्षाएं दी गई हैं। (मूल्य ₹. 3.00)
40. IS : 6878-1973 तांबे और तांबा मिश्रधातु के तार की उल्टी दिशा में जोड़ने की परीक्षण की पद्धति	—		इस मानक में 0.3 मिमी से 8.0 मिमी तक के आस अधवा भोटाई वाले तांबे और तांबा मिश्रधातु के तार पर उल्टी दिशा में जोड़ने के परीक्षण करने संबंधी पद्धति निर्धारित की गई है। (मूल्य ₹. 3.00)
41. IS : 6386-1973 विकृति मापक तकनीक द्वारा अक्षीय भार पर विश्वासि परीक्षण मरीन की गतिशील बल अंशांकन की पद्धति	—		इस मानक में विश्वासि परीक्षण मरीन की गतिशील बल के अंशांकन के विषय में मापदर्शन प्रदान किया गया है। इस मणिन में उसके साथ जुड़ने और अंशांकन पर प्रभाव डालने वाले विशिष्ट पुर्जे जैसे ग्रिप आते हैं। इसमें केवल अक्षीय भार वाही मरीनों की लिया गया है जिनमें परीक्षण थंड एक छड़े अक्ष के चारों ओर समित होता है। इस परीक्षण थंड पर उसी अक्ष पर घटने बढ़ने वाले और विपरीत बल लगाये जाते हैं। (मूल्य ₹. 5.00)
42. IS : 6888-1973 दांतों की जड़त के लिए छालाई मोम की विशिष्टि	—		इस मानक में दांतों की जड़त के लिए प्रयुक्त छालाई मोम के विषय में अपेक्षाएं और आनंदी लेने तथा परीक्षण की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य ₹. 5.00)

1	2	3	4
43. IS: 6889-1973 वांत संवंधी रजत-बंग अमलगम मिश्रधातु की रसायनिक विष्णवेषण की पद्धति	—	इस मानक में IS: 4704-1968 में बताई सीमाओं में वांतों की अमलगम मिश्रधातु में रजतबंग, तांवा और जस्ते की मात्रा जात करने की पद्धतियां बताई गई हैं। (मूल्य रु 3.00)	

इन भारतीय मानकों की प्रतियां यिक्सी के लिए भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहायुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली और इसके पास्ता कार्यालयों  
अहमदाबाद, बंगलौर, अम्बर्हाटा, हैदराबाद, कानपुर, मद्रास, पटना और चंडीगढ़ से उपलब्ध हैं।

[सं० सी एम डी/13:2]  
ए० के० गुप्ता, कार्यभाषक महानिदेशक

**S. O. 1604.**—In pursuance of sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established during the period 1 July to 31 July 1973 :

#### SCHEDULE

Sl. No. and Title of the Indian Standard No.	No. and Title of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Brief Particulars	
1	2	3	4
1. IS : 171-1973 Specification for grey cotton IS : 171-1964 Specification for cotton yarn (second revision)	yarn, grey (revised)	This standard prescribes the count lea strength product of grey cotton yarn intended for use on handlooms, power looms and automatic looms. It also specifies certain additional parameters like co-efficient of variation or count and strength and evenness of yarn. (Price Rs. 4.00).	
2. IS : 247-1972 Specification for sodium sulphite, anhydrous (third revision)	IS : 247-1964 Specification for sodium sulphite, anhydrous (second revision)	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for sodium sulphite, anhydrous. (Price Rs. 5.50).	
3. IS : 431-1972 Specification for paint remover, solvent type, flammable (second revision)	IS : 431-1964 Specification for paint remover, solvent type, flammable (revised)	This standard prescribes requirements and methods of sampling and test for the material commercially known as paint remover, solvent type, flammable. (Price Rs. 4.00).	
4. IS : 506-1973 Specification for automotive grease (first revision)	(i) IS : 506-1953 Specification for grease, L/A No. 1 and (ii) IS : 509-1953 Specification for grease, L No.4.	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for automotive grease intended for general purpose chassis lubrication and other suitable applications including water pumps. (Price Rs. 3.00).	
5. IS : 508-1973 Specification for grease, graphited (second revision)	IS : 508-1965 Specification for grease, graphited (revised)	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for grease, graphited used for general service under comparatively high load, low speed or low relative displacement of interacting surfaces requiring lubrication. (Price Rs. 3.00).	
6. IS : 1570 (Part V)-1972 Schedules for wrought steels Part V stainless and heat-resisting steel (first revision)	IS : 1570-1961 Schedules for wrought steels for general engineering purposes	This schedule is applicable to steels with a high alloy content primarily intended for corrosion and heat-resisting purposes and supplied to specified chemical composition as given in Table 1. The mechanical properties of these steels are given in Tables 2 to 15. (Price Rs. 6.00).	
7. IS : 1772-1973 Specification for electro-plated coatings of copper (first revision)	IS : 1772-1961 Specification for copper plating	This standard specifies requirements for electro-plated coatings of copper on ferrous and non-ferrous metals and alloys. (Price Rs. 4.00).	

1	2	3	4
8. IS : 1953-1973 Methods of chemical analysis of silver anodes (first revision)	IS : 1953-1962 Methods of chemical analysis of silver anodes		This standard prescribes methods of determination of silver and copper in the ranges specified in IS : 1959-1961. (Price Rs. 2.50).
9. IS : 2128-1973 Specification for parathion ethyl, technical (first revision)	IS : 2128-1962 Specification for parathion, technical		This standard prescribes requirements and methods of test for parathion ethyl, technical employed in the preparation of insecticidal formulations. (Price Rs. 4.00).
10. IS : 2267-1972 Specification for polystyrene moulding materials (first revision)	IS : 2267-1962 Specification for polystyrene moulding materials		This standard prescribes the requirements, methods of sampling and tests for polystyrene moulding materials, consisting essentially of polymerized styrene, modified or unmodified, with or without pigments. (Price Rs. 8.00).
11. IS : 2789-1972 Specification for special proofed paulins (tarpaulins) (first revision)	IS : 2789-1964 Specification for special proofed paulins (tarpaulins)		This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for special proofed paulins (tarpaulins). (Price Rs 5.00).
12. IS : 3130-1972 Code of practice for handling and storage of microtransparencies (microfilm and microfiche) (first revision)	IS : 3130-1965 Code of practice for storage and use of microfilms of permanent value		This code covers the manner of handling of microfilms and microfiches during exposure, processing, packing, despatch and use in order to ensure prevention of damage and also lays down the conditions in which the film should be stored so as to prevent damage and increase its shelf life. The processing of film for ensuring the stability of image has been covered in IS : 3083-1966. (Price Rs 3.00).
13. IS : 3633-1972 Specification for tea (first revision)	IS : 3633-1966 Specification for tea		This standard prescribes the requirements and the methods of test for tea. (Price Rs 5.00).
14. IS : 4278-1973 Specification for speedometer cables (first revision)	IS : 4278-1967 Specification for dimensions for speedometer cables		This standard specifies the dimensions and performance tests for automobile speedometer cables. (Price Rs 5.00).
15. IS : 4804 (Part IV) 1973 Specification for resistance welding equipment Part IV single phase stationery, press type roll-spot and seam welding machines	—		This standard covers the essential electrical and mechanical features pertaining to standard sizes of stationery single-phase AC transformer type seam-welding machines. It does not include electrical and electronic control equipment. (Price Rs 4.00).
16. IS : 5538 (Pt II) 1972 Measurement of air flow of compressors and exhausters Part II orifice plates	—		This standard prescribes the code for measurement of air flow and free air delivery of positive displacement compressors and exhausters, both reciprocating and rotary types by means of orifice plates. (Price Rs 10.50).
17. IS : 5701 (Pt V) 1972 Code for breeding, care, management and housing of laboratory animals Part V laboratory snakes	—		This code prescribes optimum conditions for housing, sanitation, feeding, watering, handling, disease control, etc, in relation to breeding, care, management and housing of snakes. (Price Rs 4.00).
18. IS : 6660-1972 Guide for illustrations in books	—		This guide specifies requirements for basic materials for design, the techniques and limitations in designing; scaling of illustrations; handling; and criteria for selection of photographs and transparencies. (Price Rs 6.00).
19. IS : 6665-1972 Code of practice for industrial lighting	—		This code covers the principles and practice governing good lighting for various industrial premises. It recommends the levels of illumination and quality requirements to be achieved by general principles of lighting. (Price Rs 10.50).
20. IS : 6666-1972 Recommendations for frequency notation for periodical publications	—		This standard recommends a simple notation by which the frequency of a periodical is indicated. (Price Rs 2.50).
21. IS : 6680-1972 Specification for railway carriage fans	—		This standard specifies requirements and methods of tests for AC and DC fixed, swivelling and bracket type fans, including the associated speed regulators, for use in railway carriages. (Price Rs 13.00).

1	2	3	4
22.	IS : 6683-1973 Diameters for wires of platinum groups metals and their alloys	—	This standard lays down diameters, and tolerances for wires of platinum and platinum group metals. (Price Rs 2.00).
23.	IS : 6692-1972 Method of milk recording of cattle	—	This standard describes the method of milk recording which should be adopted for all cattle of dairy breed or of breeds with a pre-co-milking capacity in any one herd. (Price Rs 5.50).
24.	IS : 6701-1972 Specification for tungsten filament miscellaneous electric lamps	—	This standard covers the requirements and methods of test for tungsten filament incandescent lamps for navigation, road traffic control light signal purposes and night lamps. (Price Rs 7.00).
25.	IS : 6748 (Part I) 1973 Recommendation for watershed management relating to soil conservation Part I agronomic aspects	—	This standard covers the recommendations on the agronomical aspects for soil conservation in the catchment area and the appropriate method(s) to be adopted. (Price Rs 5.50).
26.	IS : 6754-1972 Specification for aluminium alloy ingots for bearings	—	This standard specifies the requirements for aluminium alloy ingots for bearings. (Price Rs 2.50).
27.	IS : 6756-1972 Technical documentation to be supplied with electronic measuring equipment	—	This standard applies to technical documentation to be supplied with electronic measuring equipment such as signal generator, cathode-ray oscilloscope, electronic voltmeters, etc. (Price Rs 7.00).
28.	IS : 6762-1972 Specification for drinking chocolate	—	This standard prescribes the requirements and methods of test for drinking chocolate intended for use as a beverage in general. (Price Rs 5.00).
29.	IS : 6765-1972 Rated capacity of counter-balanced forklift trucks	—	This standard specifies for counter balanced forklift trucks the manufacturer's rated capacity, and fixes their conditions of designation, the standard load centre distances. (Price Rs 2.50).
30.	IS : 6766-1972 Specification for buffing compounds used for nickel and chrome plated surfaces	—	This standard prescribes the requirements and the methods of sampling and test for buffing compounds used for polishing nickel and chrome plated surfaces. (Price Rs 4.00).
31.	IS : 6767 (Part I)-1972 Specification for Direct reading pointer indicator type Ac/Dc electronic voltmeter Part I methods of measurement	—	This standard prescribes the conditions and detailed procedures for the measurement of performance characteristics of direct reading pointer indicator type Ac/Dc electronic voltmeter operating up to 300 MHz. (Price Rs 5.50).
32.	IS : 6769 (Part II)-1972 Specification for direct reading pointer indicator type Ac electronic millivoltmeter Part II with a frequency range of 2 Hz to 1 MHz	—	This standard lays down the minimum performance requirements and characteristics to be specified for direct reading pointer indicator type Ac electronic millivoltmeter for the measurement of alternating voltages in the frequency range of 2 Hz to 1 MHz. (Price Rs 3.00).
33.	IS : 6782-1972 Specification for hog gambrels	—	This standard prescribes the material, dimensions and other requirements for hog gambrels. These hog gambrels are suitable for semi-automatic type of batteries. (Price Rs 3.00).
34.	IS : 6791-1973 Method of testing natural durability of timber and efficacy of the wood preservatives against marine borers	—	This standard covers the following methods of testing under marine conditions : (a) the natural durability of heartwood of indigenous timber species, and (b) the efficacy of wood preservatives. (Price Rs 3.00).
35.	IS : 6796-1972 Specification for propyl gallate, food grade	—	This standard prescribes the requirements and methods of test for propyl gallate, food grade. (Price Rs 4.00).
36.	IS : 6797-1972 Specification for methyl ester of beta-apo-8'-carotenoic acid	—	This standard prescribes the requirements and methods of test for methyl ester of beta-apo-8'-carotenoic acid, food grade. (Price Rs 3.00).

1	2	3	4
37.	IS : 6798-1972 Specification for octyl gallate, food grade	—	This standard prescribes the requirements and methods of sampling and test for octyl gallate food grade. (Price Rs 4.00).
38.	IS : 6837-1973 Specification for three wheel type pipe cutter	—	This standard lays down the dimensional and other requirements for three wheel type pipe cutter, intended for cutting steel and wrought iron pipes in the range of 9 to 315 mm external diameter. (Price Rs 4.00).
39.	IS : 6869 (Part II)-1973 Specification for playground equipment for parks Part II horizontal bars	—	This standard specifies the requirements for horizontal bars erected in parks as playground equipment. (Price Rs 3.00)
40.	IS : 6878-1973 Method of reverse bend testing of copper and copper alloy wire	—	This standard prescribes the method of conducting reverse bend testing of copper and copper alloy wire of diameter or thickness from 0.3 mm to 8.00 mm. (Price Rs 3.00).
41.	IS : 6886-1973 Method of dynamic force calibration of axial load fatigue testing machines by means of a strain gauge technique	—	This standard provides guidance for the dynamic force calibration of fatigue testing machines including special attachments, such as, grips, which may affect the calibration of the machine. It deals exclusively with axial load machines in which test pieces, usually symmetrical about a longitudinal axis, are subjected to fluctuating and reversed forces along that axis. (Price Rs 5.00).
42.	IS : 6888-1973 Specification for dental inlay casting wax	—	This standard prescribes requirements and the methods of sampling and test for dental inlay casting wax. (Price Rs 5.00).
43.	IS : 6889-1973 Method for chemical analysis of silver-tin dental amalgam alloy	—	This standard prescribes methods for determination of silver, tin, copper and zinc in the dental amalgam alloy in the ranges given in IS : 4704-1968. (Price Rs 3.00).

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-1 and also its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Kanpur, Madras, Patna and Chandigarh.

[No. CMD/13.2]

A. K. GUPTA, Acting Director General

(नागरिक पूति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 13 मई, 1975

क्रा० आ० 1605.—केन्द्रीय सिल्क बोर्ड अधिनियम, 1948 (1948 का 61) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्रीमती माया रे, संमद् सदस्या को 8 अप्रैल, 1976 तक के लिए केन्द्रीय मिल्क बोर्ड की उपाध्यक्षा नियुक्त करती है।

[फा० सं० 25/1/73/सी० ए४४ एस०]  
डी० डी० शर्मा, उप-नियंत्रण

(Department of Industrial Development)  
New Delhi, the 3rd May, 1975

S.O. 1605.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shrimati Maya Ray, M.P., as Vice-Chairman of the Central Silk Board for the period upto 8th April, 1976.

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधारीत है कि उक्त एकसचिव वायदा वाजार आयोग द्वारा समय-समय पर लिए जाने वाले निवेशों का अनुपालन करेगा।

[फा० सं० 12 (3 आई० टी०)/75]

शू० एस० राणा, उप सचिव

## (Department of Civil Supplies &amp; Cooperation)

New Delhi, the 13th May, 1975

**S.O. 1606.**—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Central India Commercial Exchange Ltd., Gwalior, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a further period of one year from 2nd June, 1975 to the 1st June, 1976, both days inclusive in respect of forward contracts in linseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Market Commission.

[F. No. 12(3)-IT/75]  
U. S. RANA, Dy. Secy.

**का० प्रा० 1607.**—प्रतिम संविदा (विनियमन) प्रधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय कपास निगम लिमिटेड, मुम्बई द्वारा या उसके द्वारा उस निमित्त सम्यक् रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति या अधिकरण द्वारा कपास के क्षय या विक्रय हेतु की गई सभी अनन्तरणीय विनियोगित परिवान संविदाओं को सम्पूर्ण भारत में उक्त प्रधिनियम की धारा 15 के प्रवर्तन से छूट देती है।

[का० सं० 10 (3)-प्रा० दी०/75]  
कु० सि० बाजवा, प्रबल सचिव

**S.O. 1607.**—In exercise of the powers conferred by subsection 27 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), the Central Government hereby exempts all non-transferable specific delivery contracts entered into by the Cotton Corporation of India Limited, Bombay or by any person or agency duly appointed in that behalf by it, for the purchase or sale of cotton from the operation of section 15 of the said Act in the whole of India.

[F. N. 10(3)-IT/75]  
K. S. BAJWA, Under Secy.

## स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1975

**का० प्रा० 1608.**—ग्रौविधि एवं प्रसाधन सामग्री प्रधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 20 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार, स्वास्थ्य मंत्रालय की 6 सितम्बर, 1967 की अधिसूचना संख्या एफ० 6-4/67-ओ० का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा केन्द्रीय भारतीय भेषज संहिता प्रयोगशाला, गांधियाबाद के निदेशक डा० पी० आर० पबराप्र को ग्रौविधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमावली, 1945 की अनुसूची (ग) और ग(1) में विनियोग दवाहायों को छोड़कर सभी दवाहायों के मामले में सम्पूर्ण भारत के लिए सरकारी विणेशक के पद पर नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12025/9/72-प्रो०]

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 22nd April, 1975

**S.O. 1608.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), and in supersession of the notification of the Government of India, Late Ministry of Health No. F. 6-4/67-D, dated the 6th September, 1967, the Central Government hereby appoints Dr. P. R. Pabral, Director, Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad, as Government Analyst, for the whole of India, in respect of all drugs other than the drugs specified in the Schedules C and C(I) to the Drugs and Cosmetics Rules, 1945.

[No. A. 12025/9/72-D]

आंदेश

नई दिल्ली, 12 मई, 1975

**का० प्रा० 1609.**—यह भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की अधिसूचना सं० वी० 11016/24/73-एम०पी०टी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निरेण दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए हेमबर्ड विश्वविद्यालय, जर्मनी द्वारा प्रदत्त "स्टेट्समेन" मान्य चिकित्सा अर्हता होती है;

श्री यत: डा० (श्रीमती) मार्गरेट बान डिगालस्की को जिसके पास उक्त अर्हता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल किंग एडवर्ड सात मेमोरियल अस्पताल, परेल, मुम्बई के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम ही वह अवधि विनियोगित करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रैक्टिस कर सकें।

[सं० वी० 11016/24/73-एम०पी०टी०]

## ORDER

New Delhi, the 12th May, 1975

**S.O. 1609.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 11016/24/73-MPT dated the 12th May, 1975, the Central Government has directed the medical qualifications, "STAATSEXAMEN" granted by the University of Hamburg, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. (Mrs.) Margarete Von Drigalski who possesses the said qualification is for the time-being attached to the King Edward VII Memorial Hospital, Parel, Bombay for the purposes of charitable work;

NOW, THEREFORE, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies —

- a period of two years with effect from the date of publication of this order in the Official Gazette, or
- the period during which Dr. (Mrs.) Margarete Von Drigalski is attached to the said King Edward VII Memorial Hospital, Parel, Bombay whichever is

shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V. 11016/24/73-MPT]

**का० आ० 1610.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा संघ से परामर्श करने के बाद एतद्वारा निर्देश देती है कि हेमर्ग, पिण्डम जर्मनी द्वारा प्रदत्त "स्टेट्समेन्ट" की चिकित्सा अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी।**

[सं० वी० 11016/24/73-एम०पी०टी०]

**S.O. 1610.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification "STAATSEXAMEN", awarded by the University of Hemburg, West Germany, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the said Act.

[No. V. 11016/24/73-MPT]

मई दिल्ली, 14 मई, 1975

**का० आ० 1611.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा संघ से परामर्श करने के बाद एतद्वारा निर्देश देती है कि टुकूर विद्यविद्यालय, फिल्हैड द्वारा प्रदत्त "लाइसेंशिट इन मेडिसन" की चिकित्सा अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी।**

[सं० वी० 11016/12/74-एम०पी०टी०]

New Delhi, the 14th May, 1975

**S.O. 1611.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification "Licentiate in Medicine", granted by the University of Turku, Finland, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the said Act.

[No. V-11016/12/74-MPT]

**का० आ० 1612.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा निर्देश देती है कि दाका विद्यविद्यालय बंगला देश द्वारा प्रदत्त की गई "एम०बी०-बी०एस०" की चिकित्सा अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हता होगी।**

[सं० वी० 11016/14/75-एम०पी०टी०]

**S.O. 1612.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification "M.B.B.S." granted by the University of Dacca, Bangla Desh, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the said Act.

[No. V-11016/14/75-MPT]

#### प्रादेश

**का० आ० 1613.—**15 फरवरी, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग 2 खण्ड 3 उप शाखा (ii) में पृष्ठ 616 पर प्रकाशित भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के द्वितीय 19 दिसंबर, 1974 के अंदेश संख्या का० 444 में जहाँ "डा० जनेर जकोबस" प्रयुक्त हुआ है उसके स्थान पर "डा० जनेर जकोबस एडियानस" पढ़ा जाए।

[सं० वी० 11016/6/74-एम०पी०टी०]

#### CORRIGENDUM

**S.O. 1613.—**In the Order of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. S.O. 444, dated the 19th December 1974, published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii), dated the 15th February, 1975, at page 616, for "Dr. Janner Jacobus" wherever they occur read "Dr. Janner Jacobus Adrianus".

[No. V-11016/6/74-MPT]

**का० आ० 1614.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 14 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् से सलाह लेने के पश्चात् एतद्वारा निर्देश देती है कि व्यूता एवं विष्वविद्यालय अर्जेन्टाइना द्वारा प्रदत्त "एम०डी०" की चिकित्सा अर्हता उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए एक मान्य चिकित्सा अर्हता होगी।**

[सं० वी० 11016/16/74-एम०पी०टी०]

**S.O. 1614.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consultation with the Medical Council of India, hereby directs that the medical qualification "M.D.", granted by the University of Buenos Aires, Argentina, shall be a recognised medical qualification for the purposes of the said Act.

[No. V-11016/16/74-MPT]

#### प्रादेश

**का० आ० 1615.—**यह भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की 14-5-75 की अधिकृतता सं० वी० 11016/12/74-एम०पी०टी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए टुकूर विद्यविद्यालय, फिल्हैड द्वारा प्रदत्त "लाइसेंशिट इन मेडिसन" मान्य चिकित्सा अर्हता होगी; और यह डा० टायस्टो और जुहानी बाल्ट की जिसके पास उक्त अर्हता है विश्वासी और भ्रमित कार्य के प्रयोजनों के लिए फिल्हैप एस०ए० मिशन टी०बी० अस्पताल, गोरेत, मनदरवार, जिला धुलिया, महाराष्ट्र के साथ सम्बद्ध है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के प्रस्तुत के भाग (ग) के अनुसर में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा—

- (1) इस आदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की नियम से दो वर्ष की अवधि तक, अथवा
- (2) उम अवधि को जब तक डा० टायस्टो और जुहानी बाल्ट उक्त एस०ए० मिशन टी०बी० अस्पताल, गोरेत, मनदरवार, जिला धुलिया, महाराष्ट्र के साथ संबद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह

अधिकृत विनियोग करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं० वी० 11016/12/74-एम०पी०टी०]

**S.O. 1615.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V-11016/12/74-MPT, dated the 14th May, 1975, the Central Government has directed that the medical qualification, "Licentiate in Medicine", granted by the University of Turku, Finland, shall be recognised medical qualifications for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Taisto Aarre Juhani Valta, who possesses the said qualification is for the time being attached to the S. A. Mission T. B. Hospital, Sharon, Mandurbar, District Dhulia, Maharashtra for the purposes of teaching and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- a period of two years with effect from the date of publication of this order in the Official Gazette, or
- the period during which Dr. Taisto Aarre Juhani Valta is attached to the said S. A. Mission T. B. Hospital Sharon, Mandurbar, District Dhulia, Maharashtra whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/12/74-MPT]

**का०प्रा० 1616—**यह भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की 14-3-75 अधिसूचना सं० वी० 11016/16/74-एम०पी०टी० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने नियोग दिया है कि भारतीय विकित्या परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए युवा एवं स्वतंत्र विश्वविद्यालय, अंड्रेस्टाइना द्वारा प्रदत्त "एम०डी०" मान्य विकित्या अर्हता होगी;

श्रीर यतः डा० एल्बर्टो एड्यार्डो एन्वेकफ को जिसके पास उक्त अर्हता है जिका तथा धर्मर्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल रेनोल्ड्स मेमोरियल अस्पताल (चर्च ऑफ नेजरीन) वाणिय, जिला अकोला, महाराष्ट्र राज्य भारत के माध्य सम्बद्ध है।

अतः श्रीर, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपशारा (1) के परन्तु के भाग (ग) अस्पताल में केन्द्रीय सरकार द्वारा—

- इस विदेश के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि तक, अधिकारी
- उस अवधि को जब तक डा० एल्बर्टो एड्यार्डो एन्वेकफ उक्त रेनोल्ड मेमोरियल अस्पताल (चर्च ऑफ नेजरीन) वाणिय, जिला अकोला, महाराष्ट्र राज्य भारत के माध्य सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनियोग करती है, जिसमें पूर्वोक्त डाक्टर मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[सं० वी० 11016/16/74-एम०पी०टी०]

सती नायर, अवृत्र मंत्रिव।

**S.O. 1616.**—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health & Family Planning No. V-11016/16/74-MPT, dated the 14th May, 1975, the Central Government has directed that the medical qualification, "M. D.",

granted by the University of Buenos Aires, Argentina, shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Alberto Eduardo Ainscough, who possesses the said qualification is for the time-being attached to the Reynolds Memorial Hospital (Church of Nazarene) Washim, Akola District, Maharashtra State, India for the purposes of teaching and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- a period of two years with effect from the date of publication of this order in the Official Gazette, or
- the period during which Dr. Alberto Eduardo Ainscough is attached to the said Reynolds Memorial Hospital (Church of Nazarene), Washim, Akola District, Maharashtra State, India whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/16/74-MPT]  
MRS. SATHI NAIR, Under Secy.

हुपि और मिशाई मंत्रालय

(व्याय विभाग)

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1975

**का०प्रा० 1617—**सरकारी स्थान (अधिकृत अधिभागियों की वेदवाली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण, आवास और पुति मंत्रालय की अधिकृतता सं० का० 2982, तारीख 22 अगस्त, 1967 को अधिकृत करते हुए केन्द्रीय सरकार, नीचे की मारणी के मन्त्रभूमि में उल्लिखित अधिकारी का, सरकार का राजपत्रित अधिकारी होने के नाते, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए समादा अधिकारी नियुक्त करती है, औं उक्त मारणी के मन्त्रभूमि (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के प्रवर्गी की बाबत अपने क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमा के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या के प्रयोग सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और अधिग्रंथित कर्तव्यों का पालन करेगा।

मारणी

अधिकारी का पद्धताम

लोक परिसरों के प्रवर्ग और क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाएं

(1)

(2)

महायक निदेशक (भवेधण  
और सूचना), राष्ट्रिक  
शक्ति संस्थान, कानपुर

कानपुर की नायर नियम सीमाओं के भीतर स्थित,  
निदेशक, राष्ट्रिक शक्ति संस्थान के प्रशासनिक  
शक्ति संस्थान के अवीन स्थान।

[सं०एक 8-9/71-मुगर]  
सी० पी० सेठ, अवृत्र मंत्रिय।

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(Department of Food)

New Delhi, the 30th April, 1975

**S.O. 1617.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the Notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply No. S.O. 2982, dated the 22nd

August, 1967, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column(1) of the Table below, being a gazetted officer of the Government, to be an estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the categories of public premises mentioned in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
Assistant Director (Survey and Information), National Sugar Institute, Kanpur.	Premises under the administrative control of the Director, National Sugar Institute, situated within the municipal corporation limits of Kanpur.  [No. F8-9/71-Sugar] C. P. SETH, Under Secy.

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, 6 गई, 1975

का० ग्रा० 1618.—यतः बेसन श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1973 का प्रारूप, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) को धारा 3 द्वारा अपेक्षित, तुसार, भारत के राजपत्र, लाग 2, खण्ड 3 उपखंड 2), तारीख 23 फरवरी, 1974 के पृष्ठ 667 से 670 पर, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की प्रधिसूचना सं० का० ग्रा० 517, तारीख 17 दिसंबर, 1973 के साथ प्रकाशित किया गया था, जिसमें इसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक मास के अवधि उन सभी अधिकारियों से जिनका उससे प्रभावित होना सम्भाल्य था, आधेंप तथा मुकाबल मांगे गये थे;

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 23 जनवरी, 1974 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार को उक्त प्रारूप पर जनता से कोई आधेंप और सुझाव प्राप्त नहीं हुये;

अतः प्रब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रवक्ष अधिकारियों का उपयोग करते हुये, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना—(1) इन नियमों का नाम बेसन (चने का घाटा) श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1975 है।

(2) ये भारत में तैयार किये गये बेसन पर लागू होंगे।

2. परिभाषा—इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) "कृषि विषय सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विषय सलाहकार अधिकारी है;

(ख) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा अधिकारी या अधिकारियों का निकाय अभिप्रेत है, जिसे साधारण श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1937 के नियम 3 के अधीन, बेसन के सम्बन्ध में, प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया गया है;

(ग) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूचि अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अधिनायन : भारत में तैयार किये गये बेसन की क्वालिटी को उपचारित करने वाला श्रेणी अधिनायन वह होगा जो अनुसूची 4 के सम्बन्ध 1 में दिया गया है।

4. क्वालिटी की परिभाषा : श्रेणी अधिनायन द्वारा उपचारित क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 4 के सम्बन्ध 2 से 7 में उक्त अधिनायन के सामने दी गई है।

5. श्रेणी अधिनायन नियम :—(1) श्रेणी अधिनायन जिहू कृषि विषय सलाहकार द्वारा प्रदत्त लेबल के या कृषि विषय सलाहकार द्वारा सम्बन्ध स्वरूप से अनुमोदित प्रतिकृति के रूप में होगा।

(2) लेबल के रूप में श्रेणी अधिनायन जिहू अनुसूची 1 में दिये गये डिजाइन के अनुसूच होगा।

(3) प्रतिकृति के रूप में श्रेणी अधिनायन जिहू का आकार, अनुसूची II में दिये गये और कृषि विषय सलाहकार द्वारा अनुमोदित डिजाइन के अनुसार, पात्र के आकार के अनुसार छोटा करा दिया जायेगा।

6. चिह्नन की पद्धति :—(1) श्रेणी अधिनायन चिह्न, कृषि विषय सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पात्र पर दृढ़तापूर्वक चिपकाया जायेगा या मुद्रित किया जायेगा।

(2) प्रत्येक पात्र पर ऐसी विशिष्टियाँ भी और ऐसी रीति से जो कृषि विषय सलाहकार द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जायें, स्पष्ट रूप से चिह्नित की जायेंगी।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विषय सलाहकार का पूर्व अनुमोदन अधिकारियों के प्रबलता, पात्र पर, उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से, अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न, चिह्नित कर सकेगा, परन्तु यह तथा कि व्यापार चिह्न, इन नियमों के अनुसार पात्र पर चिपकाये गये श्रेणी अधिनायन चिह्न से उपचारित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी दर्शित न करता हो।

7. पैकिंग की पद्धति (1) पैकर करने के लिये जूँ, कपड़े, कागज या पालिशीन के बने हुये मजबूत, स्वच्छ और शुक्र पात्र ही प्रयुक्त किये जायेंगे तथा पात्र कीटप्रसन या फंगस संदूषण से और किसी अप्रिय गंध से भी मुक्त होंगे।

(2) पात्र कृषि विषय सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से दृढ़ता प्रबल बन्द और सील किये जायेंगे हैं।

(3) प्रत्येक पैकेज केवल में एक ही श्रेणी अधिनायन का बेसन होगा।

8. प्राधिकरण प्रमाण पत्र की विशेष शर्तें :—प्राधिकृत पैकर द्वारा, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1937 के नियम 4 में विनिर्दिष्ट शर्तों के प्रतिरक्षित, अनुसूची III में वर्णित शर्तों का अनुपालन, कृषि विषय सलाहकार को समाधानप्रद रूप में किया जायेगा।

अनुसूची I

[नियम 5(2) देखिये]

अनुसूची II

[नियम 5(3) देखिये]

अनुसूची III

(नियम 8 देखिये)

प्राधिकरण प्रमाणपत्र की विशेष शर्तें

(क) प्राधिकृत पैकर, बेसन की सम्पादी या भाष्टार करने वाले वोनों के लिये तथा उसकी पैकिंग के लिये स्वच्छ स्वास्थ्यप्रद वातावरण में स्थित तथा कृषि विषय सलाहकार द्वारा अनुमोदित यथोचित परिसरों का स्वामी होगा या उन तक उसकी पहुँच होगी।

(ख) प्राधिकृत पैकर, बेसन के परीक्षण के लिये ऐसी व्यवस्था करेगा जैसी कृषि विषय सलाहकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाये और बेसन के नमूने उन केन्द्रीय प्रयोगशालाओं को भेजे जायेंगे जो उसके द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जायें।

(ग) प्राधिकृत पेकर कृषि विपणन सलाहकार द्वारा इस निमित्त सम्बद्ध प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारियों को ऐसी मधी सुविधायें प्रदान करेगा जो आवश्यक हों।

(ब) प्रनिचयन, विश्लेषण और देक्खिंग की पद्धतियों के सम्बन्ध में

उन सब अनुवेशों का जो कृषि विषयन सहालकार द्वारा जारी किये जायें, कठाई से अनुपालन किया जायेगा।

(क) कर्मचारियों का स्वास्थ्य उत्तम होगा और वे स्वच्छ और किन्हीं संसर्गज या संचरणीय रोगों से मुक्त होंगे।

ग्रन्तसूची—4

(नियम 3 और 4 देखिये)

बेसन (सर्वे के आटे) के श्रेणी अभियान और क्षालिटी की परिभाषायें

श्रेणी अधिकार	भार के आधार पर* कुल भस्म* (शुष्क अम्ल* ग्रथितेय भस्म, एल्कोहॉली* अम्लता कज्ज्ञा प्रोटीन* (एन अधिकतम आद्दता आधार पर) भार शुष्क आधार पर, (एच2 एसओ4 प्रतिशत के आधार पर भार के आधार पर जैसा) 90 प्रतिशत अधिकतम प्रतिशत एल्कोहॉल में भार प्रतिशत के आधार पर भार के आधार पर न्यून- प्रतिशत अधिकतम प्रतिशत	सामान्य लक्षण
---------------	---	---------------

\*भा० मा० 2400/1963 से लिया गया।

बेसन के बल गुड़, भाफ, सूखे छिलके निकाले गये चने (सोसेर एरिटिनम) को पीस कर प्राप्त किया गया उत्पाद होगा और किसी विज्ञातीय पदार्थ, रंजक द्रव्य और परिरक्षकों से रहित होगा।

यह कीटप्रसन्न और फंसग-प्रसन्न और हृतक संवेषण से भी रहित होगा। नियन्यानवें प्रतिशत बेसन 500 माइक्रोग्राम्स आहे। एस.० की छलनी से डुन जायेगा।

यह केमरी वाल (सेथेरस सेटीबस) के आटे के किसी अधिमिश्रण से रहित होगा।

[संख्या 13-12/71 ए० एम०]

आर० एन० बद्री, अवर सचिव

(Department of Rural Development)

New Delhi, the 6th May, 1975.

**S.O. 1618.**—Whereas a draft of the Besan Grading and Marking Rules, 1973 was published as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), at pages 667 to 670 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 23rd February, 1974, with the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) No.S.O. 517, dated the 17th December, 1973 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within one month from the date of its publication in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 23rd February, 1974;

And whereas no objections and suggestions were received from the public on the said draft by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. **Short title and application.**—(1) These rules may be called the Besan (Gram Flour) Grading and Marking Rules, 1975.

- (2) They shall apply to *Besan* (prepared) in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

- (b) "authorised packers" means a person or a body of persons who has been in relation to Besan granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937.

- (c) "Schedule" means a schedule appended to these rules.

3. Great designation.—Grade designation to indicate the quality of Besan (prepared in India) shall be as set out in column I of Schedule IV.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designation shall be as set out against the said designation in columns 2 to 7 of Schedule IV.

## 5. Grade designation mark—

- (1) The grade designation mark shall consist of a label supplied by the Agricultural Marketing Adviser or a replica thereof, duly approved by the Agricultural Marketing Adviser.
- (2) The grade designation mark in the form of a label shall conform to the design set out in Schedule I.
- (3) The size of the grade designation mark in the form of a replica shall be reduced according to the size of the container as per design given in Schedule II and approved by the Agricultural Marketing Adviser.

## 6. Method of marking—

- (1) The grade designation mark shall be securely affixed to or printed on, each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.
- (2) Each container shall also be clearly marked with such particulars and in such manner as may, from time to time, be specified by the Agricultural Marketing Adviser.
- (3) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said Officer, provided that the trade mark does not represent a quality or grade different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

## 7. Method of packing—

- (1) Only sound, clean and dry containers made of jute, cloth, paper or polythene shall be used for packing and the containers shall be free from any insect infestation or fungus contamination and also from any undesirable smell.
- (2) The containers shall be securely closed and sealed in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(3) Each package shall contain Besan of the same grade designation only.

8. Special conditions of certificate of authorisation—In addition to conditions specified in rule 4 of the General Grading and Marking Rules, 1937, the conditions set out in Schedule III shall be observed by the authorised packer to the satisfaction of the Agricultural Marketing Adviser.

## Schedule I

[See rule 5 (2)]

## Schedule II

[See rule 5 (3)]

## Schedule III

(See rule 8)

## Special conditions of certificate of authorisation—

(a) The authorised packer shall own or have access to a suitable premises located in a clean hygienic environment for handling or storage or for both and packing of Besan approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(b) The authorised packer shall make such arrangements for testing Besan as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser and samples of Besan shall be forwarded to such control laboratories as may be specified by him from time to time.

(c) The authorised packer shall provide all such facilities as may be necessary to the Inspecting Officers duly authorised by the Agricultural Marketing Adviser in this behalf.

(d) All instructions regarding the methods of sampling, analysis and packing which may be issued by the Agricultural Marketing Adviser shall be strictly observed.

(e) The operatives shall be in sound health and shall be clean and free from any contagious or communicable diseases.

## SCHEDULE IV

(See rules 3 and 4)

## Grades designations and definitions of quality of Besan (gram flour)

Grade-Designations	Moisture %* by weight Max.	Total ash* (on dry basis, % by weight Max.)	Acid* isol. ash on dry basis % by weight Max.	Alcoholic* Acidity (as H <sub>2</sub> SO <sub>4</sub> in 90% alcohol % by weight max.)	Crude pro- tein * (Nx 6.25) (on dry basis) % by weight min.	General Characteristics
1	2	3	4	5	6	7
Standard	12.5	4.0	0.35	0.1	21.0	Besan shall be the product obtained by milling pure, clean, dried dehusked gram ( <i>Cicer arietinum</i> ) only and shall be free from any extraneous matter, colouring matter and preservatives. It shall also be free from insect and fungus infestation and rodent contamination. Ninety-nine per cent of the material shall pass through 500 microns I.S. sieve. It shall be free from any admixture of flour of Khesari dal ( <i>Lathyrus sativus</i> ).

\*Adopted from IS 2400/1963

## वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुद्र्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय,

कलकत्ता, 16 जनवरी, 1975

आदेश

**का० आ० 1619.**—मर्बंशी दि हिन्दियन स्टैन्डर्ड मेटल क० लि०, 1, एम० ३८० इस्टेट चिंचपोकी आग लेन, वस्वई-२७ को ३०० न० से ऊपर वाले जूनेस के ग्राफाइट कृमिल्लम के आयात के लिए ५१,६४५ रुपये का एक आयात लाइसेंस सं० पी० एम० २६७६०५६/सी०/एक्स एक्स०/१७/सी० ३७-३८ प० ६६.१७ दिनांक २१-५-७३ स्वीकृत किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाणुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनके निकासी ऐंजेन्ट मर्बंशी रिलाइस्न ट्रैडर्स, एमाइस विलिंग्स, इ० डी० एन० रोड, वस्वई ४००००१ के कार्यालय में आग लग जाने के कारण मूल सीमाणुल्क प्रति विनाउ उपयोग किए और किसी भी सीमाणुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए आग में नष्ट हो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदन ने नोटरी, महाराष्ट्र राज्य के मम्मुख धन्य देते हुए इस संबंध में एक धन्य पत्र वाखिल किया है कि लाइसेंस सीमाणुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं करवाया गया था और उमका बिल्कुल उपयोग नहीं किया गया था और वह रद्द नहीं किया गया था, धरोहर, नहीं रखा गया था, हस्तांतरित नहीं किया गया था अथवा किसी धन्य पार्टी को किसी भी प्रयोजनार्थ मौंपा अथवा किसी भी विचार हेतु चाहे जो भी हो उमके लिए नहीं दिया गया था। आवेदक ने लाइसेंस की मूल सीमाणुल्क प्रति को रद्द करने के लिए अनुरोध किया है और उनके द्वारा उसी की अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया गया है और यह वस्तु विद्या है कि यदि बाद में लाइसेंस की मूल सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति मिल गई तो वह उसे जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा देंगे।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० पी०/एम० २६७६०५६/सी०/एक्स एक्स० ४७/सी० ३७-३८/ए० ६६.१७ दिनांक २१-५-७३ की मूल सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति आग में नष्ट हो गई है और निवेदा देता हूँ कि आवेदक का लाइसेंस की अनुलिपि सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जाए। लाइसेंस की मूल सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[म० आर० ई० एक्स० पी०/एम० ०पी० ०एस० ० १४१/७२-७३, जी० ब्रा०-२]

बी० क० विभावास, उप-मुद्र्य नियंत्रक

(Office of the Lt. Chief Controller of Imports &amp; Exports)

## ORDER

Calcutta, the 16th January, 1975

**S.O. 1619.**—M/s. The Indian Standard Metal Co. Ltd. 1, S. M. Estate Chinchpokli Cross Lane, Bombay-27 were granted Import Licence No. P/M/2676056/C/XX/47/C/ 37-38/A. 66.17 dated 21-5-1973 for Graphite Crucibles of Sizes over No. 300 for a total value of Rs. 51,645/- They have applied for duplicate copy of customs copy of the licence on the ground that the Original Customs copy has been destroyed due to the fire in the office of their Clearing Agents M/s. Reliance Traders, Allice Building, Dr. D. N. Road, Bombay 400001 before utilisation and without having been registered with any customs authorities.

In support of their contention the applicant have filed an affidavit sworn before Notary Public, Maharashtra State to the effect that the licence had not been registered with customs authority and also had not been utilised at all & the same has not been cancelled, Pledged transferred or handed over to any other party for any purpose or for any consideration whatsoever. The applicant have made a request to cancel the original customs purpose copy of the licence in lieu of which the duplicate copy has been applied for by

them and undertake to return the original customs purpose copy of the licence to the issuing authority if traced out later on.

I am satisfied that the original customs purpose copy of the licence No. P/M/2676056/C/XX/47/C/37-38/A. 66.17 dated 21-5-1973 has been destroyed due to the fire and direct that a duplicate customs purpose copy of the licence be issued to the applicant. The original customs purpose copy of the licence is hereby cancelled.

[No. REXP/SPS/141/72-73/Gr. VII]

B. K. BISWAS, Dy. Chief Controller,

(संयुक्त मुद्र्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

कलकत्ता 14 मई, 1975

आवेदन

**का० आ० 1620.**—मर्बंशी क० एन० लायर को अप्रैल, मार्च, ७४ अवधि के लिये एक आयात लाइसेंस निम्नलिखित अनुसार जारी किया गया था:—

लाइसेंस संख्या और दिनांक	विवरण	मूल्य
पी०/ई०/०२४०३९६/सी०/एक्स ब्रौजार, उपस्कर ब्रौर ३१-८-७३	एक्स०/४८/सी०/३६३७, दिनांक उपयकण और उनके पुर्जे हजार दो सौ पचास आदि आयात नीति पुस्तक स्पष्ट रूप से मात्र)	(एक रु० १२५०/-)

के अनुसार अन्य

उन्होंने पूर्ण मूल्य १२५०/- रुपये के लिये उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिये आवेदन किया है क्योंकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति आग में नष्ट हो गई है। कुल धनराशि जिसके लिये मूल प्रति जारी की गई थी १२५०/- रुपये है और मूल प्रति पूर्ण धनराशि के लिये उपयोग कर सी गई थी। अब मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि की आवश्यकता अप्रैल-मार्च, ७५ अवधि के आवृत्ति प्रचालन के लिये है।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने विशेष न्यायिक भजिस्ट्रेट, नियायवह द्वारा विधिवत साक्षात्यकित स्टाप्स पेपर पर एक शपथपत्र वाखिल किया है।

3. मैं संतुष्ट हूँ कि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति संख्या पी०/ई०/०२४०३९६/सी०/एक्स०/४८/सी०/३६३७ द्वारा गई है और निवेदा देता हूँ कि इसकी अनुलिपि १२५०- रु० के पूर्ण मूल्य के लिये आवेदक को जारी की जानी चाहिये। उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति १२५०- रुपये की पूर्ण धनराशि के लिये रद्द की जाती है।

[संख्या ई० आई०/२०६३७/७/ए०एस० ७५/२]

एम० पी० मुर्जी, कृते नियंत्रक

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports &amp; Exports)

Calcutta, the 14th May, 1975

**S.O. 1620.**—M/s. K. N. Lawyer were issued import licence for the period April-March 1974 as under :—

Licence No. and date	Description	Value
P/E/0240396/C/ XX/48/C/ 36-37 dt.31.8.73	Instruments apparatus and appliances & parts thereof etc. Other as per Import policy Book.	Rs.1250/- (Rupees One thousand two hundred & fifty only)

They have applied for duplicate Exchange Control purposes copy of the above import licence for the full value of Rs. 1250/- since they have confirmed that the exchange control purposes copy of the above licences have been destroyed by fire. The total amount for which the original copy was issued is Rs. 1250/- and the total amount for which the original copy was utilised in full. The duplicate Exchange control purposes copy now required for repeat operation for AM '75 period.

2. In support of this contention the applicant has filed an affidavit on a stamped paper duly attested by Special Judicial Magistrate, Sealdah.

3. I am satisfied that the E. C. purposes copy No. P/E/0240396/C/XX/48/C/36-37 has been destroyed by fire and direct that the duplicate Exchange control purposes copy of the import licence for the full value of Rs. 1250/- should be issued to the applicant. The exchange control purposes copy of the above import licence is cancelled for the amount of Rs. 1250/-.

[No. EI/20657/7/AM'74]

S. P. MUKHERJEE, Controller

(मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय)

मई दिल्ली, 29 प्रैल, 1975

प्रावेश

**का० आ० 1621.**—सर्वश्री हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स लि०, इंजन डिबिजन, बंगलौर कम्पनीस बंगलौर ऐरोनाटिक्स स्टोर्स के आयात के लिए लाइसेंस सं० आई/ए/1046212, दिनांक 30-7-71 स्वीकृत किया गया था। सर्वश्री हिन्दुस्तान ऐरोनाटिक्स लि० ने यह प्रतिवेदित किया है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति प्रस्थानस्थ हो गई है और उन्होंने उसी की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

प्रपते तरफ के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति चोरी है और निवेश देती है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रुपयी जासी है। उसकी अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[सं० एच प.एल/24-26/71-72/पी एल एस/ए/पी एल एस/बी/43]

एम० क० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports &amp; Exports)

New Delhi, the 29th April, 1975

## ORDER

**S.O. 1621.**—M/s. Hindustan Aeronautics Ltd., Engine Division, Bangalore complex, Bangalore were granted licence No. I/A/1046212 dt. 30-7-1971 for the import of Aeronautics Stores. M/s. HAL have reported that Exchange copy of the licence has been misplaced and they have requested to issue duplicate copy of the same.

In the support of their contention the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Exchange Control copy of the licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Exchange copy of the said licence is issued.

The original E.C. copy of the licence has been cancelled a duplicate copy of the same is being issued, separately.

[No. HAL/24-26/71-72/PLS/A/PLS/B/43]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller

मई दिल्ली, 15 मई, 1975

प्रावेश

**का० आ० 1622.**—सर्वश्री क्लर्क्स होटल, वी माल, वाराणसी को प्राइस क्लूब द्वारा आती भारी मरीन के फालतू पुर्जे के आयात के लिए 2000 रुपये माल के लिए एक आयात लाइसेंस संख्या : पी/ए 1378376, दिनांक 31-7-1973 प्रदान किया गया था। प्रम् पार्टी ने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमांशुल्क प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि विषयाधीन उक्त लाइसेंस की मूल सीमांशुल्क प्रति प्रस्थानस्थ हो गई/ओ गई है। आगे यह बताया गया है कि विषयाधीन लाइसेंस किसी भी पत्रक पर पंजीकृत नहीं था। इस तरफ के समर्थन में पार्टी ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस संख्या पी/ए 1378376, दिनांक 31-7-73 की मूल सीमांशुल्क प्रति प्रस्थानस्थ हो गई/ओ गई है और निवेश देता हूँ कि उक्त आयात लाइसेंस की अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमांशुल्क प्रयोजन प्रति रुपयी जारी हो जाती है।

[संख्या 12/141/74-75/एम०एल-1/139]

नन्द कुमार, संयुक्त उप मुख्य नियंत्रक

New Delhi, the 15th May, 1975

## ORDER

**S.O. 1622.**—M/s. Clarks Hotel, The Mall, Varanasi, were granted an Import licence No. P/A/1378376 dated 31-7-1973 for Rs. 2,000/- only for the import of spare parts of Ice Cube making machine. Now the party has applied for issue of Duplicate Customs Copy of the aforesaid import licence on the ground that the original Customs Copy of the said import licence in question has been misplaced/lost. It is further stated that the licence in question was not registered with any port. In support of this contention, the party has furnished the affidavit. I am satisfied that the Original Customs Copy of the Import Licence No. P/A/1378376 dated 31-7-1973 has been lost/misplaced and direct that a duplicate Customs Purposes Copy of the said import licence should be issued to the applicant. The Original Customs Purposes Copy of the said licence is cancelled.

[No. 12/141/74-75/MT.. 1/139]

NAND KUMAR, Jt. Chief Controller,

## विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. &amp; T. Board)

New Delhi, the 14th May, 1975

**का० आ० 1623.—**राजनयिक एवं कौसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वाँ) के खंड (क) की धारा 2 के अनुसार केंद्र सरकार एतद्वारा भारत के डाका स्थित हाई कमीशन में सहायक श्री प्रभाती लाल को तत्काल में कौम्भी एजेंट का कार्य करने का अधिकार देती है।

[फाइल सं० टी०-4330(4) 74]

## MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1623.—**In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri Prabhatty Lal, Assistant in the High Commission of India, Dacca to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(4)/74]

**का० आ० 1624.—**राजनयिक एवं कौमली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम 1948 (1948 का 41वाँ) के खंड (क) की धारा 2 के अनुसार केंद्र सरकार एतद्वारा भारत के लीभा स्थित राजदूतावास में सहायक श्री ओ० पी० बजाज को तत्काल से कौम्भी एजेंट का कार्य करने का अधिकार देती है।

[फाइल सं० टी०-4330(4) 74]

पी० शार० नम्बिसन, अवर सचिव।

**S.O. 1624.—**In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri O. P. Bajaj, Assistant in the Embassy of India, Lima, to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect.

[File No. T. 4330(4)/74]  
P. R. NAMBISAN, Under Secy.

## संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 14 मई, 1975

**का० आ० 1625.—**स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड (iii) के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिवेशक ने जर्खी वारी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-6-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्पत्य किया है।

[सं० 5-10/75-पी०एच०बी०]

**S.O. 1625.—**In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-6-1975 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Charkhi Dadri Telephone Exchange, N. W. Circle.

[No. 5-10/75-PHB]

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

**का० आ० 1626.—**स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड (iii) के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिवेशक ने इटारसी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-6-75 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्पत्य किया है।

[संख्या 5/20/75 पी०एच०बी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिवेशक

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1626.—**In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-6-1975 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Itarsi Telephone Exchange, M.P. Circle.

[No. 5-20/75-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन महानिवेशक)

बम्बई, 11 मार्च, 1975

(वाणिज्य नौवहन)

**का० आ० 1627.—**भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन तथा संचार मंत्रालय सं० का० 314, तारीख 17-12-1960 के साथ पठित वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 391 की उप धारा (i) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, मैं नौवहन महानिवेशक एतद्वारा भारत सरकार, परिवहन तथा विमानन मंत्रालय, नौवहन महानिवेशक की अधिसूचना सं० का० 3303, तारीख 15-10-1966 में निम्नलिखित संघोंवन्/परिवर्धन करता हूँ, अधित् :—

1. उन अधिसूचना की अनुसूची में “अधिकारियों तथा प्राधिकारियों” शीर्ष के अधीन विद्यमान टीप में अपत् “मद्रास पश्चिम के सिवाय मद्रास राज्य में सभी तटवर्षी ज़िलों के समुद्रतटीय क्षेत्रों के कार्य प्रभारी न्यायाधीश” शब्दों के साथ “और तृतीकरण

2. “अधिकारियों तथा प्राधिकारियों” शीर्ष के अधीन विद्यमान टीप में अपत् “मद्रास पश्चिम के सिवाय मद्रास राज्य में सभी तटवर्षी ज़िलों के समुद्रतटीय क्षेत्रों के कार्य प्रभारी न्यायाधीश” शब्दों के साथ “और तृतीकरण

पत्तन” जोड़ दिए जाएं तथा तदीन निम्नलिखित नई टीरें अन्तर्निर्दिष्ट की जाएंगी :—

अधिकारियों तथा प्राधिकारियों

तृतीकोरिन पत्तन के व्यापी

चिह्न सीमाएं

तृतीकोरिन पत्तन की सीमाओं के अन्तर्गत

3. “अधिकारियों तथा प्राधिकारियों” शब्द के अधीन विषमान टीप में अर्थात् “उड़ीसा राज्य में सभी सटवर्ती ज़िलों के सम्प्रतीय भेत्रों के कार्य-प्रभारी व्यापारीश” शब्दों के साथ “विवाय पारादीप पत्तन” जोड़ दिए जाएं तथा तदीन निम्नलिखित नई टीरें अन्तर्निर्दिष्ट की जाएं :—

अधिकारियों तथा प्राधिकारियों

चिह्न सीमाएं

पारादीप पत्तन के व्यापी

पारादीप पत्तन की सीमाओं के अन्तर्गत

[सं. 66-एम एच (2)/62/सं. 40-एस एच (99)/74]

ए. बी. भावे, महानिदेशक

### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

(Merchant Shipping)

Bombay, the 11th March, 1975

**S.O. 1627.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 391 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with the order of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communication (Department of Transport) No. S.O. 3144 dated 17-12-1960, the Director General of Shipping hereby makes the following amendments/additions in the notification of the Government of India in the Ministry of Transport & Aviation, Director General of Shipping, No. S.O. 3303 dated 15-10-1966, namely :—

- (1) In the schedule to the said notification, for the existing entry under the heading “Officers and Authorities”, for the entry “The Port Officer, Mangalore” the entry “The trustees of the Port of Mangalore” shall be substituted.
- (2) To the existing entry under the heading “Officers and Authorities” namely, “Magistrate in charge of divisions on the sea coast in all maritime district to the State of Madras except the port of Madras” the words “and the port of Tuticorin” shall be added and fresh entries inserted thereunder as follows :—

Officers and Authorities  
The Trustees of the Port of  
Tuticorin.

Limits prescribed  
Within the limits of the Port  
of Tuticorin.

- (3) To the existing entry under the heading “Officers and Authorities” namely, “Magistrate in charge of divisions on the sea coast in all maritime districts in the State of Orissa” the words “except the Port of Paradip” shall be added and fresh entries inserted thereunder as follows :—

Officers & Authorities  
The Trustees of the Port of  
Paradip.

Limits prescribed  
Within the limits of the port  
of Paradip.

[No. 66-SH(2)/62/No. 40-SH(99)/74]

S. V. BHAVE, Director General

(परिवहन पक्ष)

नई विल्सनी, 6 मई, 1975

का. आ० 1628.—राष्ट्रीय नौवहन और नियम, 1960 के नियम 3 के माथ पठित आपार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शब्दियों का प्रयोग करते हुए तथा दिनांक 13 मार्च, 1974 की नौवहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना का० आ० सं० 895 के पैरा 2 के अनिवार्य में केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा नौवहन के उपमहानिदेशक श्री एम० वाला को सेवा नियुक्त श्री एन० के० गोपालन नायर के स्थान पर 1 नवम्बर, 1974 से राष्ट्रीय नौवहन बोर्ड के सचिव नियुक्त करती है।

[सं. 37-एम०डी० (10)/73]

एम० के० रामास्वामी, प्रबन्ध सचिव

(Transport Wing)

New Delhi, the 6th May, 1975

**S.O. 1628.**—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rule 3 of the National Shipping Board Rules, 1960, and in supersession of paragraph 2 of the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) S.O. No. 895, dated the 13th March, 1974, the Central Government hereby appoints Shri M. Wala, Deputy Director General of Shipping as Secretary of the National Shipping Board with effect from the 1st November, 1974, vice Shri N. K. Gopalan Nair retired.

[No. 37-MD(10)/73]

M. K. RAMASWAMY, Under Secy.

आदेश

नई विल्सनी, 7 मई, 1975

का० आ० 1629.—यह श्री ई० टी० बी० एस० मेनोन ने, जिन्हें भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. का० आ० 3281, तारीख 2 विसम्बर, 1974 द्वारा कोषीत श्रावण बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था, डाक कर्मकार (नियोजन का विनियम) नियम, 1962 के नियम 4 के उपनियम 3 के अधीन अपना पद त्याग दिया है;

और यह, उक्त सदस्य के त्यागपत्र द्वारा उक्त डाक श्रम बोर्ड में एक रिक्ति हो गई है;

अतः, इब उक्त नियमों के नियम 4 के उपनियमों का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त रिक्ति को अधिसूचित करती है।

[सं. बी-14012/1/74-एस डी (i)]

ORDER

New Delhi, the 7th May, 1975

**S.O. 1629.**—Whereas Shri E. T. V. S. Menon who was appointed as a member of the Cochin Dock Labour Board by the notification of the Government of India, in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 3281, dated the 2nd December, 1974 has resigned his office under sub-rule (3) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962 ;

And whereas a vacancy has occurred in the said Dock Labour Board by the resignation of the said member ;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of rule 4 of the said rules the Central Government hereby notifies the said vacancy.

[No. V. 14012/1/74/LD (i)]

**का० आ० 1630.**—डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम 1962 के नियम 4 के उपनियम (1) के द्वितीय परन्तु के साथ पठित डाक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री ₹० दी० वी० एम० मेनन के स्थान पर श्री पी० पशुपथी को कोकिंग डाक श्रमिक बोर्ड का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार नीवहन और परिवहन मंत्रलय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० एम० ओ० 3281, तारीख 2 विसम्बर, 1974 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “डाक कर्मकार के नियोजकों तथा नीवहन कम्पनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य” शीर्षक के नीचे, मद (4) के सामने “श्री ₹० दी० वी० एम० मेनन” प्रविष्टि के स्थान पर “श्री पी० पशुपथी” प्रविष्टि रखी जाएगी।

[सं० वी० 14012/1/74-एल ई (ii)]  
व्रि० संकारालिङम, प्रब्रत सचिव

**S.O. 1630.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), read with the second proviso to sub-rule (1) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri P. Pashupathi as a member of the Cochin Dock Labour Board vice Shri E. T. V. S. Menon and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 3281, dated the 2nd December, 1974 namely :—

In the said notification, under the heading "Members Representing the employers of Dock Workers and Shipping Companies" against item (4) for the entry "Shri E. T. V. S. Menon", the entry, "Shri P. Pashupathi" shall be substituted.

[No. V-14012/1/74/LD (ii)]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

### अर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1975

**का० आ० 1631.**—कोयला खान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 (1973 का 26) की धारा 16 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, निम्नलिखित लोगों को उनके सामने लिखी तारीख से सहायक संवाय आयुक्त, नियुक्त करती है :—

1. श्री अणोक कुमार भट्टाचार्य 28-2-1975 (अपराह्न)
2. श्री श्याम प्रसाद सेन गुप्ता 1-3-1975 (पूर्वाह्न)
3. श्री पूर्णेन्दु प्रकाश सरकार 10-3-1975 (पूर्वाह्न)

[संख्या 49016/1/74-सी०-3/सी० ए० एफ०]

एम० चक्रवर्ती, उप सचिव

### MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 10th April, 1975

**S.O. 1631.**—In exercise of the powers conferred under Sub-Section (2) of section 17 of the Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 (26 of 1973), the Central Government hereby appoints the following persons as Assistant Commissioner of Payments from the dates shown against them :—

1. Shri Ashok Kumar Bhattacharyya 28-2-1975 (AN).
2. Shri Shyam Prasad Sen Gupta 1-3-1975 (FN).
3. Shri Purnendu Prakash Sarkar 10-3-1975 (FN).

[No. 49016/1/74-C3/CAF]

S. CHAKRAVARTY, Dy. Secy.

### अम० मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1975

आदेश

**का० आ० 1632.**—यह: केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विधियों के बारे में में भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड वाई लोदना कोलियरी, डाकघर शरिया, जिला धनवाद के प्रबन्धतत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच एक श्रीदांगिक विवाद विद्यमान है;

और यह: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्वाचित करना चाहनीय समझती है ;

अतः अब, श्रीदांगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के प्रधीन मर्टित केन्द्रीय सरकार श्रीदांगिक अधिकरण, संख्या 2, धनवाद को न्यायनिर्णय के लिये निर्वाचित करती है।

अनुसूची

मेसर्स भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड की सोदना कोलियरी, डाकघर शरिया, जिला धनवाद के कर्मचारी श्री नरें चन्द्र दत्त द्वारा निरन्तर सम्पादित कर्तव्यों की प्रकृति की ध्यान में रखते हुए क्या प्रबन्धतत्व द्वारा उक्त कर्मचारी की 'सफाई चपरासी' के रूप में पदाभिहित करते और उसे 140-3-178 रु० का वैनमान अनुजात करते की कार्रवाई न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मचारी किस अनुतोष का वृक्षादार है और किस तारीख से ?

[सं० एल०-20012/91/74-एल आर-2/झ० 3ए]

एल० के० नारायणन, अनुभाग अधिकारी (विशेष)

### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 5th April, 1975

### ORDER

**S.O. 1632.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Having regard to the nature of duties performed by Shri Naresh Chandra Dutta, an employee of the Iodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharia, District Dhanbad, all along, whether the action of the management in designating the said employee as 'Sanitary Peon' and allowing him the scale of pay of Rs. 140-3-178, is justified? If not, to what relief is the said employee entitled and from what date?

[No. L-20012/91/74-LRII/DIII]

L. K. NARAYANAN, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1975

ग्रामेश

**का० ग्रा० 1633।—यतः** केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपायद्वारा अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सवाई माधोपुर जिले की सारांशीप इसेद्वारा तहसील में स्थित थी नारायण आग्रवाल, खान स्वामी, जयपुर, की सेलखड़ी खानों के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौषोगिक विवाद विचारान्तर्गत है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, अब, ग्रौषोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपाधारा (1) के खण्ड (अ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौषोगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या सवाई माधोपुर जिले की इसेद्वारा तहसील में सारांशीप में स्थित श्री नारायण आग्रवाल, खान स्वामी, जयपुर की सेलखड़ी खान में नियोजित कर्मकारों की 1970-71, 1971-72 और 1972-73 के लेखा वर्षों के लिए 20 प्रतिशत की दर से लाभ सहभाजन बोनस के भूतान की सांग न्यायोधित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार प्रत्येक वर्ष के लिए बोनस की किस प्रमाण के हकदार है?

[स० एक०-29011/11/75-डी० 3(बा)]

New Delhi, the 7th April, 1975

#### ORDER

**S.O. 1633।—**Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Soapstone Mines at Saraseap Isarda Tehsil in Sawaimadhopur District of Shri Narayan Agrawal, Mine Owner, Jaipur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Whether the demand of workmen employed in Soapstone Mine at Saraseap in Isarda Tehsil in the District of Sawaimadhopur of Shri Narayan Agrawal, Mine Owner, Jaipur for payment of profit sharing bonus @ 20 per cent for the accounting years 1970-71, 1971-72 and 1972-73 is justified? If not, to what quantum of bonus are the said workmen entitled for each year?

[No. L-29011/75/DIII(B)]

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1634।—**In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Mahabir Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th May, 1975.

#### BEFORE SHRI N. K. BANERJEE, ARBITRATOR

##### Arbitration in Industrial Dispute

##### BETWEEN

the management of Mahabir Colliery, Post Office Raniganj, District Burdwan and their workmen represented by the Colliery Mazdoor Union (INTUC), 27, G. T. Road, P. O. Asansol, Distt. Burdwan.

#### APPEARANCES:

For the management : Shri S. Koar, Industrial Relation Officer, Coal Mines Authority Limited, Satgram Sub-Area, P. O. Raniganj, Distt. Burdwan.

For the workmen : Shri Arun Bhattacherjee, Vice-President, Colliery Mazdoor Union (INTUC), 27, G. T. Road, P. O. Asansol, Distt. Burdwan.

#### ARBITRATION AWARD UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1974

By an Arbitration Agreement dated 15-2-1974 under sub-Section (1) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) signed by Shri S. Koar, Industrial Relation Officer, Coal Mines Authority Ltd., (Satgram Sub-Area) P. O. Raniganj, Distt. Burdwan, on behalf of the management and Shri Arun Bhattacherjee, Vice-President, Colliery Mazdoor Union (INTUC), 27, G. T. Road, Asansol, Distt. Burdwan, the following matters were referred for my arbitration :—

##### Specific matters in dispute :

"Whether the management of Mahabir Colliery P. O. Raniganj, Distt. Burdwan, are justified in directing 58 Pickminers, who have been performing duties in first shift all along, to rotate in all the three shifts without providing quarters. If not, to what relief are the pickminers entitled?"

2. The Government of India in the Ministry of Labour, in pursuance of the provisions of Sub-Section (3) of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), published the said Arbitration Agreement in the Official Gazette vide Notification No. D-19013/1/74-LRII dated 9.5.1974.

3. After the reference was made, usual notices were issued to the parties inviting their written statements in my letter dated 29-5-1974. Having received no written statement from any of the parties, they were reminded again on 19-6-1974. The management requested me to implead the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), Asansol, as a party to the arbitration case in question in their letter dated 18-6-74, as the said Union was also reported to have been operating amongst the workmen of Mahabir Colliery. But it was not possible for me to concede to the request of the management as the management and the Colliery Mazdoor Union (INTUC), Asansol, by a written agreement in pursuance of the provision of Sub-Section (1) of Section 10A of the I. D. Act, 1947 had agreed to refer the dispute in question to my arbitration. However, the management submitted their written statement in their letter dated 1-7-1974. The Union requested to grant them further time for submission of written statement in its letter dated 29-6-74. Subsequently the Union did not submit any written statement.

4. It was contended on behalf of the management that in Mahabir Colliery there were 350 Pickminers working in fixed shifts as follows :—

- (1) 1st shift—128
- (2) 2nd shift—170
- (3) 3rd shift—105

After the take over of this colliery by the C. M. A. Ltd., the Colliery Mazdoor Sabha (AITUC), another Union operating amongst the workmen, demanded rotation of pickminers in shifts, as in that way all the Pickminers would get equal opportunity to work with equal environmental working condition. As in all other coalmines, pickminers were being employed by rotation in shifts, the statutory notice u/s.9A of the I. D. Act, 1947 was given by the management on 5-11-73 stating that all the miners/loaders should work on rotation in all the shifts. Such notice also mentioned names of the 58 workers involved in this case and were working in first shift all along, to rotate in all the shifts w.e.f. 28-11-73.

5. As the concerned 58 pickminers involved in this case, were members of Colliery Mazdoor Union (INTUC), the said Union raised an Industrial Dispute before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Raniganj, which culminated in an agreement referring this case to my arbitration.

6. I fixed the date of hearing on 6-8-74 & again on 17-9-74. The Union argued that the management could ask the concerned 58 pickminers for rotational booking if they were provided with quarters. Nevertheless, the Union requested for further adjournment anticipating that there might be some bi-partite settlement between the conending parties.

7. The arbitration agreement contained the stipulation that I should give my award within a period of 6(six) months from 15-2-1974 or within such further time as was extended by mutual agreement between the contending parties in writing.

8. In the meantime a few dates were fixed for hearing of the dispute and the period for giving my award was last extended for 2 months in writing singed by both the parties in a letter from 15-2-1975. Ultimately, the management in their letter dated 11-4-75 informed me that all the pickminers in Mahabir Colliery having been placed on timerate basis from piece-rate basis, the Colliery Mazdoor Union (INTUC) had agreed to rotational booking of all the pickminers including the 58 pickminers involved in this case. The Union also in its letter dated 14-4-75 informed me as follows :—

"Owing to certain changed circumstances I have agreed to the rotational booking of all the pickminers in Mahabir Cillery, including the 58 pickminers involved in the arbitration case for which you are the Arbitrator as notified in the Ministry of Labour Notification No. L-19013/1/74LR II dated 9-5-1974".

9. It was apparent while hearing the parties that it was convenient to work in the first shift (morning) for the pickminers to enable them to earn good wages on the basis of

piece-rate system and it was similarly difficult to earn the same wages in the night shift. As such the Union resisted rotational booking for 58 pickminers involved in this case. The management having agreed to put the pickminers from piece-rate basis to time-rate basis, the Colliery Mazdoor Union (INTUC) obviously did not have any further grievance with regard to the 58 Pickminers involved in this case and had been working all through in the first shift.

10. The Union in its above letter also indicated that I should not proceed further in the case. I, therefore, refrain from giving any Award in this case.

[No. B-3/500/1(1)/74]

N. K. BANERJEE, Asstt. Labour Commissioner

[No. L-19013/1/74-LR.II/D.O. 3(B)]

S. H. S. TYER, Section Officer

New Delhi, the 9th May, 1975

**S.O. 1635.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th May, 1975.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
AT CALCUTTA  
Reference No. 14 of 1974

PRESENT :

Shri E. K. Moidu—Presiding Officer

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners,

AND

Their Workmen

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Shri S. M. Banerjee, Labour Adviser and Industrial Relations Officer, with  
Shri S. P. Naha, Dy. Labour Adviser and Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen—Shri P. Biswas.

State : West Bengal

Indstry : Port & Dock.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by Order No. L-32012/1/74-P&D/CMT dated 7th October, 1974 referred an industrial dispute existing between the management of Calcutta Port Commissioners and their workmen for adjudication to this tribunal. The reference reads as follows :

"Whether the action of the management of Calcutta Port Commissioners in promoting Shri Bhadreswar Naskar in supersession of Shri Inul Haque in the Senior Shipwright section under Chief Mechanical Engineer is justified ? If not, to what relief Shri Inul Haque is entitled and from what date ?"

2. Both Bhadreswar Naskar and Inul Haque were temporary unskilled labourers working in the Senior Shipwright Section of the Chief Mechanical Engineer's Department of the Calcutta Port Commissioners which is now known as the Calcutta Port Trust. Bhadreswar Naskar was said to be first recruited through the employment exchange to work as a temporary unskilled labour on 16-2-1965 against a purely temporary vacancy. Similarly, Inul Haque was recruited in the said department on 25-5-1965 to work as a temporary

unskilled labour against a similar vacancy. The case of the management is that Bhadreswar Naskar was appointed against continuous appointment in the senior Shipwright section of Island Workshop of the Chief Mechanical Engineer's department with effect from 10-7-1967 and that similarly Inul Haque was appointed against a continuous appointment in the senior Shipwright section of the Island Workshop of the said department with effect from 2-1-67. Both the workmen, however, passed the trade-test held on 25-1-73 for promotion to the post of a Carpenter. So were qualified for promotion. Bhadreswar Naskar having been appointed for the first time on 16-2-65 was considered senior to Sri Inul Haque who was appointed only on 25-5-65 under the said department. Accordingly with effect from 12-3-73 Bhadreswar Naskar was promoted as a carpenter. It is the said promotion which is impugned by Inul Haque.

3. The case of the union which espoused the cause of Inul Haque is that he was appointed under the department as a casual labour first on 7-12-1964 when he served for three weeks and discharged but again he was re-employed in the same department as Casual worker on 4-1-65 when he worked for a period of one month and finally he was again re-appointed on 25-5-65. He was said to have been confirmed with effect from 1-8-1971 though Bhadreswar was confirmed with effect from 4-8-1972. So according to Inul Haque he should have been preferred for promotion as senior to Bhadreswar Naskar both on account of length of service in the department as well as on account of his earlier confirmation with effect from 1-8-1971. Reliance was also placed on the provisions of Seniority rules formulated by the department under circular letter No. 7354 dated 2nd June, 1958. It is alleged that the seniority of a man in a grade should be determined on the basis of total length of service in that grade or in the equivalent grade which according to him includes the entire period of employment including the casual employment. If the total length of service was counted in that manner Inul Haque claimed to be senior to Bhadreswar Naskar entitling him to the promotion to the post of Carpenter prior to Bhadreswar Naskar. Another clause of the said rule provides that when a man is confirmed in a grade, he becomes senior to all others who have not been confirmed in that grade for purpose of promotion. On these grounds he states that the promotion of Bhadreswar Naskar should be set aside and in his place he should be promoted.

4. In support of the case of Inul Haque who claims to have longer period of service in the department, he has examined himself in the case. His evidence was that he first joined the Calcutta Port on 7-12-1964 as a casual worker when he worked for three weeks. Again he was appointed on 4-1-1965 when he worked for a month. However, from 25-5-1965 he has been on temporary employment until he was confirmed on 1-8-1971. The oral evidence of Inul Haque does not carry any weight as regards the period of service prior to 25-5-1965. The service book issued to him shows that his first appointment was on 25-5-1965. The Service book is marked as Ext. W-8. It was issued to him on 17-1-1966. No objection had been raised by Inul Haque as regards the date of his first appointment. Except his word of mouth there was no other record or circumstances to show that he was on employment in the department prior to 25-5-1965. The department has produced the casual Employment Registers marked as Exts. M-3 and M-4. Ext. M-4 shows that Bhadreswar Naskar was first appointed on 16-2-1965 and Inul Haque on 25-5-1965. Exts. M13 and M-4 cover the period beginning from 18-1-1963. There is nothing in the registers to show that either in 1963 or in 1964 Inul Haque was employed as a temporary employee much less as casual employee. It is difficult to rely upon his oral testimony in support of his claim that he was a casual employee beginning from 7-12-1964. His claim cannot also be accepted in view of the award by Mr. Das Gupta in Reference No. 1 of 1956 in respect of Calcutta Port Trust employees under the Port Commissioners. Paragraph 27(a) of the said award states that promotion shall be unit-wise except where otherwise indicated. This rule has been enforced ever since the publication of the award on 30th June, 1958. There was no reliable evidence that Inul Haque was a casual labourer prior to 25-5-1965 under the Shipwright section of the Port Trust. However, even if he had worked as a casual labour, the period of his service in that capacity cannot be counted for the purpose of seniority as it does not indicate that he worked in the Shipwright section during the relevant period. In the result, the contention of Inul Haque that he was in service prior to 25-5-1965 cannot be accepted.

5. The next contention of Inul Haque is that his confirmation on 1-8-1971 has to be considered as a basis for the purpose of promotion as against the confirmation of Bhadreswar Naskar on 4-8-1972. This contention is based upon rule 2 of the Report of the Committee appointed to frame rules for determining seniority of the staff in the Chief Mechanical Engineer's department. The rule is contained in Circular letter No. 7354 dated 2nd June, 1958. It is marked as part of Ext. W-1. Paragraph 1 of the rule provides that the seniority of a man in a grade should be determined on the basis of total length of his service in that grade or in an equivalent grade. Rule 2 provides that whenever a man is confirmed in a trade, he becomes senior to all others who have not been confirmed in that grade for purpose of promotion. Reliance is also placed upon the award of 1958. Paragraph 27 in Issue No. VII-Avenues of Promotion for Class IV Employees, Sub-clause (a) and (k) (i) provides respectively that promotion shall be unitwise except where otherwise is indicated and that in a comparable grade (i.e. grades with similar scales of pay) from which promotion is provided to one higher grade, the date of confirmation in the grades shall be the determining factor. This contention of Inul Haque also cannot be accepted as it will be seen that for fixing the seniority of these two rival workmen, the department has taken into account only the continuous service in the department. Continuous service of Bhadreswar Naskar was said to commence on 10-7-67 and that of Inul Haque on 2-1-67. But while fixing the date of confirmation the department did not take into account the total length of service of each of these workmen. If that was taken into account Inul Haque would not have been confirmed with effect from 1-8-1971. The department had also assumed that the confirmation is based upon continuous period of service. There is no rule that for the purpose of fixing seniority continuous service alone shall be reckoned. So, the confirmation of Bhadreswar Naskar on 4-8-72 and that of Inul Haque on 1-8-71 based upon continuous service from 10-7-67 and 2-1-67 respectively cannot be regarded as valid. For fixing date of confirmation length of service in the grade should have been taken into account. In the absence of any specific rule that continuous service shall be the determining factor for fixation of the date of confirmation, the first rule which provided that the length of service shall be the determining factor for fixation of seniority has to be accepted. The confirmation of Inul Haque as on 1-8-71 will not, therefore, confer any statutory right over him to claim seniority above Bhadreswar Naskar. The department is, therefore, correct in giving promotion to Bhadreswar Naskar as against Inul Haque as the former was declared to be senior to the latter.

6. I find no reason to interfere with the order of seniority passed in favour of Bhadreswar Naskar by the department. In the result, the reference fails and rejected. Inul Haque is not entitled to any other relief under this reference except that he is the next recipient of promotion in his unit.

I passed an award accordingly.

E. K. MOIDU, Presiding Officer.  
Calcutta, the 30th April, 1975.

[No. L-32012/1/74-P&D/CMT/DIV(A)]

New Delhi, the 14th May, 1975

S.O. 1636.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1975.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

Reference No. CGIT-1 of 1973

Employers in relation to Bombay Port Trust, Bombay  
AND  
Their Workmen

## APPEARANCES:

For the Employers: Shri R. K. Shetty, Dy. Legal Adviser.

For the Workmen: Dr. S. Maitra, General Secretary, B.P.T. General Workers' Union.

Shri S. K. Shetye, General Secretary, B.P.T. Employees' Union.

INDUSTRY: Ports and Docks STATE: Maharashtra.  
Bombay, the 21st April, 1975

## AWARD

By Order No. L-31011/5/72-P&D dated 24-4-1973, the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in exercise of the powers conferred by clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the I.D. Act, 1947 referred to this Tribunal for adjudication "whether the demand that the 'B' and 'C' cadres of the engine room crews of the Port Department Flotilla should be integrated into a single cadre is justified? If so, what should be the inter-se seniority of the engine room crews borne on (i) the 'A' cadre and possessing the requisite diesel certificate, (ii) the 'B' cadre and (iii) the 'C' cadre, for the purposes of regulating transfer, posting, appointment or promotion to vacancies in the integrated cadre to be made after the award is given?"

2. The B.P.T. General Workers' Union in its written statement states that—

- (i) The merger of 'B' and 'C' cadres is necessary more for the efficient working of the department of the Deputy Conservator than anything else, and submits that :
- (ii) The 'B' and 'C' cadres of the Engine Room Crew of the Port Department Flotilla, should be integrated in a single cadre ;
- (b) For the purpose of regulating, transfer, posting, appointment or promotion to vacancies in the integrated cadre the following should be the guiding principles :—
  1. Those who are found working as Driver Gr. I, or Gr. II on 1-7-1973 should not be demoted or transferred from the vessel where they are working as a result of merger ;
  2. The persons working as Drivers Gr. I, or Gr. II, should be transferred to the Dock Flotilla when vacancies arise in the said flotilla according to their seniority ;
  3. Promotion to the posts of Driver Gr. I, in the merged cadre must be from amongst those working as Driver Gr. II on 1-7-1973 according to their seniority ;
  4. Promotion to the post of Driver Gr. II, in the merged cadre, should be according to service seniority from amongst Greasers holding required qualification ;
  5. Promotion to post of Greasers in the merged cadre must be from amongst the Cleaners on the basis of their date of first appointment to the post of Cleaner,

3. The B.P.T. Employees' Union in its written statement states that :—

(i) The Union has no objection to the merger of the B and C cadres of the engine-room crews of the Port Department Flotilla, provided there is no reversion or transfer of men in their respective categories be effected with any retrospective date and the merger of the cadres should be from the date the Award becomes enforceable.

(ii) The Union has no objection to inter se seniority after amalgamation to be fixed as suggested in para, 87 of the written statement of the Bombay Port Trust for the purpose of transfer, posting or promotion to the future vacancies.

(iii) The Union also agrees that the engine room crew of Pilot Vessel 'Venu' should be kept separate for the purpose of promotion, posting and transfer to temporary vacancies on account of the fact that Pilot Vessel has different working conditions.

4. The B.P.T. in its written statement-cum-rejoinder states that :—

(i) In the interests of administrative efficiency avoidance of wasteful expenditure and social justice, the merger of engine-room crew of the Port Department Flotilla is a must.

(ii) There should be merger of the engine-room crew of the Port Department Flotilla except that the engine room crew of the Pilot Vessel 'Venu', which should be kept separate for the purpose of promotion, posting and transfer to temporary vacancies on account of the fact that the engine room crew of the pilot vessel 'Venu' work on the basis of 12 hours on and 12 hours off. These differences in working hours between the m.p. 'Venu' which is treated on sea-going vessel and is always anchored at the entrance to the harbour, on the one hand and the other vessels in the 'A', 'B' and 'C' cadres on the other, create many difficulties in the matter of leave and acting arrangements and consequent transfers from other vessels to 'Venu' and vice versa. However, for the purpose of permanent promotions 'Venu' be considered as a part of the other diesel vessels.

(iii) For the purpose of integration of the engine room crew having certificates in the 'A' cadre and other engine room crew of the 'B' and 'C' cadres, for determining their inter-se seniority, the following guidelines for the consideration of this Tribunal are suggested.—

The inter-se seniority of the men in 'B' and 'C' cadres may be fixed on the basis of the date of promotion to the post which is held by them prior to the date of merging, either substantively or provisionally ;

If the date of promotion of any two or more employees in the substantive or provisional post, held by them happens to be the same, their seniority will be decided on the basis of length of continuous service. If in case of any two or more employees date of promotion to the substantive post and the length of service are both identical, their seniority will be decided on the basis of their dates of birth.

The suggestion of the Union that those who are found working as Drivers Grade I or II on 1-7-1973 should not be demoted or transferred from the vessels they are working as a result of merger, is not acceptable. The suggestion of the Union meant that even after the merger of 'B' and 'C' cadres takes place and the inter-se seniority of Drivers Grade I and Grade II in the integrated cadre, is fixed on the basis of certain principles considered just and fair by this Industrial Tribunal, the Employers will not be in a position to reshuffle the men in the cadres of Drivers Grade I and Grade II. In this connection it is to be pointed out that the persons working on the dock tugs and launches attached to the Dock Flotilla, are entitled to higher monetary benefits by way of Caisson Allowance whereas persons of the same cadres working on the Harbour tugs and crafts attached to the

Harbour Flotilla, are not entitled to the monetary benefit of Caisson Allowance. It is the normal practice in the Port Department to post senior men on vessels where more monetary benefits are available. Therefore, in fairness to the senior employees and having regard to the existing practice in the said Department, there should be reshuffling of men according to their seniority so that senior men would get extra monetary benefits by way of Caisson Allowance while working on crafts belonging to the Dock Flotilla. Therefore, the above suggestion of the Union is liable to be rejected by this Tribunal.

- (v) The members of the engine room crew including drivers Grade I and Grade II, after the merger and after the Award in this Reference becomes enforceable, are liable to be transferred to Dock Flotilla, if they are senior to their counterparts in the Harbour Flotilla, since it is the practice to post senior men on crafts and places where they have chances of earning additional special allowance viz., Caisson Allowance.
- (vi) It has no objection to the suggestion made by the B.P.T. General Worker's Union in para 2(b)(3) to (5) above.
- (vii) Continuation of separate cadres as at present would only perpetuate discrimination in promotional opportunities in the Port Trust to employees who are otherwise having identical service conditions. Hence it is rational and logical to bring about merger and fix inter-se seniority of workmen covered by the Terms of Reference.
- (viii) The directions that this Tribunal will give, may kindly be given effect only from the date on which the Award will become enforceable or any date thereafter having regard to the Terms of Reference and to avoid any monetary claims by the employees with retrospective effect.

5. Parties have not led any oral evidence before this Tribunal.

6. The first point for consideration is whether the demand that the 'B' and 'C' cadres of the engine room crews of the Port Department Flotilla should be integrated into a single cadre is justified.

7. The B.P.T. General Workers Union in its written statement says that the merger of 'B' and 'C' cadres is necessary for the efficient working of the department of the Deputy Conservator. The management concedes that in the interest of administrative efficiency, avoidance of wasteful expenditure and social justice, the merger of engine room crew of the Port Department Flotilla is a must. The B.P.T. Employees Union in its written statement submits that it has no objection to the merger of the B and C cadres of the engine-room crews of the Port Department Flotilla. However, this Union pleads that no reversion or transfer of men in their respective categories be effected with any retrospective date and it should be from the date the Award becomes enforceable. I am also of the view that for smooth and efficient working of the Port Department Flotilla integration of the 'B' and 'C' cadres is necessary, which appears to be the only remedy to obviate all future difficulties. The integration of the two groups of employees having similar duties, responsibilities and same conditions of service will lead to greater harmony and industrial peace. This integration in my opinion will not adversely affect the legitimate rights of any employee but on the contrary it will provide equal and equitable opportunities to all the workers for higher promotions. I am fully convinced that the demand and the 'B' and 'C' cadres of the engine room crews of the Port Department Flotilla should be integrated into a single cadre is justified. This issue is answered accordingly.

8. The second issue in the reference is what should be the inter-se seniority of the engine room crews borne on (i) the 'A' Cadre and possessing the requisite diesel certificate (ii) the 'B' cadre and (iii) the 'C' cadre for the purpose of regulating transfer, posting, appointment promotion to vacancies in the integrated cadre to be made after the award is given.

9. It appears from the statement filed by the B.P.T. General Workers' Union, which is not contradicted by the other parties the various categories of Engine-Room crew of Port Department Flotilla and their scales are as follows:—

#### 'A' Cadre

Eng. Driver 1st Gr.	Rs. 246-354
Eng. Driver 2nd Gr.	Rs. 214-280
Eng. Driver 3rd Gr.	Rs. 180-246
Driver Jr.	Rs. 166-225
Tindle of Stokers	Rs. 150-190
Greasers	Rs. 115-160
Stokers	Rs. 160

#### 'B' Cadre

Engineer-in-charge	Rs. 340-510
M. E. Driver 1st Gr.	Rs. 246-354
M. E. Driver 2nd Gr.	Rs. 214-280
Greaser	Rs. 115-160
Cleaner	Rs. 110-147

#### 'C' Cadre

M. E. Driver 1st Gr.	Rs. 246-354
M. E. Driver 2nd Gr.	Rs. 214-280
Greaser & Winchman	Rs. 150-190
Greaser	Rs. 115-160
Cleaner	Rs. 110-147
M. E. Driver 1st Gr. (P. V.)	Rs. 246-402
M. E. Driver 2nd Gr. (P. V.)	Rs. 214-320
Greaser (Pilot Vessel)	Rs. 150-190
Cleaner (Pilot Vessel)	Rs. 115-160

10. This table will show that the scales of pay of engine room crew of port Department Flotilla in 'A', 'B' and 'C' cadres except the engine room crew of pilot vessel are almost similar. There is no controversy that in engine room crew of the Port Department Flotilla the post of Engineer-in-charge is the highest post to which the employees can aspire. Many of the employees having longer service must have been promoted and may be acting as Motor Engine Driver Grade I also. I am of the opinion the Inter-se seniority of the men in 'A', 'B' and 'C' cadres should be fixed on the basis of the date of promotion to the post which is held by them prior to the date of merger, either substantively or provisionally and if the date of promotion of any two or more employees in the substantive or provisional post, held by them happens to be the same, their seniority shall be decided on the basis of length of continuous service and in case the length of service are both identical, their seniority shall be decided on the basis of their date of birth and in case of direct recruits the date of first appointment and if the dates of appointments of two or more employees are identical, their seniority shall be decided on the basis of date of birth.

11. It was stated by the employers that the Engine Room Crew of the Pilot Vessel 'Venu' should be kept separate for the purpose of promotion, posting and transfer to temporary vacancies on account of the fact that the Engine Room Crew of the pilot Vessel 'Venu' work on the basis of 12 hours on and 12 hours off. These differences in working hours between the m.p. 'Venu' which is treated as a sea-going vessel and is always anchored at the entrance to the harbour, on the one hand and other vessels in the 'A', 'B' and 'C' cadres on the other create many difficulties in the matter of leave and acting arrangements and consequent transfers from other vessels to 'Venu' and vice-versa, and for the purpose of permanent promotions 'Venu' be considered as a part of the other diesel vessel. The B.P.T. Employees' Union has said in the rejoinder to the written statement of claim that it agrees that the engine room crew of Pilot vessel 'Venu' should be kept separate for the purpose of promotion, posting and transfer to temporary vacancies on account of the fact that the Pilot Vessel has different working conditions. The B.P.T. General Workers' Union in its petition assert that the engine room crew of Pilot Vessel 'Venu' work under a system of 24 hours on and 24 hours off and therefore for temporary posting on the Pilot Vessel, it will not be proper or possible to observe joint seniority with the other Engine Room Crew of the Deputy Conservator's Flotilla and concurs with the views of the Port Trust Administration.

In view of the submissions made by the parties I agree that the Engine Room Crew of the Pitot Vessel 'Venu' should be kept separate for the purpose of promotion, posting and transfer to temporary vacancies, but for the purpose of permanent promotions 'Venu' should be considered as part of other vessels.

12. The B.P.T. General Workers' Union has put forward the claim that the persons working as Drivers Gr. I or Gr. II should be transferred to the Dock Flotilla when vacancies arise in the said Flotilla according to their seniority. The Bombay Port Trust in its written statement adopt the view that the Drivers grade I and II after the merger and after the Award in this reference becomes enforceable, are liable to be transferred to Dock Flotilla, if they are senior to their counterparts in the Harbour Flotilla, since it is the practice to post senior men on crafts and places where they have chances of earning additional special allowance viz., Caisson Allowance. I am inclined to agree with the Bombay Port Trust submission made in its written statement that Driver Grade I and II after the merger should be transferred to Dock Flotilla, if they are senior to their counterparts in the Harbour Flotilla. Issue No. 2 is answered accordingly. It should be made clear that the principles enunciated for fixing the inter-se seniority of 'A', 'B' and 'C' cadres for the purposes of regulating transfer, posting, appointment or promotion to vacancies in the integrated cadre to be made after the award is given shall be effective from the date of this Award. Award is made accordingly. No order as to costs.

B. RAMILAL KISHEN, Presiding Officer  
[L-31011/5/72-P&D/CMT/DIV(A)]

New Delhi, the 14th May, 1975

**S.O. 1637.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 13th May, 1975.

#### CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 8 of 1975

Employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners.

AND

Their workmen

#### APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Shri S. M. Banerjee, Labour Adviser and Industrial Relations Officer, with Shri S. P. Naha, Deputy Labour Adviser and Industrial Relations Officer.

On behalf of Workmen.—Shri P. Biswas, with Shri A. L. Roy.

State : West Bengal

Industry : Port & Dock.

#### AWARD

By Order No. L-32012/7/73-PD/CMT/D. IVA dated 21st January, 1975, the Government of India, Ministry of Labour, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Calcutta Port Commissioners, Calcutta and their workmen, to this tribunal for adjudication. The reference reads as follows :—

"Having regard to circular No. 7354 dated 2nd June, 1958 issued by the Secretary, Calcutta Port Commissioners for determination of the seniority and promotion of staff, whether the management of Calcutta Port Commissioners is justified in promoting Shri Hakim to the post of a Diesel Engine Driver in supersession of the claim of Shri Ram Badan Ahir, an unskilled labour in the Senior Shipwright Section under Chief Mechanical Engineer. If not, to what relief is Shri Ram Badan Ahir entitled and from what date?"

2. The rival workmen in this case are one Ram Badan Ahir and one Hakim. Admittedly they entered the service of the Port Commissioners as unskilled labourer and continued to serve in that capacity until Hakim was promoted as Diesel Engine Driver on 15-9-73 and Ram Badan Ahir on 28-8-74. The Calcutta Port Commissioners Workers Union who espoused the cause of Ram Badan Ahir stated that the promotion of Hakim on 15-9-73 is not valid as Ram Badan Ahir was senior to him on the date of promotion. The union states in their written statement that Ram Badan Ahir was employed first on 8-10-64 in the department of Controller of Stores and after having served there for some time he was retrenched but was again re-employed on 17-11-64 in another section of the Chief Mechanical Engineers Department where he continued to serve until he was temporarily employed with effect from 14-5-66. The rival workman Hakim was said to have been employed only on 14-5-66 though both were confirmed in service with effect from 1-8-1971. The union further states that the length of service of Ram Badan Ahir was not considered either for fixing the date of confirmation or giving him promotion. His right of promotion is said to be governed by the departmental Circular No. 7354 dated 2nd June, 1958 which provides among other things that the total length of service in a grade is the basis on which the seniority shall be determined. It is also contended that Ram Badan Ahir being older in age should have been preferred to Hakim in the matter of promotion. The union allege that the promotion granted to Hakim should be set aside and Ram Badan Ahir should be promoted with effect from 15-9-73.

3. The Port Commissioners which is now known as Calcutta Port Trust in their written statement allege that the allegations made by the union as regards the appointment of the two workmen are not correct. According to them Shri Ram Badan Ahir joined in the Shipwright section against a regular vacancy of unskilled labour only on 13-11-67 whereas Hakim joined the same section on 11-11-67 as unskilled labour. However, both of them were subsequently confirmed in service in the Shipwright section with effect from 1-8-71. The Port Trust further allege that prior to the appointment against a regular vacancy in the Shipwright section Ram Badan Ahir worked against purely temporary leave vacancies from 14-5-66 to 23-12-66 and again from 3-1-67 to 5-10-67. Hakim is alleged to have worked from 14-5-66 to 7-8-66 and again from 2-1-66 to 21-9-67 against purely temporary vacancies as in the case of Ram Badan Ahir. It is further contended that the vacancy in the post of a Diesel Engine Driver occurred in the Shipwright section could be filled up only if Ram Badan Ahir and Hakim had passed the requisite test. After passing the test by both the workmen Hakim was promoted to the post of Diesel Engine driver with effect from 15-9-73, as he was considered to be senior to Ram Badan Ahir in view of the fact that he was appointed as an unskilled labour in the Shipwright section with effect from 11-11-67, whereas Ram Badan Ahir was appointed on 13-11-67, both of them having been confirmed in service with effect from 1-8-71. It is stated that the promotion of Hakim was consistent with the rules and length of service followed by long practice in Calcutta Port Commissioners.

4. The first of the contentions of Ram Badan Ahir is that he was employed with effect from 8-10-64 in the department of Controller of Stores and that he worked in that capacity for about two and half months. We have to examine whether this contention of Ram Badan Ahir is correct. In support of this contention Ram Badan Ahir examined himself as a witness though in the written statement of the union the allegation was that he was first employed on 8-10-64 in the evidence he shifted his date of employment as in July-August, 1964. In support of the allegation that he was first appointed in July-August, 1964, there was only his sole oral testimony. The management, however, have relied upon Ext. M-9, Master Roll Register which was maintained for the period from February to November, 1964. The name of Ram Badan Ahir does not find a place anywhere in the register as an employee of the department of Controller of Stores. This register is filed by the controller of Stores with a Certificate, Ext. M-8. Which states that Ram Badan Ahir never worked either as temporary or a casual workman from 8-10-64 for two and half months in Stores Department. In counter oral evidence on behalf of the management by Shri Sunil Kumar Nandy, Assistant Labour Officer would also indicate that during the period (July-August 1964) Ram Badan Ahir was never an employee either casual or temporary in the department of Controller of

Stores. In the absence of any other satisfactory evidence it would be difficult to accept the oral testimony of Ram Badan Ahir for establishing that his first appointment was in July-August, 1964 in the department of Controller of Stores.

5. The next contention of Ram Badan Ahir was that he was re-employed on 17-11-64 in another section of the Chief Machnical Engineers department and he worked in that capacity. In support of that contention he has placed reliance upon a Card Ext. W-1, which was alleged to have been issued by the Employment Exchange, a department of the Government of West Bengal. The Card show that the registration No. of one Ram Badan was Z/14123/64, the date of registration being 9-10-64. The card by itself is no evidence to show that it was issued to Ram Badan Ahir unless it was supported by some other trustworthy evidence. Any way, this card was sought to be connected with an entry at page 5 of Ext. M-1 which is the register of Casual employees maintained by the Port Trust Item 34 at page 5 of the said register describes a person by the name of Ram Badan Ahir. The relevant registration No. Z/14123/64 is found recorded below the name of Ram Badan Ahir at page 5. But there is no explanation forthcoming as to whether the identity of the person mentioned in Ext. W-1 was the same person described in Ext. M-1. The fathers name in Ext. M-1 written as Rami Hari Ahir but in the Service Book issued to Ram Badan Ahir, marked as Ext. W-2, his father's name is written as Bekhari Ahir. In his deposition he was given his fathers name as Bhikhari Ahir. The discrepancy as to the father's name has not been explained. Similarly, his distinct identification mark as recorded in Ext. W-2, Service book, differs from the identification mark described at page 5 of Ext. M-1. The identification mark in Ext. W-2 is "scar on the right thigh". The witness had pointed out a scar mark on his thigh during his examination in Court. But we find at page 5 of Ext. M-1 the identification mark written against the name is "cut mark" on left hand finger. A cut mark ordinarily will leave a depression on the finger but instead there is only a flat amount of his left finger. These discrepancies between Exts. W-2 and M-1 have not been explained. It is difficult therefore to hold that during the relevant period Ram Badan Ahir had been appointed as an unskilled labourer in the concerned department. It is admitted in his evidence that he was employed only as a casual labour with effect from 17-11-64. The definite case of the union in paragraph 5 of the written statement is that the service record of casual labour is maintained in the respective departments they served and that for the casual employment no service-book is issued to the workman concerned and a service-book was issued to the workman only when he was re-employed to the category of a temporary worker and the period of employment thereafter would be entered in the service book. So, this is a circumstance to show that the casual employment in effect was not the same as that of temporary employment. The evidence of the management's witness will indicate that some workmen used to be employed on casual basis and their service were not taken into account either for confirmation or for promotion. This is also clear from a later settlement between the Calcutta Port Shramik Union and the management in 1971. That agreement has been marked as Ext. M-7. There was no claim by the workmen even at that time for the casual labour to be reckoned for the purpose of either confirmation or for promotion. The workman has failed to make out that he had been a casual labour with effect from 17-11-64. Even if he was appointed as a casual labour with effect from 17-11-1964 it can not be said that his period of employment as casual labour can be reckoned for fixing the confirmation much less seniority.

6. Having found that Ram Badan Ahir was not employed as a temporary workman of the Port Trust either with effect from July-August, 1964 or from 17-11-64, he cannot claim his length of service in the department from those dates. It is however admitted that the date of first appointment of Ram Badan Ahir as well as of Hakim was 14-5-66. On this question the management has put-forward a contention that the period of broken service between 14-5-66 up to 13-11-67 in the case of Ram Badan Ahir and that of Hakim from 14-5-66 to 11-11-67 could not be taken into account for fixing their date of confirmation. The management therefore sought to fix a date for the appointment of Ram Badan Ahir with effect from 13-11-67 and that of Hakim with effect from 11-11-67 in the Shipwright section of the Chief Mechanical Engineer's department. There is no ground to hold that the period of broken service of these two workmen should be ignored in fixing the date of confirmation or seniority. The management has confirmed both the work-

men in service with effect from 1-8-71. If the continuous service of Hakim had been on 11-11-67 there was no grounds to fix the date of confirmation with effect from 1-8-71. The fact that the date of confirmation of both the workmen was fixed with effect from 1-8-71 was an indication that the management had taken into account the date of their first appointment as on 14-5-66. It is also relevant in this connection to point out that in the Service book issued to Ram Badan Ahir and marked Ext. W-2, the date of appointment is shown as 14-5-66. It is admitted that for the purpose of promotion the department was following the Circular No. 7354 dated 2nd June, 1958. These rules are marked in this case as Ext. W-3 (a) and they do not show that the seniority of a man in a grade should be determined on the basis of continuous service. On the contrary rule 1 provides that the seniority of a man in a grade should be determined on the basis of total length of service in that grade or in an equivalent grade. This is an indication that the entire total length of service should be taken into consideration irrespective of the fact that the service was temporary or not. The department had given the impression to Ram Badan Ahir by issuing Ext. W-2 the Service Book that his first appointment was on 14-5-66. It is relevant in this case to point out that in a similar fixation of date of confirmation as well as the seniority in Reference No. 14 of 1974 of this Tribunal the department took into account the period of temporary service as well as for fixing the date of confirmation and seniority. The department cannot blow hot and cold at the same time. They cannot have on consideration in respect of one set of workmen and a different consideration in the case of another set of workmen. The period of temporary employment has therefore to be included in the total length of service for fixation of the date of confirmation. However, in this case there is no difficulty in accepting the date of confirmation as on 1-8-71 in the case of both the workmen since both of them entered service on the same date as on 14-5-66. Having fixed the date of confirmation as on 1-8-71 in the case of both the workmen, the next step is to fix their seniority inter se.

7. In this regard, the management did not consider the provisions of the Rule referred to above. For the purpose of clear understanding Rule (vi) (a) and (b) are quoted hereunder :—

"(vi) (a) : In Selection Grade posts, when two or more men have been appointed on the same date, in the same scale, their inter-seniority should be fixed on the basis of merits determined at the time of selection. When however all of them are found to be of equal merits and no differentiation between them can be made, their seniority should be arranged in order of the age".

(b) In other post when two or more men have been appointed on the same date in the same scale, seniority should be regulated on the basis of merits as determined at the time of recruitment. When other things are equal, the man who is senior in age should be treated as senior for purpose of promotion.

Note—\*\*\*

It is admitted in this case that both Ram Badan Ahir and Hakim passed the requisite test for promotion as Diesel Engine driver. It is also admitted that on 15-9-73 Hakim was promoted in preference to Ram Badan Ahir though after the controversy had arisen in this case Ram Badan Ahir was also promoted on 28-8-1974. The reference was dated 21st January, 1975. The rule quoted above provides that when two or more persons have been appointed on the same date and on the same scale seniority should be recorded on the basis of merit as determined at the time of recruitment. It is further provided that when other things are equal the man who is senior in age should be treated as senior for the purpose of promotion. Promotion of Hakim in this case should have therefore been dealt with under Rule (vi) above. The management had no occasion to consider the scope of this rule after it has been found that both the workmen entered service on 25-5-1966 and that both were confirmed on 1-8-71. It is relevant to point out that generally speaking promotion is a managemental function. However, if there was victimisation or mala fide the tribunal can interfere in the matter. There was no allegation much less evidence in the case to hold that there had been any mala fides or victimisation in the case against Ram Badan Ahir. So, the promotion of Hakim can-

not be interfered with on the ground of malafides or victimisation. It is however relevant to point out that the management should have considered the purport of Rule (vi) in making the promotion. It has been pointed out by me that promotion as generally the managerial function. The discretion is vested in the management in ascertaining whether the seniority should be regulated in this case on the basis of merit as determined at the time of selection. The Tribunal cannot substitute its discretion in place where it is to be exercised by the management. It is also open to the management to consider, other things being equal, the man who is elder in age should be treated as senior for the purpose of promotion. The management did not consider this aspect of the question. I do not propose to make any remark as to the relevant merits of both the workmen or as to their suitability for promotion. There is no material before me to ascertain whether all other things are equal in the case of these two workmen. It is for the management to consider the relative merits of the two workmen for fixing the seniority inter se. The promotion of Hakim, however, need not be set aside in the circumstances of the case, though the management is bound to consider the scope and effect of Rule (vi) (a) and (b) of the rules in fixing inter se seniority. The management of fixation of inter se seniority will consider next whether Hakim or Ram Badan Ahir shall be promoted first with effect from 15-9-1973. Neither Hakim nor Ram Badan Ahir will in any way be affected monetarily even if ultimately the promotion of Hakim is interfered with on fixing inter se seniority.

8. In the result, the promotion of Hakim is made provisional subject to the decision by the management in the light of the provisions of Rule (vi) (a) and (b) of the rules referred to above as regards merits and qualifications of both the workmen and fixation of inter se seniority between them without, however, interfering with the monetary benefits which are likely to accrue from any order to be passed by the management in future.

The award is passed in the light of above observation.

Sd/-

E. K. MOIDU, Presiding Officer

Dated, Calcutta, the 1st May, 1975

[No. L-32012/7/73-P&D/CMT/DIV(A)]

NAND LAL, Section Officer (Spl.)

नई दिल्ली, 9 मई 1975

का० आ० 1638.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 14 वा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 17 अक्टूबर, 1973 में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 548(अ) तारीख 16 अक्टूबर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, अनुसूची में मद 1, 6 और 13 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“1. आनंद प्रदेश राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का यानम क्षेत्र।

6. केरल राज्य, लक्ष्मीपुर संघ राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का माहे क्षेत्र।

13. तामिलनाडु राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र उस संघ राज्य क्षेत्र के माहे तथा यानम क्षेत्रों की छोड़ कर”

[सं० एस० 35013(2)/74 पी० एफ० 2]

New Delhi, the 9th May, 1975

**S.O. 1638.**—In exercise of the powers conferred by section 14B of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952, (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 548(E) dated the 16th October, 1973 published in Part II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary dated the 17th October, 1973, namely :—

In the said notification, in the Schedule, for items 1, 6 and 13, the following items shall be substituted, namely :—

1. The State of Andhra Pradesh and the Yanam area of the Union territory of Pondicherry,
6. The State of Kerala, the Union territory of Lakshadweep and the Mahe area of the Union territory of Pondicherry,
13. The State of Tamil Nadu and the Union territory of Pondicherry except the Mahe and Yanam areas of that Union territory”.

[No. S. 35013(2)/74-PF. II]

का० आ० 1639.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 14 के ग, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 17 अक्टूबर, 1973 में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 549(अ) तारीख 16 अक्टूबर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, अनुसूची में, मद 1, 6 और 13 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“1. आनंद प्रदेश राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का यानम क्षेत्र।

6. केरल राज्य, लक्ष्मीपुर संघ राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का माहे क्षेत्र।

13. तामिलनाडु राज्य और पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के माहे तथा यानम क्षेत्रों की छोड़ कर”

[सं० एस० 35013 (2)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 1639.**—In exercise of the powers conferred by section 14AC of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S. O. 549(E) dated the 16th October, 1973 published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary dated the 17th October, 1973 namely :—

In the said notification, in the Schedule, for items 1, 6 and 13, the following items shall be substituted, namely :—

1. The State of Andhra Pradesh and the Yanam area of the Union territory of Pondicherry,
6. The State of Kerala, the Union territory of Lakshadweep and the Mahe area of the Union territory of Pondicherry,
13. The State of Tamil Nadu and the Union territory of Pondicherry except the Mahe and Yanam areas of the Union territory”.

[No. S-35013(2)/74-PF. II]

नई दिल्ली, 15 मई, 1975

का० आ० 1640.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबन्ध विवर में आवश्यक जांच करने के पश्चात् वैसर्स संजाली ट्रेडिंग कार्पोरेशन, 234, जैगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, 510, भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-2 नामक स्थापन की 1974 की अप्रैल के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एस० 35018/13/75-पी० एफ० 2 (II)]

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1640.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1974 the establishment known as Messrs Sanjali Trading Corporation, 234, Jaigopal Industrial Estate, 510, Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/13/75-PF. II(ii)]

**का०आ० 1641.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थांगमानी प्रिंटिंग कार्पोरेशन, 234 जैगोपाल हॉस्टिल स्टेट, 510 भवानी शंकर रोड, दादर अम्बर-28 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना, 1975 की अप्रैल, के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35018(13)75-पी०एफ० II(i)]

**S.O. 1641.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanjali Trading Corporation, 234, Jaigopal Industrial Estate, 510, Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1974.

[No. S-35018(13)/75-PF. II(i)]

**का०आ० 1642.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबन्ध विषय में आवृत्त जांच करने के पश्चात् सितम्बर, 1974 के प्रथम विन से थांगमानी प्रिंटिंग इन्क बर्स, शिवकासी, रामनाद नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(219)/74-पी०एफ०2(ii)]

**S.O. 1642.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of September, 1974, the establishment known as Messrs Thangamani Printing Ink Works, Sivakasi, Rammnad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(219)/74-PF. II(ii)]

**का०आ० 1643.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स थांगमानी प्रिंटिंग इन्क बर्स, शिवकासी, रामनाद नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(219)/74-पी०एफ०2(i)]

**S.O. 1643.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Thangamani Printing Ink Works, Sivakasi, Rammnad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1974.

[No. S-35019(219)/74-PF. II(i)]

**का०आ० 1644.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबन्ध विषय में आवृत्त जांच करने के पश्चात् 30 अप्रैल, 1972 से मैसर्स एवेलान फास्नसे प्राइवेट लिमिटेड, यूनिटी बिल्डिंग दूसरी मंजिल, जे०सी० रोड, बंगलौर, जिसके अन्तर्गत 11/4 माइल, ओल्ड मद्रास रोड, एकालाहाली, बंगलौर, 49 स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस०-35019(5)/74-पी०एफ०2(ii)]

**S.O. 1644.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 30th day of April, 1972 the establishment known as Messrs Avalon Fasteners Private Limited, Unity Building 11nd Floor J.C. Road, Bangalore including its Branch at 11/4th Mile, Old Madras Road, Avalahalli, Bangalore-49 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(5)/74-PF. II(ii)]

**का०आ० 1645.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एवेलान फास्नसे (प्राइवेट) लिमिटेड, यूनिटी बिल्डिंग, 11/4 माइल, ओल्ड मद्रास रोड, एकालाहाली, बंगलौर स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से संबन्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है

कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने आहिए ;

अतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना, 1972 की अप्रैल, के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं.एस. 35019(5)/74-पी०एफ०२(i)]

**S.O. 1645.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Avalon Fasteners (Private) Limited, Unity Building, 11nd Floor, L.C. Road, Bangalore including its Branch at 11/4th Mile, Old Madras Road, Avalahalli, Bangalore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1972.

[No. S. 35019(5)/74-PF. II(i)]

**का० प्रा० 1646.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबंधी विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 मार्च, 1974 से, मैसर्स चिन्था प्रिंटिंग एंड प्रिलिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, पारेपारम्बू रोड, कालूर कोचीन 17 नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस. 35019(221)/74-पी०एफ०२(ii)]

**S.O. 1646.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of March, 1974, the establishment known as Messrs Chinttha Printing and Publishing Company, (Private) Limited, Pareparambu Road, Kaloor Cochin-17 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(221)/74-PF. II(ii)]

**का० प्रा० 1647.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चिन्था प्रिंटिंग एंड प्रिलिंग कम्पनी, (प्राइवेट) लिमिटेड, पारेपारम्बू रोड, कालूर, कोचीन-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की यहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करिए।

अतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं.एस. 35019(221)/74-पी०एफ०२(i)]

**S.O. 1647.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chinttha Printing and Publishing Company (Private) Limited, Pareparambu Road, Kaloor, Cochin-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S-35019(221)/74-PF. II(i)]

**का० प्रा० 1648.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चिन्था प्रिंटिंग डाक्यूमेंट, कोम्पोजेक्ट, जयपुर रोड, कटक, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की यहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करिए।

अतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं.एस. 35019(4)/75-पी०एफ०२(i)]

**S.O. 1648.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ferro Chrome Plant P.O. Ferro Chrome Project, Jaipur Road, Cuttack, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day January, 1974.

[No. S. 35019(4)/75-PF. II(i)]

**का० प्रा० 1649.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 जनवरी, 1974 से मैसर्स फेरो च्रोम डाक्यूमेंट, जयपुर रोड, कटक नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं.एस. 35019(4)/75-पी०एफ०२(ii)]

**S.O. 1649.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1974, the establishment known as Messrs Ferro Chrome Plant, P.O. Ferro Chrome Project, Jaipur Road, Cuttack, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(4)/75-PF. II(ii)]

**का० प्रा० 1650.**—कर्मचारी भविष्य निधि श्री कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसर्स शिवकाशी इण्डस्ट्रियल कॉ-ऑपरेटिव बर्क्स लिमिटेड, नम्बर शाह०एन०डी० 718, थीरधंगल रोड, शिव काशी, रामनाथ, नामक स्थापन को 1 अगस्त, 1974 से उक्त परत्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एस०-35019(208)/74-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 1650.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st August, 1974, the establishment known as Messrs Sivakasi Industrial Co-operative printing Works Limited, Number Ind. 718, Thiruthangal Road, Sivakasi, Ramnad for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(208)/74-PF. II(ii)]

**का० प्रा० 1651—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दी पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड, बी-45-47, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्री कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(3)/75पी० एफ० II]

**S.O. 1651.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs the Punjab National Bank Limited, B/45-47, Connaught Place, New Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the day of April, 1972.

[No. S-35019(3)/75-PF. II]

**का० प्रा० 1652—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुमीत इण्डस्ट्रीज, ओल्ड गढ़ रोड, हायुड, जिला मेरठ स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्री कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

प्रतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के मार्च के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(150)/74-पी०एफ० (ii)]

**S.O. 1652.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Summit Industries, Old Garh Road, Hapur, District Meerut, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S-35019(150)/74-PF. II]

**का० प्रा० 1653—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिव काशी इण्डस्ट्रियल कॉ-ऑपरेटिव बर्क्स लिमिटेड, न० शाह०एन०डी० 718, थीरधंगल रोड, शिवकाशी, रामनाथ, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्री कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के प्रगत के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(208)/74-पी०एफ० 2(i)]

प्रसन्न चन्द्रा, अधिकारी,

**S.O. 1653.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sivakasi Industrial Co-operative Printing Works Limited, Number Ind. 718, Thiruthangal Road, Sivakasi, Ramnad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1974.

[No. S-35019/208/74-PF. II(i)]  
PARSAN CHANDRA, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975  
आवेदन

**का० ३० १६५४**—यह केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में ईंडियन एयर लाइन्स, मद्रास के प्रबन्धतांत्र से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक विवाद विद्यमान है;

और यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को व्यानिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः अब, ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 के और धारा 10 की उपधारा (1) के लाज (a) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक ग्रौथोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी थिरु टी. पालानी-श्रीपन होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद की उक्त अधिकरण को व्यानिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या ईंडियन एयर लाइन्स, मद्रास का, निम्नलिखित सभी कर्मकारों द्वारा इसमें से किसी को जो उनके द्वारा नियमित, आकस्मिक/दैनिक दर के प्राधार पर नियुक्त किए गए थे, 23-11-1973 से छुटकार करना व्यायोमित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुसूची के और किस तारीख से हकदार है?

1. श्री डी० अरमुक्तम
2. श्री एम० साम०
3. श्री पी० एम० मथाई
4. एस० बालासुब्रामण्यम
5. श्री आर० सामराज
6. श्री बी० गंगाधरण
7. श्री एन० परमानंदम
8. श्री एस० एडवर्ड
9. श्री एस० सम्पथ
10. श्री पी० सुन्दरराजन
11. श्री पी० गोविन्द स्वामी
12. श्री आर० घरधन
13. श्री के० ऎलुमलाई
14. श्री पी० पी० बाबू
15. श्री जी० कोंडिभाहू
16. श्री एम० मनीराज
17. श्री के० दिक्करम
18. श्री सी० सी० राजामनी
19. श्री बी० के० विजयन उम्मी
20. श्री बी० थिल्लनाथ
21. श्री एन० मनी

22. श्री जे० लाजारस
23. श्री सी० पोलियाहू
24. श्री एम० के० दामोदरन
25. श्री के० दयानन
26. श्री आर० भंगाडैरे
27. श्री एन० प्रसादन नायर
28. श्री ए० डोरैराज
29. श्री एस० सुन्दरमूर्ति
30. श्री बी० सुन्दरमूर्ति
31. श्री के० अहमद अली
32. श्री पी० गोविन्दन
33. श्री बी० वैद्यनाथन
34. श्री पी० सुकुमारन
35. श्री एल० सुसेईराज

[संख्या एल० 11011(17) / 74-एन० आर०-3 दी ०२(बी)]

New Delhi, the 11th April, 1975

#### ORDER

**S.O. 1654.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Madras and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule, hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Thiru T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the Indian Airlines, Madras, is justified in denying employment from 23-11-1973 to all or any of the undermentioned workmen who were appointed by them on regular casual/daily rate basis? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date?

1. Shri D. Arumugham.
2. Shri M. Sam.
3. Shri P. S. Mathai.
4. Shri S. Balasubramanian.
5. Shri R. Samraj.
6. Shri V. Gangadharan.
7. Shri N. Paramanandam.
8. Shri S. Edward.
9. Shri S. Sampath.
10. Shri P. Sundararajan.
11. Shri P. Govindaswamy.
12. Shri R. Varadhan.
13. Shri K. Elumalai.
14. Shri P. P. Babu.
15. Shri G. Kondiah.
16. Shri M. Maniraj.
17. Shri K. Dikkram.

18. Shri C. C. Rajamani.
19. Shri V. K. Vijayan Unni.
20. Shri B. Thirunath.
21. Shri N. Mani.
22. Shri J. Lazaras.
23. Shri C. Poliah.
24. Shri M. K. Damodaran.
25. Shri K. Davalan.
26. Shri R. Thangadorai.
27. Shri N. Prasannan Nair.
28. Shri A. Dorairaj.
29. Shri S. Sundaramoorthy.
30. Shri B. Sundaramoorthy.
31. Shri K. Ahmed Ali.
32. Shri P. Govindan.
33. Shri V. Vaidyanathan.
34. Shri P. Sukumaran.
35. Shri L. Susai Raj.

[No. L. 11011(17)/74-LR. III/D. 2(B)]

HARBANS BAHADUR, Section Officer (Special)

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1655.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh in the industrial dispute between the employers in relation to the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar, and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th May, 1975.

BEFORE SHRI H. R. SODHI, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) CHANDIGARH

Reference No. 3/C of 1973

Between the workmen and Management of Beas-Sutlej Link Project, Sundernagar.

#### APPEARANCES :

1. Shri M. S. Toggar—for the workmen.
2. Shri Rattan Lal—for the respondent Project.

#### AWARD

A dispute arose between the workmen and the management of Beas-Sutlej Link Project, Sundernagar in respect of a claim put up by the former for house rent allowance for those of the workmen who are allowed to share housing accommodation with others or where allotted accommodated is below-status. A notice of demand in this respect was served on the management of the project and the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 7A and ~~and section 10 of the Industrial Dispute Act,~~

- (1) Whether the employees employed at the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP) and allowed sharing of housing accommodation, are entitled to any house rent allowance, and if so, from what date, with what details, and at what rates?
- (2) Whether the employees employed at the BSL Project, Sundernagar (HP) who are allotted below status accommodation, are entitled to payment of any house rent allowance, and if so, from what date and at what rate ?

#### (3) Relief.

The workmen in support of their claim examination Sarv-Shri Subhash Chander Beldar employed at Nangal AW 1 and Narinder Pal Sharma General Secretary of the Union AW-2, The Management produced Sarv-Shri B. D. Aggarwal, SDO (Personal) Unit No. II Talwara RW1, R. N. Goel Executive Engineer Personnel Bhakra Management Board, Nangal RW 2, Tek Chand Narula Secy. House Allotment Committee of the respondent establishment RW 3 and Rattan Lal Personnel Officer RW 4. Documents produced by the management to indicate the policy relating to allotment of house accommodation and payment of rent are Ex. R1, R2, R3 and Ex. R4 Ex. R5 is a copy of the offer of appointment as made to the workcharged employees at the time of their intial appointment.

The evidence of the workmen does not establish their claim. Shri Subhash Chander AW1 only states this much only that he has not been allotted any house accommodation at Nangal nor paid any house rent. Shri Narinder Pal Sharma AW2 deposes that accommodation at Sundernagar is divided into different categories and sometimes workmen are put together in the same accommodation while there are others who are allotted accommodation below their status. The respondent project was orginally administered by the Punjab Government which framed policy for house allotment and the same policy as stated by Shri B. D. Aggarwal RW1 is being followed. We have it in the statement of Shri R. N. Goel RW2 that at Nangal which is a sister unit of the respondent whenever a workmen shares accomodmation with another he is paid 50 per cent of the rent to which he is eligible. To the same effect is the statement of Shri Tek Chand Narula RW2 who is directly concerned with the allotment of houses in Sundernagar. He too deposes that a workman gets 50 per cent of the house rent if he shares accommodation with the original allottee. Shri Rattan Lal RW2 only produced a copy of the officer of appointment Ext. R 5 to show the conditions of service of the workcharged employees. From a resume of the evidence it is abundantly clear that a workman who shares accommodation with another gets 50 per cent of the house rent to which he is otherwise entitled and that is the maximum that can be done for him. The Punjab Government initiated this policy and the same is being followed by the respondent. I fail to appreciate what grievance a workman can have when he is being paid 50 per cent of the house rent in the event of his sharing accommodation with another.

As regards allotment of accommodation below status, it is open to the workmen not to accept it and have the house rent admissible to him. The case of the management is that they are prepared to pay house rent if the ~~accommodation offered~~ is not acceptable to a workman.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

प्रादेश

का० आ० 1654—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावग्नि अनुशूली में विनियोजित विषय के बारे में इंडियन एयर लाइन्स, मद्रास के प्रबन्धसंघ से मध्यन्धर नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यानिर्णयन के लिये निर्देशित करना चाहनीय समझती है ;

अतः, अब, श्रीद्वयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7 के और धारा 10 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ध) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक श्रीद्वयिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीछासीन अधिकारी थिल टी. पालानी-मण्णन होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त विवाद की उक्त अधिकारण को न्यानिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या इंडियन एयर लाइन्स, मद्रास का, निम्नलिखित सभी कर्मकारों या इसमें से किसी को जो उसके द्वारा नियमित, आकस्मिक/दैनिक दर के प्राप्तार पर नियुक्त किए गए थे, 23-11-1973 से नियोजन से इनकार करना न्यायोचित है ? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार हैं ?

1. श्री डॉ अरमुंशम
2. श्री एम. साम।
3. श्री पी० एस० मथाई
4. एस० बालासुब्रामण्यम
5. श्री आर० सामराज
6. श्री वी० गंगाधरण
7. श्री एन० परमानंदम
8. श्री एम० एडवर्ड
9. श्री एस० सम्पथ
10. श्री पी० सुन्दरराजन
11. श्री पी० गोविन्द स्वामी
12. श्री आर० बरधन
13. श्री के० एनुमलाई
14. श्री पी० पी० बाबू
15. श्री जी० कोडिभाऊ
16. श्री एम० मनीराज
17. श्री के० विक्करम
18. श्री सी० सी० राजामनी
19. श्री वी० के० विजयन उल्ली
20. श्री वी० थिरुनाथ
21. श्री एन० मनी

22. श्री डॉ लाजारस
23. श्री सी० पोलियाहू
24. श्री एम० के० वामोदरन
25. श्री के० दयालन
26. श्री आर० भंगार्डीरे
27. श्री एन० प्रसाद्राम नायर
28. श्री ए० डोरेशराज
29. श्री एस० सुन्दरमूर्ति
30. श्री वी० सुन्दरमूर्ति
31. श्री के० अहमद अली
32. श्री पी० गोविन्दन
33. श्री वी० वैद्यमायन
34. श्री पी० सुकुमारन
35. श्री एल० सुसेईराज

[संख्या एल० 11011(17) / 74-एस० आर०-3 डी 02(वी)]

New Delhi, the 11th April, 1975

#### ORDER

S.O. 1654.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Madras and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule, hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Thiru T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the Indian Airlines, Madras, is justified in denying employment from 23-11-1973 to all or any of the undermentioned workmen who were appointed by them on regular casual/daily rate basis ? If not, to what relief are the said workmen entitled and from what date ?

1. Shri D. Arumugham.
2. Shri M. Sam.
3. Shri P. S. Mathai.
4. Shri S. Balasubramaniam.
5. Shri R. Samraj.
6. Shri V. Gangadharan.
7. Shri N. Paramanandam.
8. Shri S. Edward.
9. Shri S. Sampath.
10. Shri P. Sundararajan.
11. Shri P. Govindaswamy.
12. Shri R. Varadhan.
13. Shri K. Elumalai.
14. Shri P. P. Babu.
15. Shri G. Kondiah.
16. Shri M. Maniraj.
17. Shri K. Dikkram.

18. Shri C. C. Rajamani.
19. Shri V. K. Vijayan Unni.
20. Shri B. Thirunath.
21. Shri N. Mani.
22. Shri J. Lazaras.
23. Shri C. Poliah.
24. Shri M. K. Damodaran.
25. Shri K. Dayalan.
26. Shri R. Thangadorai.
27. Shri N. Prasannan Nair.
28. Shri A. Dorairaj.
29. Shri S. Sundaramoorthy.
30. Shri B. Sundaramoorthy.
31. Shri K. Ahmed Ali.
32. Shri P. Govindan.
33. Shri V. Vaidyanathan.
34. Shri P. Sukumaran.
35. Shri L. Susai Raj.

[No. L. 11011(17)/74-LR. III/D. 2(B)]

HARBANS BAHADUR, Section Officer (Special)

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1655.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh in the industrial dispute between the employers in relation to the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar, and their workmen, which was received by the Central Government on the 12th May, 1975.

BEFORE SHRI H. R. SODHI, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) CHANDIGARH

Reference No. 3/C of 1973

Between the workmen and Management of Beas-Sutlej Link Project, Sundernagar.

#### APPEARANCES :

1. Shri M. S. Toggar—for the workmen.
2. Shri Rattan Lal—for the respondent Project.

#### AWARD

A dispute arose between the workmen and the management of Beas-Sutlej Link Project, Sundernagar in respect of a claim put up by the former for house rent allowance for those of the workmen who are allowed to share housing accommodation with others or where allotted accommodated is below status. A notice of demand in this respect was served on the management of the project and the Central Government in exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (2) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) referred as per notification No. L. 42012/31/73/IR III, dated 19th July, 1973, published in the Government of India Gazette the following matter to this Tribunal for adjudication:

"Whether the employees employed at the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP) and allowed sharing housing accommodation and or below status accommodation are entitled to the payment of any House Rent Allowance? If so, from what date and at what scales?"

The workmen were represented through Beas-Sutlej Link Workers' Union, Sundernagar of which Shri M. S. Toggar is the President. The workmen filed a claim statement to which the management filed its reply. On the pleading of the parties following issues were framed:

(1) Whether the employees employed at the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP) and allowed sharing of housing accommodation, are entitled to any house rent allowance, and if so, from what date, with what details, and at what rates?

(2) Whether the employees employed at the BSL Project, Sundernagar (HP) who are allotted below status accommodation, are entitled to payment of any house rent allowance, and if so, from what date and at what rate?

#### (3) Relief.

The workmen in support of their claim examination Sarv-Shri Subhash Chander Beldar employed at Nangal AW 1 and Narinder Pal Sharma General Secretary of the Union AW-2. The Management produced Sarv-Shri B. D. Aggarwal, SDO (Personal) Unit No. II, Talwara RW1, R. N. Goel Executive Engineer Personnel Bhakra Management Board, Nangal RW 2, Tek Chand Narula Secy. House Allotment Committee of the respondent establishment RW 3 and Rattan Lal Personnel Officer RW 4. Documents produced by the management to indicate the policy relating to allotment of house accommodation and payment of rent are Ex. R1, R2, R3 and Ex. R4. Ex. R5 is a copy of the offer of appointment as made to the workcharged employees at the time of their intial appointment.

The evidence of the workmen does not establish their claim. Shri Subhash Chander AW1 only states this much only that he has not been allotted any house accommodation at Nangal nor paid any house rent. Shri Narinder Pal Sharma AW2 deposes that accommodation at Sundernagar is divided into different categories and sometimes workmen are put together in the same accommodation while there are others who are allotted accommodation below their status. The respondent project was orginally administered by the Punjab Government which framed policy for house allotment and the same policy as stated by Shri B. D. Aggarwal RW1 is being followed. We have it in the statement of Shri R. N. Goel RW2 that at Nangal which is a sister unit of the respondent whenever a workmen shares accomodation with another he is paid 50 per cent of the rent to which he is eligible. To the same effect is the statement of Shri Tek Chand Narula RW2 who is directly concerned with the allotment of houses in Sundernagar. He too deposes that a workman gets 50 per cent of the house rent if he shares accommodation with the original allottee. Shri Rattan Lal RW2 only produced a copy of the officer of appointment Ext. R 5 to show the conditions of service of the workcharged employees. From a resume of the evidence it is abundantly clear that a workman who shares accommodation with another gets 50 per cent of the house rent to which he is otherwise entitled and that is the maximum that can be done for him. The Punjab Government initiated this policy and the same is being followed by the respondent. I fail to appreciate what grievance a workman can have when he is being paid 50 per cent of the house rent in the event of his sharing accommodation with another.

As regards allotment of accommodation below status, it is open to the workmen not to accept it and have the house rent admissible to him. The case of the management is that they are prepared to pay house rent if the accommodation offered is not acceptable to a workman. There is no manner of doubt that the number of workmen has increased and the housing accommodation is insufficient. The management has set up colonies for the workmen but as stated by the witnesses proper accommodation cannot be built overnight. In building new colonies financial implications are involved, which at times a management can ill-afford to undertake. In my opinion, there is no merit in the claim which stands dismissed with no order as to costs.

February 5, 1975.

Presiding Officer,  
Industrial Tribunal, Punjab, (Central).

New Delhi, the 12th May, 1975

**S.O. 1656.**—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the National Industrial Tribunal at Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the Hindustan Machine Tools-I and II, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th May, 1975.

#### NATIONAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

(Camp : Bangalore).

PRESENT :

SRI E. K. MOIDU ... Presiding Officer.

Reference No. NT 2 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the :

Hindustan Machine Tools, I, Bangalore.

Hindustan Machine Tools II, Bangalore.

Hindustan Machine Tools IV, Kalamassery.

And

Their Workmen.

APPEARANCE :

On behalf of Employers—Sri P. P. Boppana, Advocate

On behalf of Workmen—Sri M. C. Narasimhan, Advocate.

#### AWARD

Disputes having been arisen between the employers in relation to the Hindustan Machine Tools I, II, Bangalore and Hindustan Machine Tools IV, Kalamassery and their employees, the Central Government by its Order dated 17th October, 1967 referred the following three items for adjudication to this Tribunal :

- (i) Whether the demand of the workmen in the Hindustan Machine Tools I and II at Bangalore for payment of Bonus at the rate of 20 per cent of their salary for the year 1966-67 is justified ? If not, to what quantum of bonus are they entitled ?
- (ii) Whether the workmen of Hindustan Machine Tools at Kalamassery, Pinjore and Hyderabad are entitled to any bonus and if so, what should be the quantum of such bonus ; and
- (iii) Whether the demand of the workmen of Hindustan Machine Tools I and II at Bangalore and of the Hindustan Machine Tools IV at Kalamassery that the bonus should be calculated on the basis of a consolidated profit and Loss Account for all the units and all activities and not on the basis of Profit and Loss Accounts of the separate units and separate activities is justified ?"

2. This tribunal had an elaborate trial of the disputes and came to a conclusion and passed an award, the terms of which in brief are set-forth below :

- (1) The demand of the workmen in the Hindustan Machine Tools I and II Bangalore for payment of bonus at the rate of 20 per cent of their salary for the year 1966-67 is not justified and they are entitled only to four per cent, that is to say the minimum bonus for the year.
- (2) The Workmen of the Hindustan Machine Tools at Kalamassery and Pinjore are entitled to the same rate of bonus as is paid to workmen of the Watch factory and HMT I & II workmen during the year 1963-64. The factory at Hyderabad not having been started by March 31, 1964, becomes disentitled

to the provisions of the Bonus Act. Since during the Bonus Act period by virtue of the maintenance of separate accounts no branch or undertaking becomes entitled to the prosperity of the company the Hyderabad branch is not entitled to any bonus at all under the provisions of the payment of Bonus Act ; and

- (3) The demand of the workmen of the Hindustan Machine Tools Ltd. I & II at Bangalore and of the Hindustan Machine Tools Ltd. No. IV at Kalamassery that bonus should be calculated on the basis of consolidated profit and loss accounts of the separate units and separate activities is justified for the year 1963-64 only and not for the years 1964-65, 1965-66 and 1966-67."

3. As against the above award the employees of H.M.T. IV, Kalamassery filed an appeal to the Supreme Court vide Civil Appeal No. 389 L of 1970. That appeal disposes of the disputes covered by items 2 and 3 of this tribunal award referred to above. But the employees of H.M.T. I and II, Bangalore filed a writ petition to the High Court at Karnataka at Bangalore in Writ Petition No. 5335 of 1969 questioning the correctness of the first of the three conclusions arrived at by the Tribunal with regard to the demand of workmen for payment of bonus at the rate of 20 per cent of their salary for the year 1966-67 instead of 4 per cent awarded. The High Court, Karnataka by its judgement dated 14th March, 1974 formulated three points for determination in the writ petition which read as follows :

- (1) that the National Tribunal was wrong in adding Rs. 64,79,663/- by way of depreciation as per books while determining the gross profits instead of Rs. 81,16,982/- which was shown as depreciation in the Profit and Loss Account produced by the management.
- (2) that the National Tribunal erred in not noticing that there was a sum of Rs. 17,86,731/- available as the amount of set-on for the year 1966-67 ; and
- (3) that the National Tribunal erred in allowing a deduction of 6 per cent on the sum of Rs. 7,65,64,630/- which was shown against Head Office current Account as on 1-4-1966.

As against the Point Nos. (2) and (3) the High Court found against the workmen but as regards item No. (1) the High Court remanded the matter for fresh disposal by this tribunal. In doing so the High Court set aside the award and remand was made for consideration of (a) to determine the amount that should be added back by way of depreciation in item 2(b) of the Second Schedule of the Bonus Act and (b) to determine the amount that should be allowed to be deducted under Sec. 6A of the Bonus Act and (c) to decide how much bonus is payable to the workmen on the basis of the findings of (a) and (b) referred to above without interfering with the other portions already decided by the National Tribunal. The parties were also permitted to adduce fresh evidence on the question involved in the remand.

4. This has now come up before me for being at Bangalore when Mr. Jacob Pulimood who was already examined as MW-2 was recalled and is examined. No fresh document was filed. But when the matter came up for final hearing today both the parties entered into a compromise as regards the dispute involved in the order of remand. They filed a petition stating therein the terms of compromise. On consideration of all the aspects of the question and the long pendency of the dispute, I am the opinion that the compromise is fair and equitable in the interest of both the parties.

5. In view of the settlement mentioned above, a revised award is passed in terms of the compromise ; the compromise petition will form part of the revised award.

Dated, Bangalore, the 24th April, 1975.

E. K. MOIDU, Presiding Officer  
K. D. GANDHI, Under Secy.

BEFORE THE HON'BLE NATIONAL TRIBUNAL :  
 CALCUTTA.  
 (CAMP : BANGALORE)  
 Reference No. NIT-2 of 1974.

## PARTIES:

First Party—Workmen represented by H.M.T. Employees' Association, Bangalore (For H.M.T. I & II Units).

Second Party—Management of H.M.T. I & II Units, Bangalore.

The Parties above named pray that this Hon'ble Tribunal may be pleased to make an award in the above case on the following terms :

1. The Second Party agrees to pay the workmen of H.M.T. I & II, Bangalore, bonus at the rate of 1 per cent of their wages rounded off to 4 (four days) for the year 1966-67 in addition to the minimum bonus of 4 per cent already awarded by this Hon'ble Tribunal.
2. The First Party workmen shall receive subject to Clause 3 below the said amount in full and final settlement of their demand for bonus against the Second Party for the said year.
3. Recovery of a month's salary advance paid to the First Party workmen for the year 1966-67 pending disposal of the above reference less bonus payable/adjustable as above in column 1 shall be settled on terms to be mutually agreed upon.

Sd/-

General Secretary, H.M.T.E.A.  
 (For First Party Workmen)  
 24-4-1975

Sd/-

Dated, Bangalore,  
 The 24th April, 1975:

(For Second Party Management)  
 Controller of Accounts  
 24-4-1975

Sd/-

(Advocate for First Party)

Sd/-

(Advocate for Second Party)

[No. 4/138/67-LR-III/I & E(I)]  
 K. D. GANDHI, Under Secy.

New Delhi, the 13th May, 1975

**S.O. 1657.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, in the industrial dispute between the employers in relation to the Beas Sutlej Link Project and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th May, 1975.

BEFORE SHRI H. R. SODHI, PRESIDING OFFICER,  
 INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) CHANDIGARH

Reference No. 2/C of 1974

Between the workmen and management of Beas-Sutlej Link Project, Sundernagar.

## Appearances:

1. Shri Mohinder Singh Toggar for the workmen.
2. Shri K. K. Jaggia for the management.

## AWARD

The Beas-Sutlej Link Project Sundernagar, is administered under the authority of the Central Government. There are about 35000 workcharged employees working in the project and some of them are entitled to the benefits available under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952, described hereinafter as the Act and the Contributory Provident Fund Scheme framed under that Act. The Project is being constructed to link river Beas with Sutlej through channels and the nature of construction is such that factories have also been set up in the project. It appears that some of the workcharged employees are covered under the Act but the remaining who are not so covered wanted to get the benefits of provident fund and family pension schemes. There are a number of Unions formed by the workcharged employees and the BSL Workers' Union referred to hereinafter as the Union, is one of them. The Union served a demand notice on the management raising what they considered to be an industrial dispute and the Central Govt. being satisfied that the union represented majority of the workmen seeking relief, it acted in exercise of the powers conferred on it by section 7A and sub-section (2) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) referred as per notification No. L. 42012/25/74/IRIII dated the 18th July, 1974, published in the Gazette of India the following matter to this Tribunal for adjudication:

"Whether the workcharged employees of the Beas Sutlej Link Project, Sundernagar (HP) other than those covered under the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952, are entitled to similar benefits or to the benefits under the Contributory Provident Fund Scheme applicable to workcharged employees of the Central Public Works Department retrospectively? If no, to what relief in either case, are they entitled?"

The workmen filed a statement of claim to which a reply was filed by the management through Shri K. K. Jaggia, Superintending Engineer (Administration) Talwara, its authorised representative. Some preliminary objections including one relating to the jurisdiction of this Tribunal were raised and on the pleadings of the parties the following issues were framed:

## Preliminary issues :

1. Whether the instant reference is bad in law and without jurisdiction it being pleaded *inter alia* that no industrial dispute existed; that the Central Government alone is competent to decide whether the workmen should be given the benefit of the Provident Funds Act or of any Contributory Provident Fund Scheme leaving Tribunal with no jurisdiction to decide these questions; and that at any rate the matter has already been decided by Central Government in terms of Section 19-A so as to bar any adjudication in this regard?
2. Whether the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh, Central Govt. is a necessary party and if so, what is the effect of his not having been impleaded as a party to the reference?
3. Whether the claim of the workmen suffers for want of particulars, and, if so, what is its effect?
1. Whether the workcharged employees of the respondent Project who are not covered under the Employees' Provident

Funds and Family Pension Fund Act, 1962 are entitled to similar benefits or to the benefits under the Contributory Provident Fund Scheme alleged to be available to the work-charged employees of the Central Public Works Department?

2. If issue No. 1 is decided against the workmen to what relief, if any, are they still entitled and with what details?

No other issue was claimed by the parties. Evidence in regard to the preliminary issues was produced only by the management, which closed the same on 30-1-75. I disposed of preliminary issue No. 3 by my order dated 30-1-75 deciding the same against the management. It was held that the claim statement did not suffer for want of necessary particulars and that the objection was without substance. I thought it necessary to decide that issue before any evidence was recorded, as the recording of evidence would not have been in order if at any stage I ever thought that claim statement first needed to be modified. In regard to other preliminary issues, the management examined Sarv-Shri Mulakh Raj Asstt. in the office of General Manager Beas Project, Talwara MW1 and Rattan Lal Personnel Officer of the respondent management MW2. The evidence of these witnesses does not lead us anywhere. No evidence is required to decide preliminary issue No. 2 and nor has, in fact, any been led. Shri Jaggia could not convince me how the Provident Fund Commissioner, Chandigarh, was a necessary party. He fails to appreciate that the parties may be either necessary or proper and they have to be impleaded if any relief is sought against them or their presence before the Tribunal is considered necessary for proper adjudication of the case. The Provident Fund Commissioner comes into picture when Provident Fund is permissible or any scheme has been introduced which is to be implemented. It is not the case of the management that any relief is sought against the Provident Fund Commissioner and it is equally inconceivable how the presence of this officer is necessary before the Tribunal for deciding the question if any provident fund scheme is to be introduced amongst the workmen. Issue No. 2 is consequently without any substance and stands decided against the management.

The only issue that survives for consideration is issue No. 1 and it has admittedly merit in it. The Act applies by virtue of Section 2 thereof to every establishment which is a factory engaged in a specified industry and such industries are mentioned in Schedule I to the Act. The third condition for the applicability of the Act is that 20 or more persons must have been employed in such a factory. It can be made applicable even to other establishments provided the Central Government by a notification in the official Gazette so directs. The Act can apply even to establishments having less than 20 persons and no matter whether the industry is covered by the Schedule, or not provided the Central Govt issues a notification in this regard after complying with the requisite procedure. The scheme of the Act therefore, is to the effect that the matter of giving benefits under the Act to any establishment rests excluding in the discretion of the Central Govt. which alone by an appropriate notification can give such relief to the workmen of any industrial establishment. When the legislature has chosen to specifically rest the matter of taking decisions as to the desirability of extending the Act to any establishment or any class of establishment in the discretion of the Central Govt. it is not for this Tribunal to usurp the functions of the Central Govt. and assume jurisdiction which is impliedly taken away from it by the Act. The Industrial Disputes Act is a general Act intended to administer social justice within the scope of the provisions contained therein, but when there is a special Act like the Provident Fund Act dealing with matters of Provident Fund and Family Pension, I am afraid I have no jurisdiction to give relief to the workmen. The workmen can approach the Central Govt. and it is for that Govt. alone to apply the Act under which the provident fund scheme can be framed for any class of employees, whether work-charged or otherwise. In the result, the preliminary issue No. 1 is decided for the management to the extent that I have no jurisdiction to give relief to the workmen as claimed by them and the only remedy for them is to approach the Central Govt.

The reference stands disposed of accordingly, & there is no order as to costs.

H. R. SODHI, Presiding Officer,  
Industrial Tribunal Punjab (Central)

[No. L-4202(25)/74-LR.III/D.2(B)]  
HARBANS BAHDUR, Section Officer (Spl.).

प्रावेश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1975

का० आ० 1658.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाधिकरण प्रनुभूती में विनियोगित विषयों के बारे में भारतीय जीवन वीमा निगम से सम्बद्ध नियोजकों और उसके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

शीर यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

यतः शब्द, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ष) द्वारा प्रवत् प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के प्रधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, मुख्यमंड़ी को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

प्रनुभूती

क्या भारतीय जीवन वीमा निगम के प्रबन्धर्त्ता की, उल्हासनगर शास्त्रा के सभी वर्ग 3 और 4 कर्मचारियों के महार प्रतिकर भत्ता, 1 अक्टूबर, 1974 से बद्द कर देने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

[स० एन-17029/1/75-डी० II/ए०]

## ORDERS

New Delhi, the 11th April, 1975

S.O. 1658.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Life Insurance Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Bombay, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of the Life Insurance Corporation of India in discontinuing the City Compensating Allowance to all the class III and class IV employees of Ulhasnagar Branch with effect from the 1st October, 1974, is justified? If not to what relief are the said workmen entitled?

[No. L. 17029/1/75-DII/A]

## आदेश

का० आ० 1659.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध प्रनुसूची में विनिदिष्ट विषयों के बारे में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीशोधिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय गममती है;

अतः अब, श्रीशोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्त (व) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीशोधिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वैधित करती है।

## प्रनुसूची

क्या सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतन्त्र की, बैंक की खासयोंल शास्त्र के नियिक श्री पुष्पांतरम चत्व जौधरी की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई अनुचित अम व्यवहार है? यदि हाँ तो उक्त कर्मकार किस प्रनुतोष का हकदार है?

[मं० एल० 12012/147/74-एल आर [II]

**S.O. 1659.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of the Central Bank of India in terminating the services of Shri Purshotam Chand Chowdhry, clerk, Khasyol Branch of the Bank, amounts to unfair labour practice? If so, to what relief is the said workman entitled?

[No. L. 12012/147/74/LR[II]

## आदेश

नहीं दिल्ली, 14 अप्रैल, 1975

का० आ० 1660.—यतः, केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध प्रनुसूची में विनिदिष्ट विषयों के बारे में यूनाइटेड कार्मशियल बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीशोधिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय गममती है;

अतः अब, श्रीशोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्त (व) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रीशोधिक अधिकरण, कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वैधित करती है।

## प्रनुसूची

(1) क्या श्रीमती सरला भडालिया ऐसे उच्च दायित्व के कर्त्तव्यों का पालन कर रही है जो तारीख 19 अक्टूबर, 1966 के द्विदलीय समझौते के पैरा 5-6 के नियन्त्रकों के अनुमार विषेष भत्ता देने के बायग्य हैं? यदि हाँ, तो वह किस प्रनुतोष की हकदार है?

(2) इकलीस मई, 1968 और उसके आगे उसके द्वारा पालन किए गए कर्त्तव्यों की प्रकृति का ध्यान में रखते हुए क्या श्रीमती भडालिया को प्रभारी अधिकारी, सेफ डिपाजिट वाल्ट के रूप में पवारिहित और पुष्ट किया जाना चाहिए?

[मं० एल-12012/5/75/डी 2/क]

## ORDER

New Delhi, the 14th April, 1975

**S.O. 1660.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the United Commercial Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

(1) Whether Mrs. Sarala Bhadalla has been performing the duties of higher responsibility to attract special allowance in terms of paras 5-6 of the Bipartite Settlement, dated the 19th October, 1966, from the 31st May, 1968? If so, to what relief is she entitled?

(2) Taking into consideration the nature of duties performed by her from the 31st May, 1968 onwards, whether Mrs. Bhadalla should be designated and confirmed as Officer-in-Charge, Safe Deposit Vault? If so, with what details?

[No. L-12012/5/75/DII/A.]

का० आ० 1661.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपबद्ध प्रनुसूची में विनिदिष्ट विषयों के बारे में यूनाइटेड इंडिया फायर एण्ड जनरल ईंशोरेनस कम्पनी लिमिटेड से सम्बन्ध नियोजकों श्रीमती कर्मकारों के बीच एक श्रीशोधिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय गममती है;

अतः अब, श्रीशोधिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-की धारा 10 की उपधारा (1) के अन्त (व) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीशोधिक अधिकरण गठित करता है, जिसके प्रीठासीन अधिकारी श्री एच० भार० सोंधी

द्वांगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ में होमा और उक्त विवाद को उक्त श्रोतोंगिक अधिकरण को न्यायित्यन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या युनाइटेड इण्डिया फायर एंड जनरल इंसरेन्स कम्पनी लिमिटेड चंडीगढ़ के प्रबन्धतांक की पूर्ववर्ती कोशिपरेटिव जनरल इंसरेन्स सोसाइटी लिमिटेड के भूतपूर्व कर्मचारी श्री हरदयाल सिह की सेवाओं को 1 जुलाई 1972 से समाप्त करने की कार्रवाई वैध और न्यायित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[फा० सं० एल० 17011/1/75/डी. 2/क]

## ORDER

New Delhi, the 19th April, 1975

**S.O. 1661.**—Whereas the Central Government is of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in relation to the United India Fire and General Insurance Company, Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (i) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of the United India Fire and General Insurance Company Limited, Chandigarh in terminating the services of Shri Hardial Singh, an ex-employee of the erstwhile Cooperative General Insurance Society Limited with effect from the 1st July, 1972, is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[File No. L. 17011/1/75/DII/A]

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1975

का० आ० 1662.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्र अनुसूची में विनियिष्ट विषयों के बारे में पंजाब मेशनल बैंक से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रोतोंगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायित्यन के लिये निर्देशित करता बांधनोय समझती है;

यतः अब, श्रोतोंगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार श्रोतोंगिक अधिकरण, विली को न्यायित्यन के लिये निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या पंजाब मेशनल बैंक की, आरह स्थित उसकी शाखा के कार्यालय के लिपिक श्री अरुण कुमार को सेवाओं को 23 जून 1973 से समाप्त करने और उस की नियन्त्रक सेवा के पश्चात् उसे पुष्ट कर्मचारी न मानने की कार्रवाई न्यायित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/106/74/एल० आर० 3]

## ORDER

New Delhi, the 15th April, 1975

**S.O. 1662.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab National Bank and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the Punjab National Bank in terminating the services of Shri Arun Kumar, Clerk in its Branch Office at Arrah with effect from the 23rd June, 1973 and not treating him as a confirmed hand after a continuous service of six months is justified? If not, to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/106/74-LRIII

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

New Delhi, the 15th May, 1975

**S.O. 1663.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Chandigarh, in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen which was received by the Central Government on the 12th May, 1975.

BEFORE SHRI H. R. SODHI, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, PUNJAB, (CENTRAL)  
CHANDIGARH

Reference No. 6/C of 1973

## BETWEEN

The workmen and Central Bank of India, Amritsar.

## APPEARANCES:

1. Sarvshri R. K. Joshi with S. K. Berry—concerned workman.

2. Shri C. L. Chawla—for the respondent Bank.

## AWARD

Shri S. K. Berry, the concerned workman is working as a Clerk in the Civil Lines Branch of the respondent bank at Amritsar. He joined service in 1958 and has not been promoted to a higher rank since then, though at one time he is alleged to have been offered promotion, which according to the management, he declined. The workman is a member of the Central Bank of India Employees' Union (Regd.) Punjab which is admittedly a minority union and will be described hereinafter as such. The workman has been claiming promotion, but no amicable solution of the problem could be found through negotiations between the parties. The Central Government being satisfied that an industrial disputes existed, acted in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), referred to hereinafter as the Act and referred as per notification No. L. 12012/173/72-LRIII, dated April 27, 1973, published in the Gazette of India the following matter to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Central Bank of India in denying the chance to work as

Special Assistant to Shri S. K. Berry, Clerk, Civil Lines Branch, Amritsar, on and from the 24th November, 1969, is justified? If not, to what relief is he entitled?"

Notices were issued to the parties and they filed their respective pleadings on which the following issues were framed :

- (i) Whether respondent management was justified in denying to Shri S. K. Berry, Clerk, Civil Lines Branch of the Bank at Amritsar, the chance to work as Special Assistant on and from 24th September, 1969, and if not, to what relief is the workman entitled?
- (ii) Relief.

The burden of the issue was on the management which led its evidence first. Sarvashri R. P. Malhotra, Assistant Zonal Manager, Zonal Officer, Chandigarh RW 1 and I.D. Magu Chief Internal Auditor, Chandigarh RW-2 were examined on behalf of the management, which also produced some documents to be discussed later. The workman examined Shrivshri K. L. Gupta, Assistant Zonal Manager, Chandigarh AW1, M. K. Venkateswaran, Zonal Superintendent New Delhi AW2, A. L. Chopra, Ex-General Secretary of the Union AW3, R. P. Sharma Divisional Manager, Amritsar AW4, Satish Chander Special Assistant employed in the Jammu Branch of the respondent bank at New Delhi AW5, Satnarain Mishra AW6, R. N. Mishra AW7 and Tara Chand Gupta AW8. Shri S. K. Berry, the concerned workman also went into the witness box as AW9.

There is no manner of doubt that the workman has not been granted promotion in Officers' Grade or as Special Assistant from 24-11-1969 till date. The sine quanon of promotion is fixed as 24th November, 1969, as it is by letter Ex. A17 of that date that the respondent bank communicated to the workman the offer of promotion as a Junior Officer in the bank's branch at Ludhiana and asked him to convey his acceptance within three days of the issue of the letter. The terms and conditions on which the workman was proposed to be promoted are stated in this letter. Before the letter Ex. A17 was issued, the workman had been interviewed by the Interviewing Committee on 7-11-1969 and found fit for promotion. The workman was beyond dispute a senior office hand and eligible for promotion if he was found fit by the Committee and it did so find him as is clear from the letter Ex. A20 which purports to be dated 18-11-1969 though the date originally typed is 24th November, 1969. The reply of the workman to the offer is contained in the letter Ex. A18 dated 29-11-69. The workman made a request that since his family circumstances did not at that time permit him to proceed to Ludhiana as a Junior Officer he would much wish that he were promoted as a Special Assistant and posted in Amritsar Branch. The workman prayed to the Agent of the bank that his request be sympathetically considered and the needful done. The management treated this letter Ex. A18 as a refusal of the workmen to accept promotion and wrote back the letter Ex. A19 dated 17-1-70 almost 14 months afterwards informing him that since he had refused to accept the offer for promotion as a Junior Officer his claim for future promotion stood forfeited. As regards the request of the workman to be promoted as Special Assistant the bank informed him that such a request could not be acceded to as the Head Officer had discontinued the system of promoting Special Assistants. The workman instead of entering into correspondence with the bank regarding his claim for promotion, raised an industrial dispute presumably because he believed that the management was determined to victimise him for his alleged trade union activities and more so when the majority union which was being listened to by the authorities, was against him. It may be mentioned that there is another union styled as All-India Central Bank of India Employees' Federation referred to hereinafter as the Federation, which is recognised by the management and has influence on it, as is clear from some correspondence on the record. The dispute was referred u/s 10A to the arbitration of Regional Labour Commissioner, Chandigarh, in the following terms :

"Whether the denial of officiating chances as Special Assistant to Shri S. K. Berry clerk, Civil Lines Branch of Central Bank of India, Amritsar, by the

management on 21-1-70 and on subsequent occasions till 1-5-70 is justified?; if any, to what relief is he entitled?"

The arbitrator in his award Ex. A 21 found denial of officiating chances to Shri Berry as unjustified and directed that he be compensated. An issue was raised before the arbitrator that the workman had no right to exercise any option to be posted as Special Assistant as such promotion policy had been discontinued by the management. The arbitrator did not accept the contention of the respondent bank and observed that an averment by it to this effect was not correct and that the management had "been accepting in some cases, options given by the employees in similar circumstances". Since the reference before the arbitrator had a very limited scope he was not called upon to decide whether beyond compensation to which the workman was found eligible for denial of chances of promotion any other relief could be made available to him. It was in these circumstances that in the present reference it has become necessary to decide whether the denial of promotion to the workman from 24-11-69 till date could be justified ?

I have given my careful thought to the matter and on an appraisal of evidence both oral and documentary, I feel that the respondent bank has not been fair to the workman who is being obviously victimised. To arrive at the correct conclusion in this regard, one has to see the promotion policy adopted by the bank from time to time, Shri Chawla for the bank vehemently relied on the promotion policy Ex. R 4, which is an agreement arrived at on 30-1-70 between the bank and the Federation. The relevant para about option on promotion as junior officer for the post of Special Assistant, provides that any candidate who is to be promoted under the rules will have the option to become either a Special Assistant or a Junior Officer, but this option will be exercised by him once only. Two other settlements which govern promotion and some other matters are Bipartite Settlement dated 19-10-1966 and Desai Award of 1962 or which mention is made in Ex. R 4. The contention on behalf of the bank that the workman in this case was not entitled to this option under the policy letter Ex. R 4 is unexceptionable. It is equally correct that the workman was not entitled to any option either under the Bipartite Settlement or the Desai Award. The sole question that survives for consideration is as to what was the promotion policy of the bank about the exercise of option before the policy agreement Ex. R 4 was reached between the authorities and the Federation. Shri Chawla invited my attention to Ex. R 1 which is a circular letter private and confidential issued by the Head Office Bombay to all Controlling Branch Agents in India. By this letter, the exercise of option by a clerk who was to be promoted, has been stopped. There is, however, a mention made in Ex. R 1 of an earlier circular dated 28-12-66 according to which if a clerk was to be promoted to the officers' cadre, he could exercise an option and give a letter of option as per draft sent with the said circular. In the evidence produced before this Tribunal, instances have been cited where options were allowed to be exercised by the clerks when they were sought to be promoted as Junior Officers. It was open to such a clerk in every case to join as a Junior Officer or choose to become a Special Assistant which is not an officer grade, but the workmen for reasons best known to them sometime preferred to hold such posts instead of those of Junior Officers. Shri Satish Chander AW5 was permitted to exercise option before the policy contained in Ex. R 4 was introduced. He deposes on solemn affirmation that the practice of the bank had always been to make an offer of the post of a Junior Officer, but it was open to the employee proposed to be promoted to seek promotion as Special Assistant instead of a Junior Officer. The witness gives the names of other clerks as well, who were permitted to exercise such option whenever their chances of promotion came Sarvashri Satnarain Mishra AW 6 and R. N. Mishra AW 7 exercised similar option after the policy stated in Ex. R 4 had come into force, but the case of Shri Tara Chand Gupta AW8 leaves no room for doubt that such an option could be exercised even in 1966 as well and he did avail of it. The argument of Shri Chawla that the instructions contained in Ex. R 1 were not meant for the Delhi Zone is on the face of it untenable when we find that the said letter issued by the Bombay Head Office was intended for all the agents of the banks in the country. It was probably because of such cases being present to his mind that Shri S. K. Berry, the concerned workman, requested the bank authorities that instead of being posted at Ludhiana as a junior Officer he be promoted as a Special Assistant in

Amritsar where he wanted to continue for some alleged personal reasons. The only just and proper course for the management was to have told the workman that it was not prepared to accede to his request and that he must proceed to Ludhiana, but no such thing was done. The management, on the other hand, straightaway after a lapse of a month and a half informed the workman that all his future claims for promotion had been forfeited which to say the least, was most atrocious. Had the workman been informed that the alternative before him was either to accept the chance as Junior Officer or forfeit his chances of promotion, he might have thought of a different course, but he was not afforded any such opportunity by the bank authorities. There is on the record a letter, dated 30-11-69, by the President of the majority union demanding of the Regional Manager, Central Bank of India, Chandigarh, that Shri Berry who did not join at Ludhiana be either asked to do so or he should forfeit his chances for promotion. I am driven to the conclusion that it was on the demand of the majority union as contained in the letter dated 30-11-69, marked 'A', that the bank authorities wrote letter, Ext. A/19, forfeiting promotion claim of the workman. After decision to forfeit claim for promotion, the management kept up the appearance of giving chances to the workman to appear before the Interviewing Committees from time to time to take another chance for promotion. He was called for interview on 4-12-70 when he appeared before the Interviewing Committee under protest but is stated to have failed. The other two occasions when he was again called, arose on 12th July, 1972 and 3rd February, 1973, but both these times the workman did not appear under protest, it being his case that he had already qualified and that his case for promotion was pending adjudication before the appropriate authority under the Industrial Disputes Act. It may be mentioned that the procedure before the interviewing Committee, as deposed by Shri R. P. Malhotra, R.W. 1, has been to ask 10 questions out of a manual of hundred questions, Ext. R/3, which is supplied to the candidates two months in advance in terms of the promotion policy, Ext. R/4, the underlying idea being that the candidate knows beforehand as to what type of questions are going to be asked. Ext. R/2 is a copy of the proceedings of the Interviewing Committee relating to the interview of Shri Berry on 4-12-70. The case of Shri Berry is that he was not supplied the manual despite his representation, dated 3-12-70. Shri I. D. Magu, R.W. 2, was the Chairman of the Interviewing Committee and according to him, Shri Berry never complained that the manual was not supplied to him, though he did protest that having qualified once he should not have been called for interview again. Shri Magu further states that he did not check up whether the candidate had been supplied with the manual, though he believed that all those who appeared must have been provided such a copy. There is nothing to show that Shri Berry ever protested earlier and I would not have accepted his statement on oath as A.W. 9 that he did not receive the manual, but

the curious thing is that the management is also not able to produce the acknowledgement receipt showing any copy of the manual having been received by Shri Berry. As a matter of fact it is mentioned in the letter, Ext. R/8 addressed by the Divisional Manager, Amritsar to the Zonal Office, Chandigarh that no acknowledgement of Shri Berry to the effect that he had received the booklet, was traceable on the record. It appears that the authorities were alive to the fact that such acknowledgement receipt should have been available if any such copy had been received. In such a situation when there is no rebuttal of the statement of Shri Berry, supported as it is by the letter Ex. R/8 I am forced to infer that Shri Berry might not have received the booklet in advance. The workmen had a right to insist that he had qualified once and therefore was due for promotion, and that forfeiture of his claim for such a promotion was wholly unjustified. To call such a person again and again for interview does not show the bona fides of the bank authorities who seem to be only just making a fetish of the whole thing without meaning seriously to accept Shri Berry for promotion, nor Shri Berry took it seriously that he was to appear in an oral test for obtaining any promotion, and the ding-dong battle between the bank authorities and the workmen, thus continued. It will be highly improper and unjust if a workman who had once been cleared for promotion though his claim is forfeited, should have been required to appear in the test again. I am indeed satisfied that the letters issued to the workman asking him to appear before the Interviewing Committee, lacked bona fides and were only intended to give an impression of fairness to the employee without meaning much. In the result, I must hold, as already observed, that there was no legal or moral justification for the respondent bank to have denied a chance to the workman to work as Special Assistant when he asked for the same in pursuance of the proposal for promotion as communicated to him by the letter dated 28-11-69, Ex.A16. I must equally hold that the promotion of the workman has so far been withheld as an act of victimisation and unfair labour practice. The workman is, in these circumstances, entitled to his promotion as a Special Assistant retrospectively with effect from 24-11-69 when the same was arbitrarily and unjustly declined to him. The workman will be given seniority in the higher post as if he had been promoted on 24-11-69, but will not be entitled to any compensation beyond what has already been allowed to him in terms of the arbitration award, Ext. A/21. The management will, however, bear the costs of the proceedings before this Tribunal and they are assessed at Rs 300/-.

H. R. SODHI, Presiding Officer

[No. L. 12012/173/73/LR[II]

R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

